RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

बोकारो, मंगलवार

24.2.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 126

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

भारत टैक्सी से जुड़े चालकों के लिए न्यूनतम आधार किराया तय होगा : शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि हाल ही में शुरू की गई सहकारी टैक्सी सेवा भारत टैक्सी अपने मंच से जुड़े सभी 'सारथियों' (चालकों) के लिए प्रति किलोमीटर न्यूनतम आधार किराया सुनिश्चित करेगी और इस दर से नीचे सेवा संचालित नहीं की जाएगी। शाह ने यहां भारत टैक्सी के सारथियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि मौजूदा टैक्सी एग्रीगेटर कंपनियों ने अपना मुनाफा बढ़ाने के लिए चालकों के लिए कोई आधार दर तय नहीं की है, जबकि भारत टैक्सी में ऑटो की लागत, पेट्रोल की खपत और न्यूनतम लाभ को जोड़कर बेस रेट निर्धारित किया जाएगा। यह सेवा पारदर्शिता के सिद्धांत पर काम करेगी और किसी भी बदलाव की सूचना एक सप्ताह पहले सारथियों को मोबाइल पर दी जाएगी। अमित शाह ने कहा, "भारत टैक्सी में कुछ भी छिपा नहीं होगा। सारथियों को नोटिफिकेशन के जरिए हर जानकारी देने से 'भारत टैक्सी' दुनिया की सबसे पारदर्शी कैब सर्विस बनेगी। भारत टैक्सी सारथियों की मिनिमम वायबिलिटी के आधार

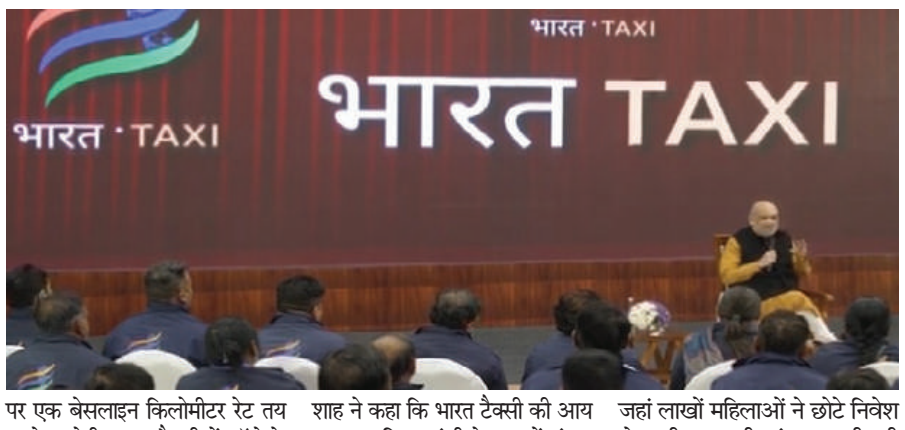

पर एक बेसलाइन किलोमीटर रेट तय करके चलेगी। भारत टैक्सी में ऑटो के मूल्य, पेट्रोल की खपत और मिनिमम प्रॉफिट को मिलाकर एक बेस रेट बनाया जाएगा और सर्विस इस रेट से नीचे नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी का उद्देश्य किसी निजी कंपनी की तरह अधिकतम मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि सारथियों को सशक्त बनाना है। इस सहकारी मॉडल में सारथी ही मालिक होंगे और 500 रुपये का शेयर लेकर साझेदार बन सकेंगे। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव में सारथियों के लिए सीटें आरक्षित की जाएंगी, ताकि वे स्वयं अपने हितों की रक्षा कर सकें। शाह ने कहा कि भारत टैक्सी की आय का 20 प्रतिशत पूंजी के रूप में संस्था के खाते में रखा जाएगा, जबकि 80 प्रतिशत राशि सारथियों को उनके द्वारा चलाए गए किलोमीटर के आधार पर लौटाई जाएगी। शुरुआती तीन वर्षों में विस्तार पर ध्यान दिया जाएगा, इसके बाद लाभ का वितरण इसी अनुपात में होगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि आने वाले तीन सालों में देश के प्रत्येक नगर निगम में 'भारत टैक्सी' मौजूद होगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता के सिद्धांत को समझने की आवश्यकता है और उदाहरण देते हुए अमूल का उल्लेख किया, जहां लाखों महिलाओं ने छोटे निवेश से बड़ी सहकारी संस्था खड़ी की है। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी भी इसी प्रकार का एक बड़ा सहकारी आंदोलन बनेगी और आने वाले तीन वर्षों में देश के प्रत्येक नगर निगम क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी। महिला सशक्तीकरण के तहत 'सारथी दीदी' की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए अमित शाह ने कहा कि ऐप में ऐसा प्रावधान किया जाएगा कि एकल महिला यात्री को प्राथमिकता से महिला सारथी उपलब्ध कराई जाए, जिससे सुरक्षा और आत्मनिर्भरता दोनों सुनिश्चित हों।

पीएम मोदी 25 को इजराइल दौरे पर जाएंगे, प्रधानमंत्री कार्यकाल में यह दूसरी यात्रा

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी 25 फरवरी से इजराइल दौरे पर जा रहे हैं। अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल में वह दूसरी बार इजराइल जाएंगे। वह 2017 में इजराइल गए थे। एक तरफ भारत के संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और बहरीन जैसे देशों से बहुत अच्छे रिश्ते हैं तो वहीं इजराइल के साथ भी उसके लंबे समय से संबंध हैं। ऐसी स्थिति में पीएम मोदी का फिर से इजराइल दौरा अहम माना जा रहा है। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू 2025 में ही तीन बार भारत आने के प्लान बना चुके थे, लेकिन हर बार उन्हें यात्रा स्थगित करनी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रणनीतिक और विदेश मामलों के जानकार का कहना है कि पीएम मोदी के इजराइल दौरे से इससे भारत को फायदा होगा और उसे रणनीतिक बढ़त मिलेगी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ऐसे समय में इजराइल का दौरा करने वाले हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान किया है कि कभी भी ईरान पर हमला हो सकता है।

आत्मगौरव का सम्मानः राष्ट्रपति

राष्ट्रपति भवन में राजाजी की प्रतिमा का अनावरण

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन परिसर में आजाद भारत के पहले और एकमात्र भारतीय गवर्नर जनरल चक्रवर्ती सी. राजगोपालाचारी (राजाजी) की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने राजाजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समर्पित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। यह प्रदर्शनी 24 फरवरी से 1 मार्च तक राष्ट्रपति भवन स्थित अमृत उद्यान में आने वाले आम नागरिकों के लिए खुली रहेगी। अशोक मंडप के समीप ग्रैंड ओपन सीढ़ी पर स्थापित राजाजी की यह प्रतिमा पहले वहां लगी एडविन लुटियंस की प्रतिमा के स्थान पर लगाई गई है। इसे औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों को समाप्त करने और भारत की सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्रीय आत्मगौरव को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रपति भवन में स्थापित की गई राजाजी की प्रतिमा का अनावरण करना उनके लिए ऐतिहासिक अवसर है। राजाजी को सम्मानित कर देश ने अपने आत्मगौरव का सम्मान किया है। उन्होंने स्मरण कराया कि जब राजाजी गवर्नमेंट हाउस (अब राष्ट्रपति भवन) पहुंचे थे, तब उन्होंने अपने कक्ष में रामकृष्ण परमहंस और महात्मा गांधी के चित्र लगाए थे। इससे उन्होंने यह संदेश दिया कि भारत भले ही औपचारिक रूप से डोमिनियन रहा हो, लेकिन भारतीयों के हृदय में स्वराज स्थापित हो चुका था। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की विरासत पर गर्व करने और गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का जो राष्ट्रीय अभियान चल रहा है, उसमें राजाजी के आदर्श स्पष्ट रूप से परिलक्षित होते हैं। ब्रिटिश शासन के दौरान शासक जनता से दूरी बनाए रखते थे, लेकिन स्वतंत्र भारत में लोकतंत्र का मूल सिद्धांत जन-जन से जुड़ाव है। राष्ट्रपति भवन राष्ट्र का भवन है और इसके द्वार सभी देशवासियों के लिए खुले हैं। राष्ट्रपति ने 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर अग्रसर देशवासियों से राजाजी के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजाजी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे और विधि, स्वतंत्रता संग्राम, सामाजिक-आर्थिक सुधार, प्राचीन भारतीय ग्रंथों, तमिल एवं अंग्रेजी साहित्य, कविता, संगीत, राजनीति और प्रशासन जैसे अनेक क्षेत्रों में उनका योगदान अतुलनीय रहा है। इस अवसर पर आयोजित 'राजाजी उत्सव' को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि राजाजी की प्रतिमा का अनावरण औपनिवेशिक प्रभाव से मुक्ति की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रक्रिया एक सतत परिवर्तन है, जो शासन, कानून, शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीय पहचान के क्षेत्रों में दिखाई दे रही है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'गुलामी मानसिकता से मुक्ति' की परिकल्पना को अनेक पहलों के माध्यम से साकार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय श्रमिकों को थाईलैंड में बंधक बनाए जाने के मामले में मानवाधिकार आयोग का विदेश मंत्रालय को नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने थाईलैंड में काम करने वाले ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले के उन छह पीड़ित श्रमिकों का स्वतः संज्ञान लिया है जिन्होंने एक वीडियो संदेश में बैंकाक स्थित एक कारखाने के नियोक्ता पर पिछले छह महीने से बंधक बनाए जाने का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर आयोग ने विदेश मंत्रालय को नोटिय जारी कर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। आयोग ने सोमवार को बताया कि 19 फरवरी को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले के छह लोग पिछले साल अगस्त में एक श्रम ठेकेदार के माध्यम से थाईलैंड गए थे। उसने उन्हें अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी का वादा किया था। बाद में उन्हें प्लाईवुड कारखाने में बिना वेतन और उचित भोजन के प्रतिदिन 12 घंटे काम करने के लिए मजबूर किया गया। यह घटना 17 फरवरी 2026 को तब सामने आई जब पीड़ितों ने अपनी आपबीती सुनाते हुए एक वीडियो रिकॉर्ड किया। उन्हें पिछले 6 महीने से बैंकॉक स्थित एक इलाके में कारखाने के अंदर कैद करके उनके नियोक्ता की ओर से शारीरिक और मानसिक यातनाएं दी जा रही हैं। उनके नियोक्ता ने उनके पासपोर्ट भी जब्त कर लिए हैं। उन्होंने भारत की सरकारी एजेंसियों से उनकी वापसी में सहायता करने की अपील की है।

ईरान आसमान में बिछाएगा अमेरिका के लिए जाल, रुस से हुई गुप्त डील

तेहरान। ईरान और अमेरिका में तनाव के बीच एक तरफ कूटनीति की कोशिशें तेज हो रही हैं, तो दूसरी तरफ दोनों देशों ने हथियार तान रखे हैं। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने पुष्टि की है कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु वार्ता का अगला दौर गुरुवार को जिनेवा में होगा, लेकिन इसी बीच एक ऐसी खबर आई है जो अमेरिका की टेंशन बढ़ा सकती है। ईरान को रूस घातक हथियार देने को तैयार हो गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान और रूस के बीच 500 मिलियन यूरो की एक गुप्त हथियार डील हुई है। इसके तहत रूस तीन साल में 500 'वर्बा' लॉन्च यूनिट और 2,500 '9एम336' मिसाइलें देगा। ये सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें हैं, जिन्हें जमीन, समुद्र या हवा से दागा जा सकता है। बताया जा रहा है कि यह समझौता दिसंबर 2025 में मॉस्को में हुआ था। रूस की सरकारी हथियार निर्यात कंपनी और ईरान के रक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधियों के बीच यह सौदा तय हुआ। इससे साफ है कि ईरान संभावित टकराव की तैयारी भी साथ-साथ कर रहा है। पिछले साल ईरान के एयर डिफेंस को हमले में नुकसान हुआ था, लेकिन वर्बा मिसाइल एक ऐसा एयर डिफेंस है, जिसे अमेरिका ट्रैक ही नहीं कर सकेगा, इसलिए यह ईरान के लिए मास्टर स्ट्रोक है।

किश्तवाड़ में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में तीन आतंकी ढेर, तलाशी अभियान जारी

किश्तवाड़। किश्तवाड़ जिला के छात्रू-पासरकूट में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में क्षेत्र में सक्रिय जेश ए मोहम्मद संगठन के साथ जुड़े तीन आतंकी मारे गए, जिसके साथ ही क्षेत्र में चलाए गए अभियान त्राशि-1 में अभी तक चार आतंकी मारे गए हैं। जानकारी केक मुताबिक छात्रू में चले लंबे अभियान में रविवार सुबह पासरकूट के वानी पुरा के करीब एक ढोक में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर इलाके को सुरक्षा बलों ने घेर लिया और दोनों तरफ से गोलियां चलना शुरू हो गई, जिसमें 2-पैरा, आरआर, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस की एसओजी का दल शामिल था। इसी बीच सुरक्षा बलों ने ढोक को उड़ा दिया और ढोक की तलाशी दौरान सुरक्षा बलों ने पहले जले हुए दो शव और दो एके-47 बंदूकें बरामद की और शाम को सेना ने मलबे के नीचे से एक

और आतंकी का शव और बंदूक बरामद की, जिसके साथ ही मारे जाने वाले आतंकियों की संख्या तीन हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि अभी भी वहां पर तलाशी अभियान जारी है। इस मुठभेड़ में सेना का एक स्नाइफेर डॉग भी घायल हुआ है जिसका उपचार किया जा रहा है। गुप्त सूचनाओं के आधार पर जनवरी में ओपरेशन त्राशि-1 तहत सुरक्षा बलों ने छात्रू के एक बड़े इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश शुरू कर दी थी।

मोदी का बंगाल की जनता के नाम पत्र

राज्य के समग्र विकास का संकल्प दोहराया

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की जनता के नाम एक खुला पत्र जारी कर राज्य के समग्र विकास का संकल्प दोहराया है। पत्र में उन्होंने राज्य की वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले महीनों में पश्चिम बंगाल का भविष्य तय होगा और यह निर्णय यहां की जनता के सोच-समझकर लिए गए फैसले पर निर्भर करेगा। प्रधानमंत्री ने अपने पत्र की शुरुआत 'जय मां काली' के संबोधन से करते हुए पश्चिम बंगाल के नागरिकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य का हर युवा, बुजुर्ग और महिला आज बेहतर भविष्य की अपेक्षा रखता है और उनकी पीड़ा उन्हें भी व्यथित करती है। इसी भावना के साथ उन्होंने पश्चिम

बंगाल को 'विकसित' और 'समृद्ध' बनाने का संकल्प लेने की बात कही। प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए दावा किया कि पिछले वर्षों में गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के असहयोग और विरोध के बावजूद, पश्चिम बंगाल में पांच करोड़ लोग जन-धन योजना के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े हैं। स्वच्छ भारत अभियान के तहत 85 लाख शौचालयों का निर्माण कराया गया है। छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को 2.82 लाख करोड़ रुपये का लोन दिया गया। 'उज्ज्वला योजना' के माध्यम से एक करोड़ से अधिक परिवारों को रसोई गैस देकर माताओं-बहनों को धुएं से मुक्ति दिलाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल पेंशन योजना के अंतर्गत 56 लाख लोगों ने पंजीकरण कराया है और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बड़ी संख्या में परिवारों को पक्के घर मिले हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि किसान सम्मान निधि के माध्यम से 52 लाख किसानों को सीधी आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। पत्र में मोदी ने पश्चिम बंगाल के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गौरव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और यह देश की अर्थव्यवस्था की दिशा तय करने वाला अग्रणी प्रदेश रहा है। किंतु पिछले दशकों में कुशासन और तुष्टीकरण की राजनीति के कारण राज्य को नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रोजगार के अभाव में युवाओं को अन्य राज्यों में पलायन करना पड़ रहा है और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। प्रधानमंत्री ने बंगाल की महान विभूतियों का स्मरण करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद और रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने जिस बंगाल की कल्पना की थी, वह आज संकीर्ण राजनीति और हिंसा की चपेट में दिखाई देता है।

शाह समेत शीर्ष नेताओं ने पूर्व रेलमंत्री मुकुल रॉय के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुकुल रॉय के निधन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान समेत शीर्ष नेताओं ने शोक व्यक्त किया।

केंद्रीय गृह और सहकारितामंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट पर कहा कि मुकुल रॉय के निधन से दुखी हूं। सार्वजनिक सेवा में उनके लंबे करियर को संगठनात्मक गतिशीलता और सार्वजनिक मुद्दों की उनकी समझ से परिभाषित किया गया था। उनके परिवार के सदस्यों और समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मुकुल रॉय के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उन्होंने लंबे समय तक सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहकर राजनीतिक संवाद में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों, समर्थकों और शुभचिंतकों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें | पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने टीएमसी के नेता मुकुल रॉय के निधन पर शोक व्यक्त किया। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि दिवंगत मुकुल रॉय लंबे समय के राजनीतिक सहयोगी और कई आंदोलनों में साथी रहे।

रनवे पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ एक और तेजस, वायुसेना ने 30 विमानों की उड़ान पर लगाई रोक

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना का एक तेजस लड़ाकू विमान प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटना का शिकार हो गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में एक अग्रिम एयरबेस पर लैंडिंग के वक्त संदिग्ध ब्रेक फेल होने के कारण विमान रनवे से आगे निकल गया। इस घटना में विमान के ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, हालांकि राहत की बात यह रही कि पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में कामयाब रहा। यह घटना 7 फरवरी की बताई जा रही है, जिस पर अभी तक वायुसेना की ओर से कोई औपचारिक सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है। इस दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने एहतियाती कदम उठाते हुए लगभग 30 सिंगल-सीट तेजस जेट विमानों के पूरे बेड़े को

अस्थायी रूप से उड़ान भरने से रोक दिया है। सूत्रों का कहना है कि विमानों की तकनीकी जांच और सुरक्षा मानकों की व्यापक समीक्षा पूरी होने तक यह बेड़ा जमीन पर ही रहेगा। तेजस विमान से जुड़ी यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले मार्च 2024 में जैसलमेर के पास एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था और दूसरी घटना नवंबर 2025 में दुबई एयरशो के दौरान सामने आई थी। हादसों के बीच वायुसेना अपनी मारक क्षमता बढ़ाने के लिए आधुनिक विमानों को शामिल करने पर जोर दे रही है।

नेपाल में पोखरा से काठमांडू जा रही बस त्रिशूली नदी में गिरी, 18 की हुई मौत

एजेंसी। काठमांडु

नेपाल में सोमवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। पोखरा से राजधानी काठमांडू जा रही एक यात्री बस अनियंत्रित होकर धादिंग जिले में त्रिशूली नदी में जा गिरी। इस दुखद घटना में अब तक 18 यात्रियों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 25 अन्य घायल हैं। यह हादसा सोमवार तड़के करीब 1:15 बजे पृथ्वी हाईवे पर बेनिघाट रोरांग ग्रामीण नगरपालिका-3 के चिनाधारा, चरौंडी इलाके में हुआ। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बस तेज रफ्तार में थी और अचानक सड़क से फिसलकर करीब 300 मीटर गहरी ढलान से नीचे गिरती हुई सीधे नदी किनारे जा पहुंची। बस की हालत इतनी खराब थी कि उसके परखच्चे उड़ गए। जिला ट्रैफिक पुलिस प्रमुख शिशिर थापा ने बताया कि मृतकों में 11 पुरुष और 6 महिलाएं शामिल हैं। घायलों में भी महिलाओं और पुरुषों के साथ एक नाबालिग लड़की है, जिनमें से कई की स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। हादसे की खबर मिलते ही नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस की टीमें स्थानीय लोगों के साथ राहत और बचाव कार्य में जुट गईं। पहाड़ी इलाका और रात का घना अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। नेपाल में हाल के दिनों में यह दूसरा बड़ा सड़क हादसा है। इससे पहले 6 फरवरी को बैतडी जिले में एक शादी समारोह से लौट रही बस खाई में गिर गई थी, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई थी। लगातार हो रहे इन जानलेवा हादसों ने नेपाल के पहाड़ी रास्तों पर सड़क सुरक्षा के दावों की पोल खोल दी है।

केंद्र ने आंध्र प्रदेश में इंटरनेट की पहुंच मजबूत करने के लिए राज्य से किया समझौता, 2,432 करोड़ की दी मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश में ग्रामीण दूरसंचार ढांचे को सुदृढ़ और उन्नत करने के लिए राज्य सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके लिए केंद्र ने राज्य के लिए ग्रामीण दूरसंचार ढांचे को सुदृढ़ और उन्नत करने के लिए 2,432 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि केंद्र सरकार की इकाई डिजिटल भारत निधि और आंध्र प्रदेश सरकार के बीच भारतनेट संशोधित कार्यक्रम को तेजी से लागू करने के लिए रविवार को राज्य के मुख्यमंत्री कार्यालय, तडेपल्ले (गुंटूर) में हुए इस समझौते में राज्य के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर मौजूद रहे। समझौते पर

डिजिटल भारत निधि के प्रशासक श्यामल मिश्रा और आंध्र प्रदेश सरकार के विशेष मुख्य सचिव (बुनियादी ढांचा एवं निवेश विभाग) मोव्वा तिरुमाला कृष्णा बाबू ने हस्ताक्षर किए। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि संशोधित भारतनेट कार्यक्रम 1.39 लाख करोड़ रुपये की सार्वजनिक निधि से चलने वाली योजना है, जिसका लक्ष्य देश के हर गांव तक फाइबर और ब्रॉडबैंड पहुंचाना है। उन्होंने इसे तकनीक का लोकतंत्रीकरण बताया। राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर ने कहा कि यह समझौता ग्रामीण इलाकों में अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी मजबूत करेगा और लोगों को सस्ती व भरोसेमंद डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराएगा। राज्य के मुख्यमंत्री नायडू ने इसे राज्य की डिजिटल रूपांतरण यात्रा में मील का पत्थर बताया और कहा कि इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और ई-शासन की सेवाओं में सुधार होगा। उल्लेखनीय है कि संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के तहत आंध्र प्रदेश में 13,426 ग्राम पंचायतों को जोड़ा जाएगा। इसमें पहले चरण की 1,692 ग्राम पंचायतों को अपग्रेड करना, दूसरे चरण की 11,254 ग्राम पंचायतों को शामिल करना और 480 नई ग्राम पंचायतों को जोड़ना शामिल है। साथ ही 3,942 गांवों को मांग के आधार पर कनेक्टिविटी दी जाएगी। इस पहल से 5 लाख से अधिक ग्रामीण घरों को फाइबर कनेक्शन मिलने की उम्मीद है।

शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान वकील पर नाराज हुए सीजेआई, सावधान रहें

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान नाराज हो गए। बताया जा रहा है कि सीजेआई की नाराजगी की वजह वकील की ओर से पेश की गई दलील थी, जिसमें उन्होंने अदालत पर सुनवाई नहीं करने के आरोप लगाए थे। नौबत यहां तक आ गई कि सीजेआई ने वकील को दो टूक कहा कि वह अदालत में पेश होने और सामग्री पेश करने के दौरान सावधान रहें। दरअसल वाकया सोमवार का है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई का दौर चल रहा था। तभी एडवोकेट मैथ्यूज नेदुम्पारा की बात पर सीजेआई ने आपत्ति जाहिर की थी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

सालगाडी में ओल चिकी महोत्सव, मातृभाषा से जुड़ने का संदेश

सरायकेला। चांडिल प्रखंड के चिलगु पंचायत अंतर्गत ग्राम सालगाडी में मरांगबुरू मार्शल गावता सालगाडीह के तत्वावधान में एक दिवसीय खेलकूद एवं संथाली ओल चिकी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन का नेतृत्व रतन मार्डी ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य संथाली भाषा की ओल चिकी लिपि के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी मातृभाषा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़ना था।

कार्यक्रम में 100 मीटर दौड़, हांडी फोड़, बेलून फोड़, मोमबत्ती रेस और सुई-धागा रेस जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य आकर्षण "ओल चिकी टैलेंट प्रतियोगिता" रही, जिसमें प्रतिभागियों ने ओल चिकी लिपि में लेखन-पाठन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता में अनिता हांसदा प्रथम, धीरेन सोरेन द्वितीय और लक्ष्मी टुडू तृतीय स्थान पर रहीं। चौथे से दसवें स्थान तक के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर डॉ. सत्य नारायण मुर्मू ने कहा कि पंडित रघुनाथ मुर्मू केवल लिपि निर्माता नहीं, बल्कि संथाली समाज के महान शिक्षाविद और सांस्कृतिक चेतना के अग्रदूत थे। उन्होंने 1925 में ओल चिकी लिपि का निर्माण कर संथाली समाज को अपनी स्वतंत्र लिखित पहचान दी। डॉ. मुर्मू ने कहा कि ओल चिकी केवल लिपि नहीं, बल्कि संथाली अस्मिता का प्रतीक है और ग्रामीण क्षेत्रों में इसके प्रचार-प्रसार की अभी भी आवश्यकता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में नरेंद्र मांझी, सत्य रंजन सोरेन, रंजीत टुडू, मनोज मार्डी, सुसेन मार्डी, अमित कुमार मार्डी, सुधीर चंद्र मुर्मू और दारायबुरू हांसदा सहित कई समाजसेवियों का योगदान रहा। स्थानीय लोगों ने ऐसे आयोजनों को भाषा और संस्कृति के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए इसे नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की।

बंद घर से युवक का शव बरामद, आत्महत्या की शक; गांव में मातम

पाकुड़: हिरणपुर थाना क्षेत्र के हाथकाठी गांव में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक बंद घर के भीतर 46 वर्षीय आलोक रंजन का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।जानकारी के अनुसार, मृतक की पत्नी अपने दोनों बच्चों के साथ पिछले एक माह से दरभंगा स्थित मायके में रह रही थीं और आलोक रंजन घर में अकेले थे। सोमवार सुबह गांव के ही पांचू यादव किसी कार्यवश उनके घर पहुंचे। दरवाजा भीतर से बंद मिलने पर उन्हें संदेह हुआ। आसपास के लोगों को सूचना दी गई और परिजनों से संपर्क किया गया।सूचना पाकर पाकुड़ से मृतक के छोटे भाई अमित रंजन पहुंचे और मामले की लिखित जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद थाना प्रभारी विनय कुमार एवं एसआई सूर्यकुमार राम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया, जहां कमरे के भीतर आलोक रंजन को पंखे से झूलता पाया गया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोनाजोरी स्थित सदर अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।परिजनों के अनुसार, आलोक रंजन पिछले कई वर्षों से 'मोदी केयर' से जुड़े हुए थे। घटना के पीछे के कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। गांव के लोगों ने बताया कि मृतक शांत स्वभाव के व्यक्ति थे और इस घटना ने सभी को स्तब्ध कर दिया है।फिलहाल पुलिस आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

दुर्घटना में एक की मौत

पूर्वी सिंहभूम। हाता–चाईबासा मुख्य मार्ग पर सोमवार तड़के करीब चार बजे एक सड़क दुर्घटना में 58 वर्षीय आनंद महतो की मौत हो गई। वे राजनगर प्रखंड के बोनकाटी टोला जोड़टाड़ के निवासी थे। बताया जा रहा है कि वे अपने बेटे मोहित को टाटानगर रेलवे स्टेशन छोड़ने के लिए स्कूटी से निकले थे। मोहित ऊटी में कार्यरत है और ड्यूटी पर लौटने के लिए ट्रेन पकड़ने जा रहा था। घटना हेंसल स्थित छोटानागपुर कॉलेज के समीप रितिका ढाबा के पास हुई। रास्ते में सड़क किनारे खड़ी एक हाईवा से उनकी स्कूटी की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आनंद महतो गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। उनके साथ बैठे बेटे को भी चोटें आईं । स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को तत्काल टाटा मेन हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद आनंद महतो को मृत घोषित कर दिया। पिता की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि हादसे के बाद मोहित कुछ समय के लिए बेहोश हो गया था, हालांकि अब उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर रही है।

नगरपालिका चुनाव में 68.11 हुआ मतदान

» नगरपालिका आम निर्वाचन 2026: सख्त सुरक्षा में शांतिपूर्ण मतदान जारी, जिला निर्वाचन पदाधिकारी नगर पालिका सह उपायुक्त ने किया विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़: जिले में नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत मतदान प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्वक एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हो रही है। सुबह से ही विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। महिला, पुरुष, युवा एवं वरिष्ठ नागरिक उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी निभा रहे हैं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री फैज अक अहमद मुमताज लगातार मतदान केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने कैथा, बोंगावार तथा पैंकी क्षेत्र के मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा प्रबंध, मतदान प्रक्रिया एवं मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कतार में लगे मतदाताओं से संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और उन्हें निर्भीक होकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। उपायुक्त ने मतदान कर्मियों को निर्देश दिया कि वे निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करते हुए मतदान संपन्न कराएं। साथ ही, कंट्रोल रूम के माध्यम से पूरे जिले में मतदान प्रक्रिया की सतत निगरानी की जा रही है, जिससे किसी भी स्थिति पर त्वरित कार्रवाई संभव हो सके।जिला निर्वाचन पदाधिकारी नगर पालिका सह उपायुक्त ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें और सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए।

दलमा में 25 फरवरी को विशाल महा जन सम्मेलन, ग्राम सभा की अनदेखी पर होगा जोरदार विरोध

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कोल्हान / चांडिल: दलमा वन्यजीव अभयारण्य में ईको टूरिज्म के तहत प्रस्तावित विकास कार्यों में ग्राम सभाओं की अनदेखी के विरोध में 25 फरवरी को माकुलाकोचा में विशाल महा जन सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसकी जानकारी सोमवार को चौका स्थित होटल ट्राइडेन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी गई।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए दलमा टाइगर सुकलाल पहाड़िया ने कहा कि अभयारण्य क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों में स्थानीय ग्राम सभाओं की सहमति और भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जा रही है, जो कि कानून और परंपरागत अधिकारों की अनदेखी है। उन्होंने कहा कि यदि ग्राम सभाओं की उपेक्षा जारी रही तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस महा जन सम्मेलन में दलमा वन्यजीव अभयारण्य से प्रभावित 84 मौजा के आंशिक 54 सहित कुल 135 गांवों के लोग शामिल होंगे। सम्मेलन में आगे की रणनीति तय की जाएगी तथा ग्राम सभाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए सामूहिक निर्णय लिया जाएगा।

इस अवसर पर समाजसेवी राधा कृष्णा सिंह मुंडा, राधेश्याम सिंह भूमिज, सुषेण सिंह सरदार, महावीर हांस

रामगढ़ के हरीश कुमार नीरज को पीएचडी की उपाधि, शिक्षा के क्षेत्र में जिले का नाम किया रोशन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला : रामगढ़ जिले के निवासी और शिक्षा जगत के सक्रिय व्यक्तित्व हरीश कुमार नीरज को रांची स्थित साईं नाथ यूनिवर्सिटी द्वारा शिक्षा विषय में पीएचडी की मानद उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने उक्त शोध कार्य डॉ. सीमा गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न किया।

हरीश कुमार नीरज ने "सरकारी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना का छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का एक अध्ययन (हजारीबाग जिला के संदर्भ में)" विषय पर अपना शोधकार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया। उनके इस शोध में हजारीबाग जिले के सरकारी स्कूलों का व्यापक विश्लेषण किया गया है, जो यह दर्शाता है कि मध्याह्न भोजन योजना किस प्रकार छात्रों की उपस्थिति और उनके सीखने की क्षमता को प्रभावित करती है।अपनी सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए डॉ. हरीश कुमार नीरज ने इसका श्रेय अपनी शोध निर्देशिका डॉ. सीमा गुप्ता, सहयोगी शिक्षकों और शुभचिंतकों को दिया है। उन्होंने कहा कि उनका शोध भविष्य में नीति निर्धारकों के लिए शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु सहायक सिद्ध होगा। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के शिक्षाविदों और गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की है।जिनमे मुख्य रूप से महेश्वरी देवी,किरण कुमारी, फणीन्द्र महतो, अजय नीरज, सन्नू कुमारी, उपेन्द्र शंखवार, काजल शंखवार, सौम्या नीरज, प्रेमचंद्र महतो, रिंकू महतो, रितु कुमारी, रिया कुमारी, स्वप्निल शंखवार,सिया नीरज, दक्ष पटेल इत्यादि शामिल हैं ।

प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय ने मतदान केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू : नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के तहत चल रही मतदान प्रक्रिया का प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पलामू और गढ़वा जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्था, सुरक्षा और मतदाताओं की सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया।

पलामू जिले के मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में संस्कार एकेडमी शाहपुर और राजकीय बालिका बुनियादी विद्यालय स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते हुए कुमुद सहाय ने मतदाताओं से सीधी बातचीत की। वहीं गढ़वा जिले में मध्य विद्यालय टंडवा और आर.के. गोविंद प्लस टू उच्च विद्यालय में बनाए गए मतदान केंद्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मतदाताओं के फोटोयुक्त पहचान पत्र और मतदाता पर्चियों की जांच की तथा फर्स्ट टाइम वोटर, युवा, महिला और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं से मतदान प्रक्रिया के अनुभव के बारे में जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान मतदान शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संचालित होता पाया गया। मतदाताओं ने व्यवस्था पर संतोष जताया। आयुक्त ने मतदान कार्य में लगे पदाधिकारियों, कर्मियों और सुरक्षाबलों को निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से चुनाव संपन्न कराने का निर्देश दिया। सभी केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात थे और मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करते दिखे।

कुमुद सहाय ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर मतदाता की भागीदारी जरूरी है और शांतिपूर्ण मतदान इसकी सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की।

राष्ट्रीय कुश्ती में झारखंड टीम के कोच बने युगलकिशोर महतो

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी : मिली जानकारी के अनुसार तमिलनाडु के सेलम में 27 फरवरी से 01 मार्च तक आयोजित होने वाली अंडर-15 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए गिरिडीह जिला कुश्ती संघ के महासचिव युगलकिशोर महतो को झारखंड अंडर-15 कुश्ती टीम का कोच नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से जिले के खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है।

युगलकिशोर महतो ने बताया कि वे पूर्व में भी झारखंड राज्य के लिए कोच की भूमिका निभाते रहे हैं और राज्य की टीम का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार भी उनका प्रयास रहेगा कि झारखंड की टीम प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन करे। उन्होंने झारखंड राज्य कुश्ती संघ के कोषाध्यक्ष सह अंतरराष्ट्रीय कोच बबलू कुमार के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिल रहा है।

झारखंड अंडर-15 टीम के कोच बनाए जाने पर गिरिडीह जिला प्रशासन के साथ-साथ संघ के उपाध्यक्ष नारायण कुमार महतो, कोषाध्यक्ष रमेश कुमार महतो, सदस्य रविन्द्र कुमार और अनूप कुमार ने युगलकिशोर महतो को बधाई दी है और टीम के बेहतर प्रदर्शन की कामना की है।

स्वास्थ्य सर्वोत्तम संपत्ति है, बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल करना हमारा कर्तव्य है : प्राचार्या

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चितरपुर : रजरप्पा के पीएमश्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय में छात्रों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं दी गई। जिसमें विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा निशुल्क शारीरिक परीक्षण, एनीमिया जांच, दंत चिकित्सा, और नेत्र परीक्षण किया गया। साथ ही व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड भी बनाया गया। इस शिविर का उद्देश्य बच्चों, स्कूल के स्टाफ को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए जागरूक करना था। इस मेडिकल कैंप में क्षेत्र के जाने-माने डॉक्टर और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की एक टीम ने अपनी सेवाएं दी। बच्चों की सामान्य स्वास्थ्य जांच, एनीमिया जांच, आंखों की जांच, हृदय संबंधित जांच, दांत की सफाई और खून की जांच जैसी सेवाएं उपलब्ध थी। सभी बच्चों के ऊंचाई व वजन की मापी किया गया। साथ ही बच्चों को स्वस्थ आहार, सही मुद्रा और नियमित व्यायाम के महत्व के बारे में बताया। साथ ही छात्रों की स्वास्थ्य संबंधित समस्या का निराकरण महिला विशेषज्ञों ने किया। मौके पर प्राचार्या तेजिंदर कौर ने कहा कि स्वास्थ्य सर्वोत्तम संपत्ति है। बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल करना हमारा कर्तव्य है। वही वरिष्ठ डॉक्टर ने बताया कि यह एक शानदार पहल है, जो बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद करेगा। नियमित जांच से कई बीमारियों की पहचान जल्दी हो सकती है। इलाज समय पर किया जा सकता है। कैंप के दौरान बच्चों ने भी अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में डॉक्टर से परामर्श लिया। कई महत्वपूर्ण टिप्स दिए। इस तरह के कैंप का आयोजन भविष्य में भी जारी रखने की योजना है, ताकि सभी विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जा सके।

मेदिनीनगर में मतदान का जायजा, अधिकारियों ने हटवाई भीड़

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू : नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में चल रहे मतदान का जायजा लेने के लिए डीआईजी कौशल किशोर, उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी समीरा एस और पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने वार्ड संख्या 6 के राजकीय नव प्राथमिक विद्यालय कचरवा स्थित बूथ संख्या 3 और 4, वार्ड 5 के राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहलोलवा स्थित बूथ संख्या 2 और 3 तथा वार्ड 5 के ही राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय पोखरखुर्द स्थित बूथ संख्या 1 पर पहुंचकर मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था और मतदाताओं की सुविधाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान वार्ड 31 के मतदान केंद्र संख्या 3 पर अनावश्यक रूप से जुटी भीड़ को पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने तत्काल हटवाया और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराया। कुछ बूथों पर वोटिंग कंपार्टमेंट के भीतर दो व्यक्तियों के एक साथ मतदान करने की शिकायत भी मिली, जिससे गोपनीयता प्रभावित हो रही थी। इस पर उपायुक्त समीरा एस ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए प्रत्येक मतदाता से अलग-अलग और गोपनीय तरीके से मतदान कराने को कहा। वार्ड 27 में भी मतदान प्रक्रिया को तेज और व्यवस्थित ढंग से संचालित करने का निर्देश दिया गया।

पलामू जिले के मेदिनीनगर निगम सहित पांचों निकायों में मतदान सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 5 बजे तक शांतिपूर्ण ढंग से चला। मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। शाम 5 बजे तक मेदिनीनगर नगर निगम में 57.41 प्रतिशत, विश्रामपुर में 66.67 प्रतिशत, छतरपुर में 65.81 प्रतिशत, हुसैनाबाद में 59.86 प्रतिशत और हरिहरगंज में 65.81 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

उम्र पर भारी पड़ा उत्साह, लाठी और व्हीलचेयर के सहारे भी लोकतंत्र के द्वार पहुंचे कदम

राष्ट्रीय मुख्यधारा : दीपक झा

बोकारो : नगर निगम चुनाव में भले ही आंकड़ों का गणित अपेक्षित आंकड़ों को न छू पाया हो, लेकिन मतदान को लेकर आम जनता के उत्साह का ग्राफ आसमान छूता नजर आया। चास के तमाम बूथों पर आज लोकतंत्र की ऐसी तस्वीरें देखने को मिलीं, जो न केवल प्रेरणादायक थीं, बल्कि मतदान के महत्व को भी बखूबी बयां कर रही थीं। बूथों पर केवल युवाओं की लंबी कतारें ही नहीं थीं, बल्कि शारीरिक लाचारी को मात देकर पहुंचे बुजुर्गों और दिव्यांगों ने भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई।

मतदान केंद्रों पर कोई लाठी टेकते हुए पहुंचा, तो कोई व्हीलचेयर के सहारे अपनी बारी का इंतजार करता दिखा। कई बुजुर्ग मतदाताओं को उनके परिजन टोटो या निजी वाहनों से लेकर बूथ तक पहुंचे, ताकि वे अपने मताधिकार से वंचित न रहें। मतदान प्रतिशत बढ़ाने और मतदाताओं की सुविधा के लिए डीसी अजय नाथ झा की पहल के परिणामस्वरूप क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं, दिव्यांगजनों और 80 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को प्रशासन द्वारा टोटो (ई-रिक्शा) की सुविधा मुहैया कराई गई थी। मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने और वापस घर छोड़ने के लिए टोटो की निःशुल्क सुविधा रही, ताकि वे बिना किसी शारीरिक परेशानी के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। पहले मतदान, फिर जलपान के संकल्प को चरितार्थ करते हुए इन मतदाताओं ने यह साबित कर दिया कि जिम्मेदारी के सामने उम्र और शारीरिक कष्ट गौण हैं। शरीर से लाचार होने के बावजूद इन जागरूक वोटरों के चेहरों पर वोट डालने के बाद जो चमक और स्याही लगी उंगली का गर्व दिखा, उसने पूरे चुनावी माहौल को एक नई ऊर्जा से भर दिया।

घूम-घूमकर डीसी एसपी लेते रहे मतदान का जायजा

सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा तथा पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह ने चास नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर निर्वाचन व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने रविंद्र भवन चास स्थित विभिन्न मतदान केंद्रोंका जायजा लिया तथा मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था और हुए मतदान की जानकारी ली। साथ ही, वोटरों का मनोबल भी बढ़ाया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने मतदान केंद्रों पर उपस्थित मतदाताओं से संवाद कर मतदान प्रक्रिया एवं उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान मतदाताओं ने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान के लिए जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

चुनाव को ले बाजार में पसरा रहा सन्नाटा, बंद रहीं दुकानें

नगर निगम चुनाव को लेकर बोकारो इस्पात नगर का मुख्य बाजार चास सोमवार को पूरी तरह शांत रहा। लोकतंत्र के इस बड़े उत्सव के कारण शहर का मिजाज बदला हुआ था और व्यावसायिक गतिविधियों पर पूरी तरह विराम लगा रहा। अमूमन ग्राहकों की भीड़ से गुलजार रहने वाले जोधाडीह मोड़, धर्मशाला रोड और चेकपोस्ट जैसे व्यस्ततम इलाकों में आज सन्नाटा पसरा रहा। क्या छोटी दुकानें और क्या बड़े शॉपिंग मॉल, सभी के शटर गिरे रहे और बाजार में एक अजीब सी खामोशी छाई रही। प्रशासन द्वारा स्कूलों और कॉलेजों में घोषित अवकाश का असर भी सड़कों पर साफ नजर आया। मुख्य सड़कें एकदम सुनसान दिखीं। ऐसा लग रहा था मानो शहर ने अपने प्रतिनिधि को चुनने के लिए स्वेच्छा से इस अघोषित कर्फ्यू को स्वीकार कर लिया हो।

बूथों के बाहर दिनभर गहमागहमी, समर्थकों का लगा रहा जमावड़ा

नगर निगम चुनाव के दौरान आज चास के तमाम मतदान केंद्रों पर लोकतंत्र की दो अलग-अलग तस्वीरें साथ चलती दिखीं। एक तरफ केंद्रों के भीतर अपने मताधिकार के लिए उत्साही मतदाताओं की लंबी कतारें लगी थीं, तो दूसरी तरफ बूथों के बाहर समर्थकों का भारी हुजूम अपनी-अपनी जीत का गणित बैठाने में व्यस्त रहा। खास तौर पर रामरुद्र हाई स्कूल, भगवती कॉलोनी और वन विभाग विश्रामागार जैसे संवेदनशील केंद्रों पर सुबह से ही गहमागहमी का माहौल बना रहा। दिलचस्प बात यह रही कि यह चुनाव दलगत आधार पर नहीं होने के बावजूद जमीन पर मुकाबला भाजपा बनाम कांग्रेस जैसा ही नजर आया। अन्य प्रत्याशी भी रेस में रहे। प्रत्याशी और उनके सिपहसालार लगातार बूथों का भ्रमण कर मतदान के रुझानों का जायजा लेते रहे। रामरुद्र हाई स्कूल के मुख्य गेट के समीप भाजपा समर्थित उम्मीदवार अविनाश कुमार के पक्ष में दिग्गजों की पूरी फौज डटी रही, जिसमें भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष भरत यादव, वरिष्ठ नेता दिलीप श्रीवास्तव, धीरज झा और कांग्रेस नेता मृत्युंजय शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे। भगवती कॉलोनी और अन्य क्षेत्रों में भी प्रत्याशियों के बीच कांटे की टक्कर और समर्थकों का मजमा लगा रहा। जगह-जगह समूहों में बंटे कार्यकर्ता चुनावी हवा और संभावित परिणामों को लेकर कयासों के दौर में मशगूल दिखे।

वोटर लिस्ट में नाम न होने से कई वोटर बैरंग लौटे, बैलेट की परेशानी भी दिखी

सोमवार को चास नगर निगम चुनाव में मतदाता सूची की गड़बड़ी भी सामने आई। चीरा चास के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बूथ से बिना मतदान किए निराश लौटे कालिका विहार, आशियाना गार्डन निवासी सीए अनिल कुमार झा ने बताया कि आनलाइन वोटिंग लिस्ट में उनका नाम है, लेकिन बूथ पर उपलब्ध लिस्ट से उनका नाम नदारद था, इसलिए वे मतदान करने से वंचित रह गए। उन्होंने कहा कि कई और लोगों ने भी इस तरह की शिकायत की है। दूसरी तरफ, मतदान केन्द्रों के बाहर ईवीएम की बजाय बैलेट पेपर से मतदान को लेकर भी परेशानी की चर्चा सामने आई। कई लोगों ने कहा कि मेयर और वार्ड पार्षद के लिए अलग-अलग बैलेट पेपर थे। उन्हें मोड़े जाने में परेशानी हुई। इस तरह से मोड़ना था कि मुहर का इंक न खराब हो जाय। इसके कारण वोटिंग में विलंब भी हुआ।

चुनाव को ले थमी रही चास की रफ्तार, सड़कें सील होने से परेशान रहे लोग

नगर निगम चुनाव के मद्देनजर आज चास किसी अभेद्य किले सा नजर आया। प्रशासन ने सुरक्षा के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए कि बोकारो स्टील सिटी और चास की जीवन-रेखा माना जाने वाला गरगा पुल पूरी तरह सरहदों में तब्दील हो गया। पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारियों ने पहिये वाली बैरिकेडिंग से पुल के दोनों मुहानों को इस कदर घेरा कि परिंदा भी पर न मार सके। हालांकि, इस पाबंदी से अनजान हजारों राहगीरों के लिए आज का दिन भारी मुसीबत भरा साबित हुआ। बीएसएल निदेशक प्रभारी के आवास से लेकर गरगा पुल के मुहाने तक दिनभर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक भीषण जाम में फंसकर बिलबिलाते नजर आए। यात्री वाहनों को बीच रास्ते से ही बैरंग लौटना पड़ा, जिसके कारण आम मुसाफिरों की फजीहत चरम पर रही। सबसे बुरा हाल उन यात्रियों का था, जिनके हाथों में भारी-भरकम ब्रीफकेस और सामान था। उन्हें तपती धूप में दूर-दूर तक पैदल चलने को मजबूर होना पड़ा। चीरा चास, चास और पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी 11 प्रमुख सीमावर्ती मार्गों को पूरी तरह सील कर दिया गया था। सुरक्षा के

इस चक्रव्यूह में पाण्डेय पुल, चिटाई मंदिर चंदनकियारी रोड, सनराइज पब्लिक स्कूल तेलगड़िया मोड़ और सेक्टर-6 पुल जैसे महत्वपूर्ण रास्ते शामिल रहे। इसके अलावा सेक्टर-1सी

भर्रा की बड़ी व छोटी पुल, जियो पेट्रोल पंप एनएच मुख्य मार्ग, आदर्श कॉलोनी गायघाट और भोजपुर कॉलोनी के रास्तों पर भी पहरा बैठा दिया गया था।

वार्ड 32 में मतदान के दौरान एसडीपीओ पर हमला, आरोपी गिरफ्तार , जांच शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत चास नगर निगम क्षेत्र में मतदान के दौरान वार्ड संख्या 32 स्थित विश्रामागार परिसर के मतदान केंद्र पर तैनात एसडीपीओ प्रवीण सिंह पर हमला किए जाने की घटना से अफरा-तफरी मच गई। हमले में प्रवीण सिंह घायल हो गए और उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मतदान केंद्र के बाहर काफी भीड़ जमा थी। इसी दौरान एसडीपीओ प्रवीण सिंह मौके पर पहुंचे और चुनाव आयोग के निर्देशानुसार 100 मीटर की परिधि में मौजूद अनधिकृत लोगों को हटाने की कार्रवाई शुरू की। आरोप है कि इसी बात को लेकर विवाद बढ़ा और कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बोकारो के पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह से मुलाकात के दौरान एक पार्षद प्रत्याशी समेत कई महिलाओं ने पुलिसकर्मियों पर मारपीट का आरोप लगाया। वहीं प्रवीण सिंह का कहना है कि बूथ परिसर में भीड़ जुटाकर फर्जी मतदान कराने की कोशिश की जा रही थी और जब भीड़ हटाने का प्रयास किया गया तो विरोध शुरू हो गया।

बताया जा रहा है कि आरोपी एक प्रत्याशी का पति है, जो वार्ड 32 का पूर्व पार्षद रह चुका है और उसकी पत्नी भी पूर्व में वार्ड पार्षद रह चुकी है। आरोपी पक्ष का आरोप है कि बूथ अधिकारी उन्हें मतदान केंद्र में प्रवेश नहीं करने दे रहे थे, जिससे विवाद बढ़ा और मामला हाथापाई तक पहुंच गया। साथ ही महिला पुलिसकर्मियों पर भी मारपीट का आरोप लगाया गया है।

पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ

प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने या कानून हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

सच्चाई क्या है यह तो सघन जांच का विषय है ही , लेकिन किसी भी अवस्था में वर्दी पर सरेआम हाथ उठाना कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता।

कस्तूरबा विद्यालय कसमार की छात्राओं ने किया फाइलेरिया दवा का सेवन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कसमार की ओर से सोमवार को फाइलेरिया उन्मूलन अभियान कार्यक्रम का आयोजन कमलापुर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में किया गया। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं एवं सभी कर्मियों ने फाइलेरिया रोधी दवाई डीईसी और अल्बेंडाजोल का सेवन किया। इस दौरान एमटीएस शैलेश ठाकुर ने दवा सेवन से पूर्व छात्राओं को फाइलेरिया के खतरों और इसके बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति में छात्राओं ने उम्र और शारीरिक मापदंडों के अनुसार गोलियां खाईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के आयुष चिकित्सक डॉ हरिपद सोरेन ने छात्राओं को सलाह दी कि ये दवाएं खाली पेट न खाएं और सेवन के बाद पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करें। बताया कि फाइलेरिया एक ऐसी बीमारी है जिसका प्रभाव शरीर पर वर्षों बाद दिखाई देता है। सामूहिक रूप से दवा का सेवन करने से न केवल छात्राएं सुरक्षित होंगी, बल्कि वे अपने गांव और समाज के लिए स्वास्थ्य दूत का भी काम करेंगी। मौके पर वार्डन मालती कुमारी, एमपीडब्ल्यू अविनाश रंजन, दीपक उरांव, अर्जुन नायक, एएनएनम मंजू कुमारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बोकारो : चीरा चास में अपार्टमेंट से बुलेट की चोरी, अब तक सुराग नहीं

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील सिटी अंतर्गत चीरा चास थाना क्षेत्र में स्थित आशियाना गार्डेन फेज–3, द्वारिकापुरम (बी ब्लॉक, फ्लैट नंबर जी/2, कालिका बिहार) के बेसमेंट पार्किंग से एक बुलेट मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना 20 फरवरी 2026 की बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अपार्टमेंट में रहने वाली नंदिनी कुमारी (पति आनंद गोस्वामी) ने चीरा चास थाना में लिखित आवेदन देकर मोटरसाइकिल चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई है। चोरी गई मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन नंबर JH09AW-7641 है। नंदिनी कुमारी ने बताया

कि उनके पति श्री आनंद गोस्वामी वर्तमान में विदेश में कार्यरत हैं और उक्त बुलेट मोटरसाइकिल अपार्टमेंट के निर्धारित बेसमेंट पार्किंग स्थल में नियमित रूप से खड़ी की जाती थी। 20 फरवरी को जब वह पार्किंग में गईं तो मोटरसाइकिल वहां से गायब मिली। सोसाइटी के अन्य निवासियों के साथ सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर एक संदिग्ध व्यक्ति को पार्किंग में घूमते तथा मोटरसाइकिल स्टार्ट कर बाहर ले जाते हुए देखा गया।

फुटेज में संदिग्ध का चेहरा स्पष्ट दिखाई पड़ने की बात कही जा रही है। संबंधित सीसीटीवी फुटेज पेनड्राइव के माध्यम से थाना प्रभारी को उपलब्ध करा दिया गया है।

पीड़िता ने आवेदन में पुलिस प्रशासन से शीघ्र अनुसंधान कर वाहन की बरामदगी तथा दोषी के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

घटना के बाद अपार्टमेंट निवासियों में दहशत का माहौल है। लोगों ने पुलिस गश्ती बढ़ाने तथा अपार्टमेंट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग की है। समाचार लिखे जाने तक मोटरसाइकिल का कोई सुराग नहीं मिल सका है।

हंगामों की भेंट चढ़ी चास नगर निगम की शांति, कहीं बोगस वोटिंग को ले बवाल, तो कहीं डीएसपी पर हमला

» चास चुनाव में खूनी संघर्ष के बाद प्रत्याशी पति गिरफ्तार, रणक्षेत्र बना रहा इलाका

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : नगर निगम चुनाव की शांति सोमवार को हंगामों की भेंट चढ़ गई। जगह-जगह झड़प, हंगामा और मारपीट की खबरें सामने आईं। कहीं फर्जी वोटिंग को लेकर बवाल हुआ, तो कहीं चास के अनुंडलीय पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) प्रवीण कुमार पर हमला कर दिया गया। कहीं, वोटर लिस्ट में नाम न होने से हो-हल्ला मचा, तो कहीं चुनाव की शुरुआत में ही मतदान पदाधिकारियों और वोटरों में हंगामे की शिकायत आई। वार्ड संख्या 12 (भोजपुर कॉलोनी) में उस वक्त तूफान खड़ा हो गया, जब फर्जी मतदान के आरोपों ने चुनावी फिजां में तनाव घोल दिया। मतदान केंद्र पर बाहरी महिलाओं द्वारा वोट डालने की कोशिश की खबर जंगल की आग की तरह फैली, जिसके बाद देखते ही देखते पूरा इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। स्थिति को बेकाबू होता देख खुद पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह और एसडीओ प्रांजल ढांढा को भारी पुलिस बल के साथ मोर्चा संभालना पड़ा।

तीन संदिग्ध महिलाएं हिरासत में, बढ़ा तनाव- विवाद की चिंगारी तब सुलगी, जब मतदान केंद्र पर पहुंचीं तीन महिलाओं को स्थानीय लोगों ने पहचान लिया। उनका दावा था कि ये महिलाएं क्षेत्र की निवासी नहीं हैं, बल्कि सेक्टर इलाके से फर्जी तरीके से वोट डालने पहुंची हैं। टोकने पर शुरू हुई बहस ने हिंसक रूप ले लिया और प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी शुरू कर दी। अफरा-तफरी के बीच मतदान प्रक्रिया कुछ देर के लिए बाधित हो गई। उत्तेजित भीड़ को तितर-बितर करने और स्थिति पर काबू पाने के लिए पुलिस को अंततः हल्का बल प्रयोग (लाठीचार्ज) करना पड़ा, जिससे मौके पर भगदड़ मच गई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। संदेह के आधार पर तीनों महिलाओं को तत्काल हिरासत में ले लिया गया है। एसपी हरविंदर सिंह और एसडीएम प्रांजल ढांढा ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को शांत कराया और स्पष्ट किया कि कानून हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

बाहरी लोगों की कथित इंट्री पर बढ़े विवाद के बाद

पुलिस पर हमला-चास नगर निगम चुनाव के दौरान वन विभाग स्थित विश्रामागार (वार्ड संख्या 32) में बना मतदान केंद्र उस वक्त रणक्षेत्र में तब्दील हो गया, जब ड्यूटी पर तैनात एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह पर जानलेवा हमला कर दिया गया। इस हिंसक झड़प में अधिकारी की नाक पर गंभीर चोट आई है, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद पूरे जिले का प्रशासनिक अमला हरकत में आ गया और मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया गया। एसपी हरविंदर सिंह के अनुसार, विवाद की जड़ में पूर्व पार्षद व प्रत्याशी पति रामाशंकर सिंह की कथित मनमानी रही। आरोप है कि रामाशंकर सिंह जबरन कुछ बाहरी व्यक्तियों को मतदान केंद्र के भीतर प्रवेश दिलाने की कोशिश कर रहे थे। जब ऑन-ड्यूटी एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह ने नियम सम्मत तरीके से उन्हें रोका, तो आरोपी ने अपना आपा खो दिया। देखते ही देखते बहस धक्का-मुक्की में बदल गई और आरोपी ने अधिकारी के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान रामाशंकर के साथ आईं कुछ महिलाओं ने भी पुलिस के कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया।

लोकतंत्र की प्रक्रिया में बाधा डालना बर्दाश्त नहीं : एसपी-घटना की सूचना मिलते ही एसपी हरविंदर सिंह खुद भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने मोर्चा संभालते हुए तत्काल प्रभाव से रामाशंकर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने कड़े लहजे में कहा कि वर्दी पर हाथ उठाना और लोकतंत्र की प्रक्रिया में बाधा डालना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एक तरफ जहां प्रशासन ने सख्ती दिखाई, वहीं दूसरी ओर हिरासत में लिए गए रामाशंकर सिंह की पत्नी और प्रत्याशी रेखा देवी ने एसपी से शिकायत कर पुलिस पर ही दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। हालांकि, एसपी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे सहानुभूति बटोरने का हथकंडा करार दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदान केंद्र और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की जा रही है। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी चेहरे को बख्शा नहीं जाएगा। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए वार्ड 32 में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

नगर निकाय चुनावः महापौर के निर्वाची पदाधिकारी ने किया मतदान केंद्रों का भ्रमण

धनबादः नगर निकाय चुनाव को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए निर्वाची पदाधिकारी (महापौर) सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने वार्ड संख्या 23, 24 सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण किया।

उन्होंने वार्ड संख्या 23 के बूथ संख्या 13 व 14, वार्ड संख्या 24 के बूथ संख्या 3 व 4 तथा अन्य वार्ड के बूथ का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

भ्रमण के दौरान अपर समाहर्ता विनोद कुमार के साथ आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय कुमार झा भी उपस्थित थे।

नगर निकाय चुनावः कलेक्ट्रेट के तीन कंट्रोल रूम सभी बूथों के सीधे संपर्क में

धनबादः जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सक्रिय है। पूरे जिले में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ कर दी गई है तथा प्रत्येक मतदान केंद्र पर सुरक्षा बलों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील बूथों पर विशेष पुलिस फोर्स तैनात है।

वहीं कलेक्ट्रेट के फर्स्ट फ्लोर पर तीन कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। जो धनबाद नगर निगम तथा चिरकुंडा नगर परिषद के 1019 बूथ के सीधे संपर्क में है।

एक कंट्रोल रूम धनबाद नगर निगम के वार्ड संख्या 1 से 39 के लिए, दूसरा कंट्रोल रूम वार्ड संख्या 40 से 55 एवं तीसरा कंट्रोल रूम चिरकुंडा नगर परिषद के वार्ड संख्या 1 से 21 के लिए बनाया गया है।

जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी सुनीता तुलस्यान, घनश्याम दुबे, अंकित वासन व पुष्कर चंद्र झा के नेतृत्व में कंट्रोल रूम में प्रतिनियुक्त शिक्षिका तथा महिला बाल विकास पदाधिकारी द्वारा मतदान केंद्र के प्रेसाइडिंग ऑफीसर से हर 2 घंटे के अंतराल में सीधा संपर्क कर रिपोर्ट ली जा रही है।

आयुष्मान योजना से निःशुल्क हुई 40 हजार की सर्जरी

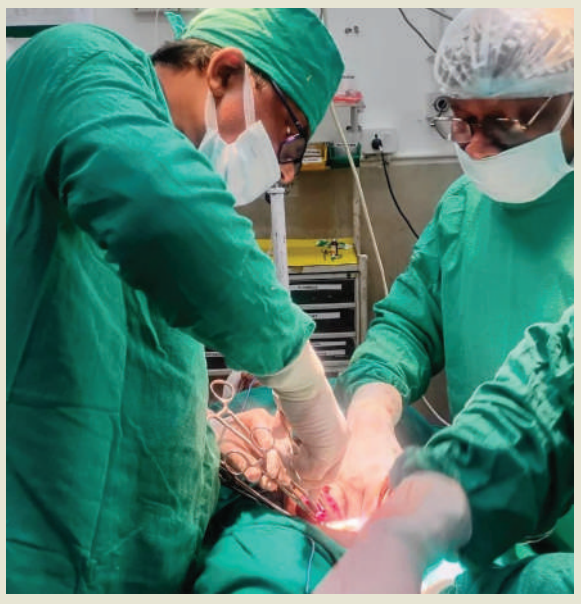

धनबादः सदर अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के तहत आज एक महिला की 40000 की सर्जरी निशुल्क की गई।

इसकी जानकारी देते हुए अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ.संजीव कुमार प्रसाद ने बताया कि जहुरा खातून, उम्र 48 वर्ष, पति अज़हर अंसारी, निवासी कमरडीह, महाराजगंज (थाना अतुंदी), पिछले लगभग 6 महीनों से अत्यधिक रक्तस्राव एवं अनियमित मासिक धर्म की समस्या से ग्रसित थीं। लगातार अधिक रक्तस्राव के कारण वे अत्यधिक कमजोरी महसूस कर रही थीं। स्थानीय स्तर पर जाँच कराने पर बच्चेदानी में समस्या की आशंका बताई गई। इसके उपरांत उन्होंने सदर अस्पताल में संपर्क किया। जहाँ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ संजीव कुमार प्रसाद से परामर्श लिया। आवश्यक जाँच के उपरांत बच्चेदानी में एंडोमेट्रियल पॉलीप की पुष्टि हुई तथा ऑपरेशन की सलाह दी गई। उन्होंने बताया कि मरीज के पास आयुष्मान कार्ड उपलब्ध था। आर्थिक तंगी के कारण निजी अस्पताल में ऑपरेशन कराना संभव नहीं था, जहाँ इस प्रकार के ऑपरेशन पर लगभग 35,000 से 40,000 का खर्च आता। जबकि आयुष्मान योजना के अंतर्गत सदर अस्पताल में निःशुल्क उपचार संभव हुआ, जिससे उनका समस्त खर्च बच गया।

आज, दिनांक 23/02/2026 को, डॉ.संजीव कुमार प्रसाद के नेतृत्व में सफलतापूर्वक हिस्टेरेक्टॉमी ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान निश्चेतक के रूप में डॉ.राजकुमार सिंह, ओटी असिस्टेंट ओमप्रकाश एवं मधूसूदन मरांडी उपस्थित थे। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति सामान्य एवं संतोषजनक है।

चिरा बूथ पर हंगामा, बिना आईडी पाए गए कई पोलिंग एजेंट

बोकारो : चास नगर निगम चुनाव 2026 के दौरान वार्ड संख्या 2 स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय चिरा के पोलिंग बूथ पर सोमवार को उस समय हंगामा हो गया, जब जांच में कई पोलिंग एजेंट बिना पहचान पत्र के पाए गए। जांच के लिए पहुंचे चास बीडीओ प्रदीप कुमार, जो वर्तमान में आरओ के रूप में नियुक्त हैं, ने करीब 10 से 15 एजेंटों को बिना आईडी कार्ड के बूथ के भीतर बैठा पाया। उन्होंने सभी को तत्काल बूथ से बाहर जाने का निर्देश दिया। निर्देश के बाद एजेंटों ने विरोध जताया और बीडीओ प्रदीप कुमार से उलझ पड़े। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और बूथ परिसर में नारेबाजी और धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। कुछ लोगों ने मतदान प्रक्रिया को रद्द करने की मांग भी उठाई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बोकारो के पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात को नियंत्रित किया। अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर मतदान प्रक्रिया को दोबारा सुचारु कराया गया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट चेतावनी दी कि चुनावी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कड़ी सुरक्षा के बीच पोलिंग पार्टियां पहुंची राजकीय पॉलिटेक्निक, वरीय पदाधिकारी रहे उपस्थित

औपचारिकता पूरी कर जमा हुईं मतपेटियां, पोलिंग पार्टियों के सुगम आवागमन के लिए था वन वे ट्रैफिक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः नगर निकाय चुनाव संपन्न होने के बाद 1019 बूथ से पोलिंग पार्टियां राजकीय पॉलिटेक्निक पहुंचने लगी। पोलिंग पार्टियों के लिए विशेष रूप से 23 ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए थे। उनके वाहनों के लिए विनोद बिहारी चौक से बेकरबांध तक वन वे ट्रैफिक लागू किया गया था। रिसीविंग सेंटर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, एडीएम लॉ एंड आर्डर हेमा प्रसाद सहित अन्य वरीय प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

राजकीय पॉलिटेक्निक में माइक्रो आब्जर्वर प्रतिवेदन, मेडिकल कैंप, अव्यवहृत मतपेटी, हेल्प डेस्क, मोबाइल टॉयलेट के अलावा पोलिंग पार्टियों के लिए कई विशेष व्यवस्था की गई थी। मतपेटिका एवं चुनाव सामग्री रिसीव करने के लिए धनबाद नगर निगम के वार्ड संख्या 1 से 5, 6 से 10, 11 से 15, 16 से 20, 21 से 25, 26 से 30, 31 से 35, 36 से 40, 41 से 45, 46 से 50 एवं 51 से वार्ड संख्या 55 तथा चिरकुंडा नगर परिषद के वार्ड संख्या 1 से 21 के लिए अलग-अलग रिसीविंग काउंटर बनाए गए थे। हर काउंटर पर प्रवेश एवं निकास की अलग-अलग व्यवस्था थी।

इसके अलावा पोलिंग पदाधिकारियों को विभिन्न प्रपत्र भरने के लिए विशेष पंडाल एवं हेल्प डेस्क भी उपलब्ध रहा। जहां बैठकर प्रपत्रों को भरकर, निर्धारित लिफाफे में सील कर संबंधित काउंटर में जमा कराया। इस दौरान वरीय पदाधिकारी भी भ्रमणशील रहे ताकि प्रपत्रों को भरने में कोई त्रुटि नहीं रहे।

वहीं पीठासीन पदाधिकारी द्वारा व्यवहृत मतपेटी, विधिक पैकेट, अविधिक पैकेट, तिसरा पैकेट, पीठासीन पदाधिकारी की डायरी, मतपत्र लेखा आदि के प्राप्ति के कार्य को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए तथा भीड़ को नियंत्रित करने के लिए धनबाद नगर निगम के 11 निर्वाची पदाधिकारी के लिए 11 कॉउण्टर के अधीन 33 उप-काउण्टर भी बनाए गए थे। जबकि चिरकुण्डा नगर परिषद में मतदान केन्द्रो की संख्या कम होने के कारण चार निर्वाची पदाधिकारी के लिए 4 कॉउण्टर थे। हर काउंटर पर कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी।

वहीं रिसीविंग सेंटर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगर पालिका) सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि देर रात तक सभी 1019 बूथ से मत पेटिका स्ट्रांग रूम पहुंच जाएंगी। सभी मतपेटिका पहुंच जाने के बाद स्ट्रांग रूम को सील कर दिया जाएगा। तत्पश्चात स्ट्रांग रूम थ्री लेयर सिक्योरिटी में रहेगा। 27 फरवरी 2026 को मतों की गिनती शुरू की जाएगी।

लालपुर में दोपहर एक बजे के बाद शुरू हुआ मतदान, पंचायत में शामिल करने की है मांग

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

» डीसी व एसएसपी ने पंचायत में शामिल कराने का दिया भरोसा

धनबादः नगर निगम से हटाकर पंचायत में शामिल करने की मांग को लेकर लालपुर तथा केंदुआडीह के ग्रामीणों ने वर्ष 2010 और 2015 में हुए नगर निगम चुनाव का बहिष्कार किया था। इस बार भी यही मुद्दा उठा और सुबह मतदान शुरू नहीं हो सका।

इस मुद्दे को लेकर ग्रामीणों ने उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार से मुलाकात की। वरीय अधिकारियों ने एक माह में लालपुर और केंदुवाडीह को पंचायत मे शामिल कराने का आश्वासन दिया। साथ ही दो-तीन दिनों के अंदर राज्य सरकार को अनुसंशा पत्र जिला से भेजने का भरोसा दिया गया। इसके बाद दोपहर 1 बजे के बाद जिला प्रशासन की मौजूदगी में महापौर और पार्षद हेतु मतदान सुचारू रूप से प्रारम्भ हुआ। इस अवसर पर सीओ बाघमारा गिरजानंद किस्कू, सीओ पुटकी विकास आनंद, बीडीओ और पुलिस पदाधिकारी मौजद रहें।

चुनाव प्रचार में मिले प्रेम और आशीर्वाद के लिए जनता का आभारी हूंः मुकेश पांडेय

» मेयर प्रत्याशी मुकेश पांडेय ने चुनाव समाप्त होने के बाद धनबाद की जनता के प्रति किया गहरा आभार व्यक्त

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः नगर निगम चुनाव के मेयर प्रत्याशी मुकेश पांडेय ने चुनाव समाप्त होने के बाद धनबाद की जनता के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सीमित समय के बावजूद उन्होंने क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों के बीच पहुंचकर अपनी बात रखने का प्रयास किया और जनता ने भी उन्हें भरपूर प्रेम, समर्थन और आशीर्वाद दिया। पांडेय ने कहा कि धनबाद की देवतुल्य जनता का यह स्नेह उनके लिए किसी बड़ी पूंजी से कम नहीं है और वे इसके लिए सदैव कृतज्ञ रहेंगे।

उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान शहर के विभिन्न वार्डों में जाकर लोगों से सीधे संवाद किया, उनकी समस्याओं को सुना और समाधान के लिए अपनी योजनाओं से अवगत कराया। "कम समय में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन जनता का उत्साह और सहयोग देखकर मुझे नई ऊर्जा मिली," उन्होंने कहा। पांडेय ने यह भी कहा कि लोगों ने उन्हें जिस

विश्वास और उम्मीद के साथ आशीर्वाद दिया है, वह उनकी जिम्मेदारी को और बढ़ाता है।

मुकेश पांडेय ने स्पष्ट किया कि वे जिन मुद्दों को लेकर जनता के बीच गए थे—जैसे साफ-सफाई, पेयजल, सड़क, जलनिकासी, ट्रैफिक व्यवस्था और बुनियादी नागरिक सुविधाओं का सुधार—उन पर आगे भी पूरी गंभीरता से काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव केवल जनसेवा का एक माध्यम है, लेकिन सेवा की भावना चुनाव परिणामों से कहीं बड़ी होती है। "मैंने जनता से जो वादा किया है, उसे निभाना मेरा नैतिक कर्तव्य है," उन्होंने कहा।

उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव में हार या जीत लोकतंत्र की सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन जनसेवा का संकल्प उससे ऊपर है। "चुनावी परिणाम चाहे जो भी हो, मेरा लक्ष्य जनता की सेवा करना है और यह कार्य पहले की तरह आगे भी जारी रहेगा," पांडेय ने कहा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नगर निगम क्षेत्र की समस्याओं को लेकर जो संघर्ष वे अब तक करते आए हैं, वह अनवरत जारी रहेगा और वे हर मंच पर जनता की आवाज उठाते रहेंगे।

पांडेय ने कहा कि प्रचार के दौरान उन्हें हर वर्ग, हर समुदाय और हर आयु के लोगों का सहयोग मिला, जो इस बात का संकेत है कि धनबाद की जनता विकास और सकारात्मक बदलाव चाहती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और समर्थकों का भी विशेष धन्यवाद किया, जिन्होंने दिन-रात मेहनत कर उनके संदेश को घर-घर तक पहुंचाया।

अंत में उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और वे इसे कभी टूटने नहीं देंगे। "धनबाद के लोगों ने मुझे जो सम्मान और स्नेह दिया है, उसके लिए मैं जीवनभर उनका ऋणी रहूंगा। मैं आगे भी पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ लोगों की सेवा में तत्पर रहूंगा।"

धनबाद में शांतिपूर्ण तरीके से नगर निकाय चुनाव संपन्नः धनबाद नगर निगम में कुल 51.23%, चिरकुंडा नगर परिषद में 61.10% मतदान

» मतगणना स्थल पर थ्री लेयर सिक्योरिटी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः नगर निकाय चुनाव संपन्न होने के बाद देर शाम आयोजित पत्रकार वार्ता में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगर पालिका) सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि धनबाद में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव हुआ है। धनबाद नगर निगम में कुल 51.23% एवं चिरकुंडा नगर परिषद में 61.10% मतदान हुआ है।

उपायुक्त ने बताया कि हालांकि मतदान के दौरान कुछ मतदान केंद्रों पर छिटपुट घटना हुई। जिसका सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं संबंधित निर्वाची पदाधिकारी के स्तर से निराकरण किया गया। चुनाव के दौरान जिला कंट्रोल रूम सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ लगातार संपर्क में रहा। जहां हर समस्या का त्वरित समाधान किया गया। इसके अलावा कलेक्ट्रेट के तीन कंट्रोल रूम से कर्मी 1019 मतदान केंद्र के पीठासीन पदाधिकारी के संपर्क में रहे।

शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए उपायुक्त ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के सभी पदाधिकारियों, सभी मतदान पदाधिकारियों सहित चुनाव संपन्न कराने में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल सभी अधिकारियों व कर्मियों तथा आमजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि सभी 1019 मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न हुए। कहीं से भी कोई भी बड़ी घटना सामने नहीं आई है।

उपायुक्त ने बताया कि अब 27 फरवरी 2026 को राजकीय पॉलिटेक्निक ने मतगणना आरंभ होगी। 11 हॉल में धनबाद नगर निगम एवं 4 हॉल में चिरकुंडा नगर परिषद के लिए मतों की गिनती की जाएगी। प्रत्येक मतगणना हॉल में 8 से 12 टेबल लगाए जाएंगे। सभी मतपेटिका के स्ट्रांग रूम पहुंचने के बाद स्ट्रांग रूम को सील कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मतदान प्रक्रिया के दौरान पुलिस के वरीय पदाधिकारी, पुलिस फोर्स, सिटी हॉक्स सहित पूरा पुलिस महकमा सुरक्षा के लिए तत्पर रहा। उन्होंने कहा कि अब प्रशासन का अगला लक्ष्य मतपेटियों को सुरक्षित तरीके से स्ट्रांग रूम पहुंचाना है।

वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि स्ट्रांग रूम में थ्री लेयर सिक्योरिटी रहेगी। सबसे इनर लेयर में झारखंड आर्म्ड पुलिस की टीम रहेगी। इसके बाद दो लेयर में जिला पुलिस की टीम स्ट्रांग रूम की सुरक्षा करेगी।

पत्रकार वार्ता में उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, महापौर पद के निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगर पालिका) मुकेश कुमार बाउरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह तथा बड़ी संख्या में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि मौजूद थे।

नगर निकाय चुनावः 96 वर्षीय कुसुम देवी ने किया मतदान, मतदाताओं के लिए बनी प्रेरणास्रोत

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः नगर निकाय चुनाव में 96 वर्षीय कुसुम देवी ने लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

उन्होंने अपने अधिवक्ता पुत्र ब्रह्मदेव कुमार सिंह के साथ वार्ड संख्या 6 के टाटा भेलाटांड स्थित बूथ पर मतदान किया।

अपना प्रतिनिधि चुनने को चास की आधी आबादी नहीं आई सामने, महज 50.83 फीसदी मतदान

» चास नगर निगम चुनाव ... वोटरों की उदासीनता पर डीसी ने जताई चिंता, कहा- लोकतंत्र को जिंदा रखने में गांव वाले ज्यादा सजग

राष्ट्रीय मुख्यधाराः विजय कुमार झा

बोकारो : विकास की बड़ी-बड़ी बातें और नागरिक सुविधाओं पर तीखी बहस करने वाला चास का प्रबुद्ध वर्ग मतदान के दिन घर की दहलीज लांघने में पिछड़ गया। नगरपालिका निर्वाचन 2026 के तहत सोमवार को संपन्न हुए मतदान में चास नगर निगम क्षेत्र की जनता की संवेदनहीनता और उदासीनता की एक ऐसी बानगी देखने को मिली, जिसने जिला प्रशासन के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। हालात यह रहे कि शाम 5:00 बजे तक चास की आधी जनता भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने बूथों तक नहीं पहुंची थी।

मतदान संपन्न होने के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने आंकड़ों के जरिए शहरी मतदाताओं की बेरुखी पर गहरी चिंता व्यक्त की। उपायुक्त ने बताया कि संध्या 5:00 बजे तक चास नगर निगम में महज 49.76 प्रतिशत और फुसरो नगर परिषद में 53.30 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। हालांकि, देर शाम प्राप्त आधिकारिक सूचना के अनुसार संध्या 7 बजे तक चास नगर निगम में 50.83 प्रतिशत और फुसरो नगर परिषद में 58.37 प्रतिशत मतदान हुए। यानी चास की लगभग आधी आबादी मतदान के लिए सामने नहीं आई। डीसी ने तुलनात्मक लहजे में याद दिलाया कि वर्ष 2015 के चुनाव में चास नगर निगम में 53.30 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि इस बार अंतिम आंकड़ों में गिरावट आती है, तो इसका एकमात्र कारण शहरी मतदाताओं की घोर उदासीनता होगी। उन्होंने कहा - लोकतंत्र की नींव चुनाव है और इसे जिंदा रखने में ग्रामीण मतदाताओं की भागीदारी सबसे ज्यादा होती है। शहरी क्षेत्रों और शिक्षित लोगों का कम मतदान करना लोकतंत्र के लिए एक बड़ी समस्या है।

हिंसक झड़प को बताया निंदनीय-चुनाव के दौरान हुई अप्रिय घटनाओं पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने बताया कि चास और फुसरो में छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही। हालांकि, चास में कुछ उपद्रवियों ने हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया, जिसमें ड्यूटी पर तैनात एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह घायल हो गए। श्री झा ने अधिकारी के जज्बे की सराहना करते हुए कहा कि नाक पर चोट लगने के बावजूद प्राथमिक उपचार कराकर वे पूरी मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी पर डटे रहे। इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं।

मतपेटियों में कैद हुई उम्मीदवारों की तकदीर-उपायुक्त ने जानकारी दी कि चास स्थित बाजार समिति प्रांगण में मतगणना केंद्र बनाया गया है, जहां मतपेटियों का पहुंचना शुरू हो गया है। वहां सुरक्षा के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए गए हैं कि परिंदा भी पर न मार सके। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रत्याशियों के ठहरने की भी समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि वे पूरी प्रक्रिया पर अपनी नजर रख सकें। प्रेस वार्ता के दौरान उपायुक्त के साथ उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार और जिला जनसंपर्क पदाधिकारी (डीपीआरओ) रवि कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे। उपायुक्त ने अंत में उन सभी जागरूक मतदाताओं का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस पर्व में हिस्सा लिया। साथ ही, उन्होंने कठिन परिस्थितियों में डटे रहे चुनाव कर्मियों, पुलिस जवानों और सुरक्षाबलों को सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिए बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि चास के 35 वार्डों के पार्षदों सहित मेयर पद के कुल 31 उम्मीदवार खड़े हैं और जनता ने सबकी किस्मत मतपेटियों में कैद कर दी है। उनकी तकदीर का पिटारा अब 27 मई को खुलेगा। फिलहाल मतदान बाद की स्थिति, समीकरण आदि के आधार पर अब अटकलबाजियां तेज हो चुकी है, जिस पर मतगणना के साथ ही विराम लग सकेगा। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने बताया कि दोनों नगर निकायों में कुल 201 मतदान केन्द्र बनाए गए थे, जिनमें चास नगर निगम क्षेत्र में 136 तथा फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में 65 मतदान केन्द्र शामिल थे। सुरक्षा की दृष्टि से बड़ी संख्या में केन्द्रों को संवेदनशील और अति संवेदनशील श्रेणी में रखा गया तथा वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

60% से अधिक मतदान, दुमका व बासुकीनाथ में शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न

दुमकाः नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत जिले के दुमका नगर परिषद (वर्ग-ख) एवं बासुकीनाथ नगर पंचायत क्षेत्र में सोमवार को शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान संपन्न हो गया। सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और दिनभर मतदाताओं में उत्साह देखा गया।दुमका नगर परिषद में कुल 40,739 मतदाताओं में से 24,633 ने मतदान किया। यहां पुरुष मतदान 64.00 प्रतिशत, महिला मतदान 57.05 प्रतिशत तथा कुल मतदान 60.47 प्रतिशत दर्ज किया गया।वहीं बासुकीनाथ नगर पंचायत में कुल 14,254 मतदाताओं में से 10,562 मत पड़े। यहां पुरुष मतदान 75.32 प्रतिशत, महिला 72.88 प्रतिशत तथा कुल मतदान 74.10 प्रतिशत रहा, जो बेहतर भागीदारी दर्शाता है।

चुनाव संचालन के लिए दुमका में 41 तथा बासुकीनाथ में 19 मतदान दल तैनात किए गए थे। प्रशासन ने मतदान प्रक्रिया को पूरी तरह शांतिपूर्ण बताया है। मतपेटियों की सुरक्षा कड़ी निगरानी में रखी गई है। 24 फरवरी को समीक्षा तथा 27 फरवरी 2026 को मतगणना होगी।

दुमका में शांतिपूर्ण मतदान, 27 फरवरी को होगी मतगणना

दुमका। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में इंजीनियरिंग कॉलेज दुमका में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत नगर परिषद दुमका के 42 और नगर पंचायत बासुकीनाथ के 19 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ। वृद्ध, दिव्यांग, युवा, महिला, पुरुष और नए मतदाताओं ने कतार में लगकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सभी बूथों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे तथा व्हीलचेयर, रैंप, पेयजल और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं।

अपराह्न 5 बजे तक नगर परिषद दुमका में 60.47 प्रतिशत और नगर पंचायत बासुकीनाथ में 74.10 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। दुमका नगर परिषद क्षेत्र में 20,738 पुरुष मतदाताओं में से 12,801 ने और 20,001 महिला मतदाताओं में से 11,832 ने मतदान किया। नगर पंचायत बासुकीनाथ में 7,127 पुरुष मतदाताओं में 5,368 और 7,127 महिला मतदाताओं में 5,194 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

सभी मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण माहौल में प्रक्रिया संपन्न हुई और मतदाताओं में उत्साह देखा गया। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बताया कि मतगणना 27 फरवरी 2026 को इंजीनियरिंग कॉलेज दुमका में कराई जाएगी। इसके लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतगणना स्थल पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, बैरिकेडिंग और प्रवेश नियंत्रण की व्यवस्था की गई है। प्रेसवार्ता में सामान्य प्रेक्षक, पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, सहायक समाहर्ता और संबंधित निर्वाची पदाधिकारी मौजूद थे।

मतदाताओं की उँगलियों की स्याही ने लिख दी तकदीर, 27 को खुलेगा फैसला-ए-नसीब

10 अध्यक्ष व 89 वार्ड उम्मीदवारों की किस्मत मतपेटी में बंद,27 को खुलेगा जीत-हार का राज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मो० काजीरुल शेख :

पाकुड़ः पाकुड़ नगर परिषद क्षेत्र में मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण और उत्सवी माहौल में संपन्न हो गई। अब नगर परिषद के अध्यक्ष पद के 10 उम्मीदवारों एवं 89 वार्ड पार्षद प्रत्याशियों की किस्मत मतपेटियों में पैक होकर स्ट्रांग रूम में बंद हो चुकी है। पूरे शहर की निगाहें अब 27 फरवरी पर टिकी हैं, जब मतपेटियों का पिटारा खुलेगा और प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा।प्राप्त जानकारी के अनुसार इस बार कुल 66.30 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। पुरुष मतदाताओं ने 67.61% और महिला मतदाताओं ने 65.01% मतदान कर लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी निभाई। सर्वाधिक 86.24 प्रतिशत मतदान केंद्र संख्या 21/01, प्राथमिक विद्यालय बल्लभपुर (पूर्वी भाग) में हुआ।मतदान के दौरान प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील बूथों पर माइक्रो-ऑब्जर्वर तैनात रहे। कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली, जिससे चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण रही।सभी मतदान केंद्रों से पोलिंग पार्टियां मतपेटिकाओं के साथ बाजार समिति, पाकुड़ स्थित स्ट्रांग रूम पहुंच चुकी हैं। यहां मतपेटिकाओं को सीलबंद कर त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है। प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में स्ट्रांग रूम की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

27 फरवरी को खुलेगा फैसला-24 फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजे पीठासीन पदाधिकारियों की डायरी की समीक्षा सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति में की जाएगी। वहीं 27 फरवरी को प्रातः 8 बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। मतगणना केंद्र पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी और किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की अनुमति नहीं होगी।अब शहर में चर्चा और कयासों का दौर तेज हो गया है। किसके सिर सजेगा अध्यक्ष पद का ताज और किन 89 वार्डों में कौन बनेगा पार्षद — इसका अंतिम फैसला 27 फरवरी को मतपेटियों के खुलते ही सामने आ जाएगा। लोकतंत्र के इस निर्णायक क्षण का सभी को बेसब्री से इंतजार है।

बचे दो दिनों में हर हाल में खाएं फाइलेरिया रोधी दवाः हेमलाल

हेमलाल मुर्मू ने की अपीलःदो दिन शेष, दवा जरूर खाएं

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मो० काजीरुल शेख :

पाकुड़ः लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू ने जिले में चल रहे फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर आम जनता से विशेष अपील की है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा 10 फरवरी से 25 फरवरी तक चलाया जा रहा फाइलेरिया रोधी दवा सेवन अभियान अब अंतिम चरण में है और इसे सफल बनाने के लिए सभी लोगों की भागीदारी जरूरी है।विधायक ने बताया कि अभियान समाप्त होने में अब केवल दो दिन शेष हैं। ऐसे में जो लोग अभी तक दवा का सेवन नहीं कर पाए हैं, वे अवश्य दवा लें। उन्होंने कहा कि यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है और फाइलेरिया (हाथी पांव) जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।हेमलाल मुर्मू ने कहा कि जनसहयोग के कारण पाकुड़ जिला दवा सेवन के मामले में राज्य में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। अब आवश्यकता है कि शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जाए, ताकि जिला पूरी तरह फाइलेरिया मुक्त घोषित हो सके।उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं दवा लें और अपने परिवार, पड़ोसियों एवं परिचितों को भी दवा सेवन के लिए प्रेरित करें। विधायक ने कहा कि सामूहिक संकल्प और जागरूकता से ही यह अभियान सफल होगा और पाकुड़ को फाइलेरिया मुक्त बनाने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकेगा।

जरमुंडी में संतमत सत्संग के अबोध बाबा का भव्य विदाई समारोह

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका। जरमुंडी प्रखंड अंतर्गत भालकी टोला,भरतपुर में संतमत सत्संग के पूज्य संत अबोध बाबा का विदाई समारोह बड़े ही धूमधाम और श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गांववासियों और सत्संग प्रेमियों में खासा उत्साह देखा गया। पूरे क्षेत्र का माहौल भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा। भालकी, भरतपुर, बचाई, लगवा सहित आसपास के गांवों के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर कार्यक्रम में भाग लिया। सत्संग के उपरांत शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए शामिल हुए। बाबा के प्रति आस्था और सम्मान प्रकट करते हुए लोगों ने पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया। बताया गया कि बाबा का प्रवास क्षेत्र में कई दिनों तक रहा, जिसके दौरान उन्होंने सत्संग के माध्यम से मानव जीवन के कल्याण, सत्य मार्ग और आध्यात्मिक साधना पर प्रकाश डाला। उनके प्रवचनों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोगों ने सत्संग में भाग लिया।विदाई समारोह के दौरान श्रद्धालुओं ने भावभीनी विदाई दी और पुनः आगमन की कामना की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्थानीय ग्रामीणों और सत्संग समिति के सदस्यों और गांव के लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शारदा देवी, रानी देवी, नेहा कुमारी, सुदामा रावत, मनोज रावत, शैलेश सिंह, भीम रावत, गोपाल रावत,उमा देवी, संतोष रावत, आदि उपस्थित हुए |

महुबना में कलश यात्रा के साथ साथ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

» 251 कुंवारी कन्या एवं महिलाओं के द्वारा किया गया भव्य कलश यात्रा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका। रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत महुबना बाजार में विनय कुमार के निजी आवास में सोमवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महाज्ञान का भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हो गया। बताते चले की 251 महिलाओं एवं कुंवारी कन्याओं द्वारा महुबना स्थित तालाब में वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ अभिमंत्रित जल भरकर विधिवत पूरे महुबना गांव भ्रमण करते हुए हाई स्कूल महूबना के सामने कथा पंडाल में कलश स्थापना किया गया। बताते चले कि यह भागवत आगामी सात दिवस तक चलेगा जो प्रतिदिन संध्या 7:00 से लेकर 11:00 तक कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा का वाचन आचार्य फुल झा महाराज के मुखारविंद से किया जाएगा। कलश यात्रा के दौरान महिला एवं कुंवारी कन्याओं में काफी उत्साह देखी गई।कलश यात्रा के दौरान जगह-जगह पानी ,शरबत, इत्यादि का व्यवस्था किया गया था। कलश यात्रा करने के पश्चात आए सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।कार्यक्रम शैलेंद्र मांझी केदार मंडल, गौतम कुमार मांझी, नंदकिशोर वैद्य, फागु मंडल, सचिन कुशवाहा, टीटू सेन, मनोज सेन, अजय कुमार, सुमन सेन, रामनाथ मंडल, फटीक मांझी, हिमांशु मांझी, केशव कुशवाहा, निरोध मांझी, गोविंद वैद्य, जयचंद मांझी, रिटु शर्मा, अक्षय कुमार एवं समस्त ग्रामीणों द्वारा व्यवस्था देखी जा रही है।

66.30% मतदान के साथ लोकतंत्र का शांतिपूर्ण उत्सव संपन्न

» सबसे अधिक 86.24% वोटिंग बल्लभपुर केंद्र पर; 27 फरवरी को होगी मतगणना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मो० काजीरुल शेख : पाकुड़ः पाकुड़ में नगर परिषद चुनाव सोमवार को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष माहौल में संपन्न हो गया। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। प्रशासन और पुलिस की सख्ती के बीच पूरे दिन मतदान प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से चलती रही।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रेस वार्ता में बताया कि नगर परिषद क्षेत्र में कुल 66.30% मतदान दर्ज किया गया। इसमें पुरुषों का मतदान प्रतिशत 67.61% और महिलाओं का 65.01% रहा। सर्वाधिक 86.24% मतदान केंद्र संख्या 21/01, प्राथमिक विद्यालय बल्लभपुर (पूर्वी भाग) में रिकॉर्ड किया गया।अधिकारियों के अनुसार सभी संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। माइक्रो-ऑब्जर्वर की निगरानी में मतदान कराया गया। कहीं से भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना या हिंसा की सूचना नहीं मिली।

बाजार समिति स्थित स्ट्रांग रूम में रखी गई मतपेटिकाएं-मतदान समाप्ति के बाद पोलिंग पार्टियां मतपेटिकाओं के साथ बाजार समिति स्थित स्ट्रांग रूम पहुंच रही हैं। यहां कड़ी सुरक्षा के बीच मतपेटिकाओं को सीलबंद कर रखा जाएगा।24 फरवरी, सुबह 11 बजेः पीठासीन पदाधिकारियों की डायरी की समीक्षा सामान्य प्रेक्षक की मौजूदगी में होगी।27 फरवरी, सुबह 8 बजे सेः मतगणना शुरू होगी।मतगणना परिसर में मोबाइल या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के प्रवेश पर रोक रहेगी।

एसपी बोले—पूरे दिन नियंत्रण में रही स्थिति-पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने कहा कि मतदान को लेकर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। सभी संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई थी और लगातार गश्ती की जा रही थी। पूरे दिन विधि-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में रही।अंत में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मियों, पुलिस बल, मीडिया और मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि सभी के सहयोग से लोकतंत्र का यह महापर्व शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

साहिबगंज में शांतिपूर्ण मतदान, प्रशासन ने दी जानकारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। नगरपालिका निर्वाचन 2026 के तहत हुए मतदान को लेकर समाहरणालय सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। निर्वाची पदाधिकारी (अध्यक्ष) नगर परिषद साहिबगंज सह अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत ने बताया कि साहिबगंज नगर परिषद, राजमहल नगर पंचायत और बरहरवा नगर पंचायत क्षेत्र में मतदान शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि प्रशासन की व्यापक तैयारियों के कारण कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली और पूरी प्रक्रिया सुचारु रूप से चली।

अपराह्न 5 बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार साहिबगंज नगर परिषद क्षेत्र में 57.58 प्रतिशत, राजमहल नगर पंचायत में 67.85 प्रतिशत और बरहरवा नगर पंचायत में 73.58 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

मतदान सामग्री की प्राप्ति के लिए राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज साहिबगंज में संयुक्त रिसीविंग सेंटर बनाया गया, जहां तीनों नगर निकायों के लिए अलग-अलग टेबल की व्यवस्था की गई। साहिबगंज नगर परिषद के लिए आठ टेबल, राजमहल नगर पंचायत के लिए चार और बरहरवा नगर पंचायत के लिए चार टेबल निर्धारित किए गए। मतदान सामग्री को सुरक्षित रखने के लिए नगर परिषद क्षेत्र के लिए दो, राजमहल और बरहरवा नगर पंचायत के लिए एक-एक स्ट्रॉन्ग रूम की व्यवस्था की गई है, जहां सुरक्षा मानकों के अनुरूप सामग्री संरक्षित रखी जाएगी।

गौतम कुमार भगत ने कहा कि पूरी निर्वाचन प्रक्रिया राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ कराई जा रही है। उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, सेक्टर पदाधिकारियों, मतदान कर्मियों और मतदाताओं के सहयोग के लिए आभार जताया और कहा कि मतगणना की तैयारियां भी तय कार्यक्रम के अनुसार पूरी की जाएंगी तथा परिणाम की घोषणा विधिवत और पारदर्शी तरीके से की जाएगी।

जमीनी विवाद में फंसा अंतिम संस्कार,दफनाने की जमीन को लें दो पक्ष आमने-सामने, गांव में पुलिस तैनात

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मो० काजीरुल शेख : पाकुड़ः लिट्टीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र के लेटबाड़ी गांव में सोमवार को एक परिवार का शोक उस समय विवाद में बदल गया, जब जमीनी विवाद के कारण अंतिम संस्कार की प्रक्रिया ठप हो गई। गांव निवासी सीताराम मुर्मु (50), पिता जयलाल मुर्मु, का बीमारी से निधन हो गया था। परिजन पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार दफनाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन जिस जमीन पर अंतिम संस्कार होना था, उसे लेकर पहले से चल रहा विवाद अचानक सामने आ गया।

क्या है मामला

ग्रामीणों के अनुसार संबंधित भूखंड को लेकर दो पक्षों के बीच पुराना विवाद चल रहा है। मृतक के परिजन उसी जमीन पर दफनाने पर अड़े थे, जबकि दूसरे पक्ष ने उसे विवादित बताते हुए वहां अंतिम संस्कार का विरोध किया। विरोध के बीच दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और माहौल तनावपूर्ण हो उठा।

शोक में डूबे परिजन, बढ़ी बेचैनी

परिवार के सदस्यों का कहना था कि उक्त स्थान पर उनके पूर्वजों का भी दफन संस्कार होता रहा है और यह पारंपरिक स्थल है। ऐसे में किसी अन्य स्थान पर अंतिम संस्कार करना उनके लिए भावनात्मक रूप से कठिन है। दूसरी ओर विरोधी पक्ष का तर्क था कि जब तक भूमि विवाद का प्रशासनिक समाधान नहीं हो जाता, तब तक वहां किसी प्रकार की गतिविधि उचित नहीं है।घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। अधिकारियों ने दोनों पक्षों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया और शांति बनाए रखने की अपील की। एहतियातन गांव में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

नहीं बनी सहमति

खबर लिखे जाने तक दोनों पक्षों के बीच किसी प्रकार की सहमति नहीं बन पाई थी। प्रशासन ने संकेत दिया है कि राजस्व अभिलेखों और स्थानीय स्तर पर जांच के बाद समाधान की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

कमान शृंखला को लेकर प्रश्न

देश के सामने असल सवाल वो ब्योरा है, जो जनरल नरावणे ने लद्दाख क्षेत्र में 2020 में हुई घटनाओं के बारे में दिया है। उन घटनाओं से भारतीय सेना के अंदर कमान शृंखला को लेकर प्रश्न उठे हैं। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरावणे की कथित रूप से अप्रकाशित किताब कैसे छपे रूप में और उसकी पीडीएफ कॉपियां आम लोगों तक पहुंच गईं, यह प्रकाशक पेंगुइन इंडिया के लिए अहम मसला हो सकती है, लेकिन देशवासियों के सामने यह मुख्य मुद्दा नहीं है। देश के सामने असल सवाल वो ब्योरा है, जो जनरल नरावणे ने 2020 में भारतीय सीमा के अंदर चीन की पैठ बनने और उसी क्रम में कैलाश रेंज में हुई घटना के बारे में दिया है। उन घटनाओं से भारतीय सेना के अंदर कमान शृंखला को लेकर प्रश्न उठे हैं। चूंकि उससे सर्वोच्च राजनीतिक नेतृत्व सवालों के घेरे में आया है, तो कुछ दूसरे हलकों से जनरल नरावणे के कर्त्तव्य निर्वाह के रिकॉर्ड पर निशाने साधे गए हैं। पूछा गया है कि जब मई- जून 2020 से चीनी सेना ने लद्दाख क्षेत्र में भारतीय इलाके में घुसपैठ की, तो उसे रोकने में भारतीय सेना क्यों नाकाम रही? उस दौरान खुद जनरल नरावणे के दिए कुछ बयानों का उद्धरण देते हुए कहा गया है कि तत्कालीन सेनाध्यक्ष ने चीनी कार्रवाइयों की गंभीरता की या तो उपेक्षा की अथवा उन्होंने उससे देश को नावाकिफ रखा। उधर जनरल नरावणे की किताब से संकेत मिलता है कि सेना को 'टॉपÓ से बिना अनुमति के फायरिंग ना करने का निर्देश था। इसी बीच एक संकटपूर्ण मौका आया और तत्कालीन सेनाध्यक्ष ने दिशा-निर्देश मांगा, तो राजनीतिक नेतृत्व ने पहले तो लेट-लतीफी की और फिर उन पर डाल दिया गया कि जो उचित लगे उसे वे करें। विशेषज्ञों के मुताबिक इस पूरे प्रकरण में युद्ध संबंधी टैक्टिकल, ऑपरेशनल, एवं स्ट्रेटेजिक निर्णय प्रक्रिया घालमेल का शिकार हो गई लगती है। चूंकि ये बात बहुचर्चित हुई है, तो भारत के 'दुश्मनोंÓ ने भी उस पर गौर किया होगा। इसलिए असल सवाल ऐसी कमजोरियों को तुरंत दूर करने का है। जरूरी यह है कि इस पर समग्र चर्चा हो और जवाबदेही की शृंखला तय की जाए।i

नई दिल्ली घोषणा से कृषि क्रांति तक भविष्य की वैश्विक धुरी एआई

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने विश्व समुदाय को यह स्पष्ट संकेत दे दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत अब नीति निर्धारण और वैश्विक दिशा तय करने वाला देश बन चुका है। 89 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी तथा 88 देशों द्वारा हस्ताक्षरित नई दिल्ली घोषणा ने भारत के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को जब अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की, तब इसके साथ यह भी तय हो गया कि भारत अब एआई क्रांति में आर्थिक, सामाजिक और नैतिक आयामों को समेटने वाला देश बनने जा रहा है। दरअसल, नई दिल्ली घोषणा का मूल दर्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विचार में निहित है, जिसमें एआई को मानव कल्याण का साधन माना गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि यह घोषणापत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना से प्रेरित है। इसका उद्देश्य एआई संसाधनों और उसके लाभों को कुछ देशों या कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय पूरी मानवता तक पहुंचाना है। घोषणा में सात प्रमुख स्तंभों को आधार बनाया गया है; एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण, आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई, सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, विज्ञान के लिए एआई, सामाजिक सशक्तिकरण, मानव पूंजी विकास तथा लचीली और ऊर्जा-कुशल प्रणालियां। यहां यह ढांचा वैश्विक सहयोग की नई संरचना प्रस्तुत करता हुआ दिखा है, जिसमें राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करते हुए साझा प्रगति को प्राथमिकता दी गई है।

700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी-इस समिट ने एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया कि भारत एआई निवेश का नया वैश्विक केंद्र बन रहा है। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अल्फाबेट जैसी दिग्गज कंपनियां एआई पर वैश्विक स्तर पर लगभग 700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी में हैं। भारत में बड़े औद्योगिक समूहों ने भी अभूतपूर्व निवेश योजनाओं की घोषणा की है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लगभग 110 अरब डॉलर डेटा सेंटर और संबंधित अवसंरचना में निवेश की योजना बना रही है, जबकि अदाणी ग्रुप ने अगले दस वर्षों में 100 अरब डॉलर एआई आधारित डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए निर्धारित किए हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने इस दशक के अंत तक ग्लोबल साउथ देशों में 50 अरब डॉलर निवेश की दिशा में बढ़ने की बात कही है।

भारत की डिजिटल संप्रभुता की वैश्विक धाक-ip ओपनएआई और एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज ने टाटा समूह के साथ मिलकर भारत में एआई क्षमताओं को मजबूत करने का संकल्प लिया है। ब्लैकस्टोन ने भारतीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी नेयसा में 600 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। एनवीडिया ने भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने की घोषणा की है। ये निवेश केवल पूंजी प्रवाह नहीं हैं; ये भारत की डिजिटल संप्रभुता, डेटा अवसंरचना और तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत हैं।

भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र-समिट में वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की उपस्थिति ने भारत की बढ़ती साख को और मजबूत किया। ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, अल्फाबेट के सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई और गूगल डीपमाइंड के डेमिस हासाबिस जैसे वैश्विक नेता इस आयोजन में शामिल हुए। निश्चित ही यह भागीदारी संकेत है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र बन चुका है। अमेरिका और भारत के बीच पैक्स सिलिका समझौते ने सिलिकॉन आधारित तकनीकों की वैश्विक आपूर्ति शृंखला को सुरक्षित करने के सहयोग को नया आयाम दिया है। भारत द्वारा 18 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी देना इस रणनीतिक दृष्टि का आधार है। एआई के संदर्भ में भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका समावेशी दृष्टिकोण है। यहां एआई को केवल कॉर्पोरेट लाभ का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उपकरण माना जा रहा है। इसका सबसे सशक्त उदाहरण कृषि क्षेत्र में दिखाई देता है। इस संदर्भ में मुंबई में आयोजित AI4Agri 2026 सम्मेलन को देखा जा सकता है, जिसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्पष्ट कहा कि भारत की अगली कृषि क्रांति एआई संचालित होगी।

ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल बना भारत की ताकत-भारत की रणनीति इंडिया एआई मिशन, जिसका बजट 10,372 करोड़ रुपये है, स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग क्षमता, डेटा सेट और स्टार्टअप ढांचे को मजबूत कर रहा है। भारतजन के तहत विकसित Agri Param मॉडल 22 भारतीय भाषाओं में किसानों को सलाह प्रदान कर रहा है। यह भाषाई समावेशन एआई को वास्तविक अर्थों में जन-केंद्रित बनाता है। ड्रोन और उपग्रह आधारित मैपिंग से लेकर जलवायु पूर्वानुमान और जैव प्रौद्योगिकी तक, एआई का एकीकृत उपयोग कृषि को अधिक सटीक, टिकाऊ और लाभकारी बना रहा है। यदि 60 करोड़ किसानों की उत्पादकता में केवल 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो यह इस सदी का सबसे बड़ा गरीबी-निवारण अवसर सिद्ध हो सकता है, और भारत इस परिवर्तन का सह-निर्माता बन रहा है।

ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल बना भारत की ताकत-भारत की रणनीति का एक और महत्वपूर्ण आयाम ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल है। पश्चिमी देशों के बंद और पेटेंट-आधारित ढांचे के विपरीत, भारत सुलभ और पारदर्शी एआई पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है। कम लागत वाले डेटा सेंटर, ऊर्जा दक्ष अवसंरचना और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए छोटे, उद्देश्य-विशिष्ट एआई मॉडल भारत को व्यापक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में अग्रसर कर रहे हैं। कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में मोबाइल आधारित एआई समाधान यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि तकनीक का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। भारत की जनसंख्या संरचना भी इस परिवर्तन को गति दे रही है। 1.4 अरब की आबादी, विशाल युवा प्रतिभा-आधार और तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था इसे वैश्विक एआई हब बनने के लिए उपयुक्त बनाती है। आधार, यूपीआई और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मजबूत आधारभूत ढांचे एआई अनुप्रयोगों के लिए तैयार मंच प्रदान करते हैं। नीतिगत स्पष्टता, निवेश की बाढ़ और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का संयोजन भारत को एक अद्वितीय स्थिति में खड़ा करता है। भारत विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख एआई निर्माता बनने की ओर अग्रसर अतः इस संदर्भ में कहना यही है कि नई दिल्ली घोषणा ने आज ये संदेश दिया है कि एआई का उद्देश्य दक्षता बढ़ाने के साथ ही समानता और समावेशन सुनिश्चित करना है। निवेश प्रतिबद्धताएं भारत को अवसंरचना और नवाचार की शक्ति प्रदान कर रही हैं, जबकि कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रयोग यह सिद्ध कर रहे हैं कि एआई जमीन पर वास्तविक परिवर्तन ला सकता है। इस आधार पर यही सच प्रतीत होता है कि यदि बीती सदी औद्योगिक क्रांति की थी और वर्तमान सदी डिजिटल क्रांति की है तो आने वाला दशक एआई क्रांति का होगा।

वेद और बुद्ध के बीच संवाद की परंपरा

दीपक कुमार द्विवेदी

पश्चिम, क्रिश्चियनिटी और वामपंथी बौद्धिक प्रवृत्तियों में बुद्ध के प्रति जो विशेष आकर्षण दिखाई देता है, उसे केवल आध्यात्मिक या नैतिक कारणों से समझना पर्याप्त नहीं है। यह आकर्षण एक बड़े बौद्धिक परिप्रेक्ष्य में खड़ा है—सृष्टि की अवधारणा, काल-दृष्टि, इतिहास-लेखन की पद्धति, औपनिवेशिक विमर्श और आधुनिक वैचारिक राजनीति के संदर्भ में। इस प्रश्न को भावनात्मक प्रतिक्रिया की बजाय तर्क और संदर्भ के साथ देखना आवश्यक है। सबसे पहले यह स्पष्ट कर लेना चाहिए कि बौद्ध मत को सनातन वैदिक धर्म से पृथक या विरोधी धारा के रूप में प्रस्तुत करना ऐतिहासिक रूप से संतुलित दृष्टि नहीं है। गौतम बुद्ध उस सांस्कृतिक और दार्शनिक वातावरण में प्रकट हुए जहां उपनिषदों में आत्मा, ब्रह्म, कर्म और पुनर्जन्म पर गहन विमर्श पहले से चल रहा था। बृहदारण्यक उपनिषद में याज्ञवल्क्य आत्मा की अनंतता पर विचार करते हैं। कठोपनिषद में नचिकेता मृत्यु के पार के सत्य को जानना चाहता है। छांदोग्य उपनिषद "तत्त्वमसि" का उद्घोष करता है। भगवद्गीता में आत्मा की अनश्वरता और कर्मफल का सिद्धांत प्रतिपादित है। बुद्ध ने कर्म और पुनर्जन्म की अवधारणा को नकारा नहीं। उन्होंने यज्ञकर्म और वेद-प्रामाण्य की अनिवार्यता पर प्रश्न उठाए, पर उनका चिंतन उसी दार्शनिक धरातल पर विकसित हुआ जिसे सनातन वैदिक परंपरा कहा जाता है। भारतीय दर्शन की परंपरा में सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, पूर्व मीमांसा, उत्तर मीमांसा (वेदांत), जैन, बौद्ध और चार्वाक जैसे दर्शनों का उल्लेख मिलता है। यह सूची इस बात का संकेत है कि बौद्ध दर्शन को भारतीय बौद्धिक परंपरा से बाहर नहीं रखा गया। चार्वाक जैसे भौतिकवादी मत को भी स्थान मिला, जिसे परंपरा देवगुरु बृहस्पति से जोड़ती है। इसका अर्थ यह है कि भारतीय दार्शनिक संरचना में मतभेद को संवाद के रूप में स्वीकार किया गया, संघर्ष के रूप में नहीं। श्रमण और वैदिक धाराएँ एक ही दार्शनिक भूमि की अभिव्यक्तियां थीं। अब पश्चिमी सृष्टि-दृष्टि पर विचार करें। यूरोप में लंबे समय तक बाइबिल-आधारित कालगणना प्रभावी रही। सत्रहवीं शताब्दी में आयरलैंड के आर्चबिशप जेम्स अशर ने बाइबिल की वंशावलियों के आधार पर सृष्टि की तिथि 4004 ईसा पूर्व निर्धारित की। इस प्रकार मानव इतिहास को कुछ हजार वर्षों की रेखीय समयरेखा में सीमित कर दिया गया। यह दृष्टि एक आरंभ-बिंदु से प्रारंभ होकर क्रमिक विकास और अंत की ओर बढ़ती रेखा पर आधारित थी। उन्नीसवीं शताब्दी में चार्ल्स डार्विन की "On the Origin of Species" (1859) प्रकाशित हुई। विकासवाद ने जीवों के क्रमिक परिवर्तन की परिकल्पना दी। डार्विन ने यह कहा कि मनुष्य और आधुनिक वानरों का एक साझा पूर्वज रहा है। लोकप्रिय समझ में यह विचार इस रूप में बैठा कि मनुष्य बंदर से उत्पन्न हुआ। आज भी सामान्य स्तर पर यह प्रश्न उठता है कि यदि ऐसा है तो बंदर अभी भी क्यों हैं। वैज्ञानिक उत्तर यह देता है कि विकास शाखाओं में हुआ, एक सीधी रेखा में नहीं। फिर भी समग्र ढाँचा रेखीय जैविक विकास पर आधारित है। pइसके विपरीत सनातन वैदिक ग्रंथों में सृष्टि की अवधारणा बहुस्तरीय और चक्रीय है। पुराणों में मानसिक सृष्टि का उल्लेख है—ब्रह्मा द्वारा संकल्प से उत्पत्ति। उसके पश्चात मैथुनिक सृष्टि का क्रम है। यह संकेत करता है कि सृष्टि को केवल भौतिक घटना के रूप में नहीं, बल्कि चेतना और प्रकृति के संयुक्त आयाम में देखा गया। विष्णु पुराण में सृष्टि और प्रलय को चक्र में वर्णित किया गया है। श्रीमद्भागवत के तृतीय स्कंध में ब्रह्मा के एक दिन की गणना 4.32 अरब वर्ष कही गई है। महाभारत के शांति पर्व में कल्पों और मन्वंतरों का विस्तार मिलता है। योगवासिष्ठ में असंख्य ब्रह्मांडों की चर्चा है। यहाँ समय अनादि और चक्रीय है। यदि इस चक्रीय काल-दृष्टि को स्वीकार किया जाए तो सृष्टि को कुछ हजार वर्षों में सीमित करने की धारणा चुनौती के घेरे में आ जाती है। औपनिवेशिक काल में भारत के इतिहास को इसी रेखीय ढाँचे में ढालने का प्रयास हुआ। जेम्स मिल की "History of British India" (1817) ने भारतीय परंपरा को अंधविश्वासी और अविकसित बताया। मैक्स मूलर ने वेदों का काल सीमित किया। उन्नीसवीं शताब्दी में आर्य आक्रमण सिद्धांत प्रस्तुत हुआ—यह सिद्ध करने के लिए कि वैदिक संस्कृति स्वदेशी नहीं थी। इससे भारतीय परंपरा की प्राचीनता और निरंतरता पर प्रश्न उठे। इसी पृष्ठभूमि में "बौद्ध बनाम ब्राह्मण" का आख्यान विकसित हुआ। कुछ मिशनरी लेखनों और बाद में वामपंथी इतिहासकारों ने यह प्रतिपादित किया कि बौद्ध मत सामाजिक विद्रोह था और वैदिक परंपरा दमनकारी। इससे दार्शनिक निरंतरता को खंडित दिखाया गया और बुद्ध को एक वैकल्पिक नैतिक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया। बुद्ध को "ईश्वर-निरपेक्ष नैतिक शिक्षक" के रूप में चित्रित करना पश्चिमी बौद्धिकता के लिए अनुकूल था। इससे बाइबिल-आधारित ढाँचे को सीधी चुनौती नहीं मिलती और वामपंथी चिंतन को एक ऐतिहासिक प्रतीक मिल जाता है। ऐतिहासिक स्रोत इस सरलीकरण का समर्थन नहीं करते। सम्राट अशोक के शिलालेखों में वैदिक परंपरा के विरुद्ध कोई धार्मिक युद्ध का उल्लेख नहीं मिलता। हर्षवर्धन ने बौद्ध विहारों और ब्राह्मणों दोनों को संरक्षण दिया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने "The Buddha and His Dhamma" में संकेत किया कि भारत में बौद्ध संस्थानों के पतन में विदेशी आक्रमणों की भूमिका रही। नालंदा और विक्रमशिला के विनाश का उल्लेख विभिन्न ऐतिहासिक अभिलेखों में है। अतः बौद्ध मत के लोप को केवल "ब्राह्मणीय दमन" की कथा में सीमित करना एकांगी दृष्टि है। pपश्चिम, क्रिश्चियनिटी और वामपंथी चिंतन में बुद्ध के प्रति विशेष आग्रह का एक कारण आध्यात्मिक आकर्षण हो सकता है, पर उससे अधिक वह वैचारिक सुविधा है जो बुद्ध को सनातन से पृथक प्रस्तुत करने में निहित है। यदि यह स्वीकार कर लिया जाए कि बौद्ध मत उसी दार्शनिक परंपरा की धारा है, कि श्रमण और वैदिक विचार एक ही बौद्धिक भूमि के अंग हैं, तो यह कृत्रिम द्वंद्व समाप्त हो जाता है। बुद्ध और सनातन के बीच विभाजन स्थापित करना ऐतिहासिक जटिलता को सरल बनाना है। समस्या बुद्ध में नहीं है; समस्या उस व्याख्या में है जो उन्हें सनातन के विरुद्ध खड़ा करती है। जब सृष्टि-दृष्टि, काल-दृष्टि और दार्शनिक निरंतरता के संदर्भ में विषय को देखा जाता है, तो स्पष्ट होता है कि दोनों को अलग करके देखना ही मूल भ्रम है।

'वोक' संस्कृति, वैचारिक सबवर्शन और भारतीय समाज पर गहरा खतरा

कैलाश चन्द्र

वर्तमान समय में भारतीय समाज एक ऐसे वैचारिक दौर से गुजर रहा है, जिसमें संस्कृति, परिवार, नैतिकता और राष्ट्रीय पहचान से जुड़े प्रश्न नए रूप में सामने आ रहे हैं। भोपाल फिल्म फेस्टिवल को लेकर उठा विवाद किसी आयोजन की सामान्य नीति समीक्षा का विषय न होकर यह भारतीय समाज की वैचारिक दिशा और सांस्कृतिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। जिस आयोजन का सह-प्रस्तुतिकरण मध्यप्रदेश पर्यटन जैसे सरकारी संस्थान ने किया, वही मंच उन फिल्मों और व्यक्तियों को प्रदान करता दिखाई दिया, जो लंबे समय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के विरोध में विचार अभियान चलाते रहे हैं। यह परिस्थिति संकेत देती है कि सांस्कृतिक क्षेत्र में एक सुनियोजित वैचारिक प्रवाह सक्रिय है, जिसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक संरचनाओं को बदलना है। पिछले वर्षों में 'वोक' और 'प्रगतिशील' जैसे आकर्षक शब्दों की आड़ में ऐसे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ी है, जिनका उद्देश्य धीरे-धीरे सामाजिक मान्यताओं को परिवर्तित करना और नई मानसिकता को सामान्य बनाना है। इन आयोजनों में प्रस्तुत फिल्मों की विषयवस्तु पर दृष्टि डालने से स्पष्ट होता है कि कथा और कला के माध्यम से वैचारिक संदेश स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उदाहरणस्वरूप 'किस' (२०२२) और 'कुचुर (द इच)' जैसी फिल्मों की मूल थीम समलैंगिकता, किशोर मनोविज्ञान और आनंद की अवधारणा को एक विशेष दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। इन फिल्मों के माध्यम से ऐसे विषयों को केंद्र में रखा गया है, जो भारतीय पारिवारिक और सामाजिक संरचना में संवेदनशील माने जाते हैं। निर्देशक वरुण ग्रोवर जैसे व्यक्तित्व, जो लंबे समय से वामपंथी विचारधारा के समर्थक माने जाते हैं और सरकार, भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर खुली टिप्पणियों के लिए चर्चित रहे हैं, ऐसे आयोजनों में प्रमुख स्थान प्राप्त करते हैं। तब स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या करदाताओं के धन का उपयोग उन कार्यक्रमों के लिए किया जाना उचित है, जो भारतीय समाज की परंपरागत मान्यताओं और राष्ट्रवादी विमर्श की आलोचना को प्रोत्साहित करते हों। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरोध का नहीं, बल्कि राज्य की वैचारिक तटस्थता और सांस्कृतिक उत्तरदायित्व का है। वोक विचारधारा को यदि गहराई से समझा जाए तो यह महज सामाजिक जागरूकता का आंदोलन नहीं प्रतीत होती, सांस्कृतिक मार्क्सवाद की आधुनिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरती है। इसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक इकाइयों जैसे परिवार, धर्म, संस्कृति, स्त्री-पुरुष संबंध और नैतिक अनुशासन को पुनर्परिभाषित करना है। इस विचारधारा में व्यक्ति को सामूहिकता से ऊपर रखा जाता है, इच्छा को मर्यादा से अधिक महत्व दिया जाता है और आनंद को जीवन का मूल मूल्य घोषित किया जाता है। फिल्में और दृश्य माध्यम इस दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन बन जाते हैं, क्योंकि वे भावनाओं, कथानक और कला के आवरण में विचारों को सहज रूप से स्थापित कर देते हैं। किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण है। इस आयु में प्रस्तुत कथाएँ और दृश्य लंबे समय तक मानसिक संरचना को प्रभावित करते हैं। यदि फिल्मों में किशोर पात्रों के माध्यम से समलैंगिक संबंधों या शारीरिक आनंद को केंद्रीय विषय बनाया जाए, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव दूरगामी हो सकता है। 'किस' (२०२२) में दो किशोर लड़कों के बीच चुंबन को कथा का केंद्र बनाना और 'कुचुर (द इच)' में किशोरी के शारीरिक अनुभवों को सामान्य प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करना कला की अभिव्यक्ति से आगे बढ़कर सामाजिक दिशा निर्धारण का प्रयास प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या इन विषयों का प्रस्तुतीकरण मार्गदर्शन के उद्देश्य से है या प्रयोगवाद को प्रोत्साहन देने के लिए। भारतीय चिंतन में कामना और संबंधों को सदैव जिम्मेदारी, संयम और सामाजिक संतुलन के साथ जोड़ा गया है। यहां स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण और कर्तव्यबोध से जुड़ा है। जब कला और अभिव्यक्ति के नाम पर किशोर जिज्ञासाओं को उन्मुक्त प्रयोग का क्षेत्र बना दिया जाता है, तब वह परंपरागत नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाने के साथ-साथ भावनात्मक विकास को भी प्रभावित करता है। परिवार और संस्कार को दमनकारी संरचना के रूप में प्रस्तुत करना व्यक्ति को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर ले जा सकता है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे सामाजिक संतुलन को विचलित करती है और व्यक्तिवाद को बढ़ावा देती है। मीडिया का एक वर्ग ऐसे आयोजनों को मानवाधिकार और प्रगतिशीलता का प्रतीक बताता है। राष्ट्रीय दृष्टिकोण यह पूछता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा क्या है ? क्या स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक अराजकता है ?क्या कला का दायित्व समाज निर्माण है या विघटन ?विमर्श को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है मानो परंपरा समर्थक वर्ग अभिव्यक्ति का विरोध कर रहा हो, जबकि वास्तविकता में संघर्ष दो विचारधाराओं के बीच है। एक ओर हजारों वर्षों की सभ्यता से निर्मित सांस्कृतिक संरचना है, दूसरी ओर पश्चिम प्रेरित प्रयोगवादी प्रवृत्तियां। यह विषय किसी एक फिल्म फेस्टिवल तक सीमित नहीं है। यह प्रश्न तय करेगा कि आने वाली पीढ़ियां किस मानसिकता के साथ विकसित होंगी, परिवार संस्था का भविष्य क्या होगा और समाज मर्यादाओं को कितना महत्व देगा। यदि विश्वविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालय, पर्यटन विभाग और अन्य सरकारी संस्थान भी वैचारिक प्रयोगों के मंच बन जाएँ, तब यह सांस्कृतिक सुरक्षा का विषय बन जाता है। राज्य की भूमिका तटस्थ संरक्षक की होनी चाहिए, न कि किसी एक विचारधारा के संवाहक की। 9भोपाल फिल्म फेस्टिवल एक उदाहरण के रूप में सामने आया है, जो दर्शाता है कि किस प्रकार वोक एजेंडा कलात्मक आवरण और मीडिया समर्थन के सहारे समाज में स्थान बनाने का प्रयास करता है। भारत हजारों वर्षों की सांस्कृतिक परंपरा वाला राष्ट्र है, जिसने अनेक वैचारिक आक्रमणों का सामना किया है। इस दृढ़ता को बनाए रखने के लिए समाज को सजग रहना होगा। कला को वैचारिक हथियार बनने से रोकना, करदाताओं के धन का उत्तरदायी उपयोग सुनिश्चित करना और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की मांग है। भारत को अपनी आत्मा के साथ आगे बढ़ना है। भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि समाज सजग, संगठित और वैचारिक रूप से स्पष्ट रहे। जब जनमानस अपने सांस्कृतिक दायित्व को समझेगा और जागृत चेतना के साथ आगे आएगा, तभी राष्ट्र अपनी मूल पहचान को सुरक्षित रखते हुए प्रगति की दिशा में संतुलित कदम बढ़ा सकेगा। यही सांस्कृतिक आत्मरक्षा का मार्ग है और यही भारतीय समाज की दीर्घकालिक स्थिरता की आधारशिला है।

मेष राशि : आज आपका सोचा हुआ काम पूरे होंगे। परिवार के लोगों से आपको सहयोग मिलेगा। आपको माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज आप नया काम शुरू करने की योजना बनायेंगे, आगे चलकर इससे आपको फायदा होगा। इस राशि के छात्रों के सफलता का स्तर अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा रहेगा।

वृष राशिः आज आपको इनकम में बढ़ोतरी के लिये किसी की मदद मिल सकती है। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जीवनसाथी किसी काम के लिये आपकी तारीफ कर सकते है, इससे आपका मन खुश रहेगा। शाम को किसी दूर के रिश्तेदार से फ़ोन पर बात हो सकती है। काम को लेकर आपकी कई योजनाएं आज समय से पूरी हो जायेंगी। आपको बड़ी सफलता मिलने का योग बना हुआ है।

मिथुन राशि : आज आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे। आपकी फिटनेस बनी रहेगी। आप जीवनसाथी की किसी काम में मदद करेंगे। जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते अपने आप खुलते जायेंगे। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बने हुए हैं। आपका नया कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा। इस राशि के मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है।

कर्क राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आर्थिक उतार-चढ़ाव की स्थितियां देखने को मिलेगी। व्यापार की गति ठहरने से किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे, जिससे जल्द ही सबकुछ अच्छा हो जायेगा। आज माता-पिता के साथ रिश्ते और बेहतर होंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। घर में भाई-बहन की मदद से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी। अनियमित दिनचर्या के कारण थोड़ा आलस्य और थकान बना रहेगा। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। परिवार के सुख-सौभाग्य में बढ़ोतरी होगी। जीवनसाथी के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशिश करेंगे। आज आपके सहकर्मी किसी कार्य को पूरा करने के लिए आपसे फोन पर राय लेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। मित्र आपसे सहयोग के लिए कह सकता है, आप उनकी हर संभव मदद करेंगे। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। आप जिस किसी काम को करने का प्रयास करेंगे, उस काम में आपको अच्छी कामयाबी मिलेगी। दाम्पत्य जीवन में नयी-नयी खुशियां आयेगी।

तुला राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। माता-पिता का स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से आपको बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं। प्रभावशाली लोगों से फोन पर बात होने की संभावना है। निवेश के मामले में आपको नई सलाह मिलेगी। परिवारवालों के साथ मिलकर किये गए कामों में आपको बहुत हद तक सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको मानसिक उलझनों से मुक्ति मिलेगी, जिससे काफी राहत महसूस करेंगे। परिवारजनों के साथ खुशियों के पल बितायेंगे। दाम्पत्य रिश्ते में मजबूती आयेगी। आज किसी प्रकार की नई बात आपको सीखने को मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी।

धनु राशि : आज आपका दिन ख़ुशी से भरा रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। इस राशि के राजनीति से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। आज आप घरेलू काम को निपटाने में सफल रहेंगे। सही योजना के तहत अपने करियर में बदलाव लायेंगे। सेहत के मामले में आप खुद को फीट महसूस करेंगे।

मकर राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपके रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। आज आप अपना काम समय से पूरा कर लेंगे। अगर नया काम शुरू करना चाहते है, तो फिलहाल कुछ दिनों के लिए रुक जाना अच्छा रहेगा। परिवार के मामले में बड़ा फैसला लेने से पहले सबकी बात आपको जरूर सुनना चाहिए। कुछ चीज़ों में आपको लोगों से उलझने से बचना चाहिए। संतान से आपको सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशिः आज आपको अच्छी खबर मिलेगी, जिससे पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। लम्बे समय से चल रहा किसी कोर्ट-कचहरी के मामले को निपटने के लिए किसी ख़ास दोस्त से फ़ोन पर राय लेंगे। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। कारोबार में तरक्की के योग बन रहे है।

मीन राशिः आज आपके व्यक्तित्व में निखार आयेगा। अध्यात्म के प्रति लगाव बढ़ेगा। जीवनसाथी के सहयोग से काम पूरे हो जायेंगे। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज ननिहाल पक्ष से खुशखबरी मिलेगी। आप लोगों को अपनी बातें समझाने में सफल होंगे। आज बात करते समय अपनी भाषा पर ध्यान दें, नहीं तो किसी से अनबन हो सकती है। आपकी दिनचर्या में बदलाव आने से आज कुछ कार्यों को पूरा करने में समय लगेगा। आज पिता के सेहत में सुधार होगा। कुल मिलाकर आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

पीयू छात्र संघ चुनाव, आज कैंडिडेट की फाइनल लिस्ट आएगी, हंगामे के चलते दो दिन हुआ लेट

पटना। पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव में आज कैंडिडेट की फाइनल लिस्ट जारी की जाएगी। पहले यह सूची 21 फरवरी को जारी होनी थी, लेकिन पटना साइंस कॉलेज में शिक्षक के साथ दुर्व्यवहार के बाद चुनाव स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद प्रत्याशियों की मांग पर प्रशासन ने 28 फरवरी को ही चुनाव कराने का निर्णय लिया। आज सभी छात्र संगठनों के प्रत्याशियों के साथ चुनाव समिति बैठक भी करेगी। चुनाव से पहले यूनिवर्सिटी प्रशासन इस बात को स्पष्ट करना चाह रहा है कि चुनाव के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं घटे और चुनाव मर्यादित तरीके से संपन्न हो। दूसरी ओर दुर्व्यवहार करने वाले छात्रों ने रविवार को शिक्षक को पत्र लिखकर माफी मांगी है। इसमें मोनू कुमार, अनुज कुमार, रमेश कुमार और सन्नी कुमार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि, 'अब आगे कभी भी इस तरह की घटना नहीं होगी।' छात्रों ने पत्र में पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में आचार संहिता का पालन करने और विश्वविद्यालय की एकेडमिक और लोकतांत्रिक गरिमा के अनुरूप आचार करने का लिखित वादा किया है। इसके साथ ही छात्रों ने अपनी गलती को स्वीकार करते हुए शिक्षक से किसी भी प्रशासनिक कार्रवाई नहीं करने का आग्रह किया है। पटना सायंस कॉलेज में शनिवार को अंग्रेजी विभाग के शिक्षक प्रो शोवन चक्रवर्ती के साथ मारपीट की घटना को कुलपति प्रो. नमिता सिंह ने गंभीरता से लिया है। मीडिया प्रभारी डॉ वीरेंद्र कुमार पासवान ने बताया कि, मामले की जांच प्राचार्य स्तर पर कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी स्तर पर भी एक कमेटी बनाई गई है। घटना से नाराज पुटा की कार्यकारिणी की बैठक सोमवार को होगी। इसमें शिक्षक के साथ हुए दुर्व्यवहार पर चर्चा होगी। इसके बाद शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल कुलपति से मुलाकात करेगा।

पटना नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति की बैठक, नए सिरे से होगा टैक्स एसेसमेंट और रेवन्यू कलेक्शन

पटना। पटना नगर निगम की 20वीं सशक्त स्थायी समिति की बैठक कल होगी। इस बैठक में निगम क्षेत्र के अंतर्गत भवनों के नए सिरे से टैक्स एसेसमेंट और रेवन्यू कलेक्शन के लिए एक नई एजेंसी का चयन किया जाएगा। इसके अलावा शहर में शौचालयों के बेहतर संचालन और रखरखाव को लेकर एक ठोस नीतिगत फैसला लिया जाएगा। पिछली बैठकों में स्वीकृत मॉडल शौचालयों के निर्माण की प्रगति रिपोर्ट भी पेश की जाएगी। विशेष रूप से साल 2025 के चैती और कार्तिक छठ महापर्व के दौरान विभिन्न घाटों पर कराए गए कार्यों की प्रशासनिक स्वीकृति दी जाएगी। बांकीपुर अंचल के विभिन्न घाटों जैसे काली घाट, कदम घाट, मिश्री घाट और पथरी घाट पर बालू भराई, रेलिंग पेंटिंग और पहुंच पथ की मरम्मत जैसे कार्यों पर भी चर्चा होगी। कल 1 बजे मेयर के चेम्बर में आयोजित बैठक में सभी विषयों पर चर्चा होगी। शहर के विभिन्न वार्डों में नई बोरिंग और पाइपलाइन विस्तार पर बड़ा फैसला होने की उम्मीद है। वार्ड संख्या 1, 7, 22, 25, 26, 29, 42, 43, 46, 49, 52, 61 और 72 जैसे क्षेत्रों में उच्च प्रवाह वाले बोरिंग लगाने और पेयजल आपूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रस्ताव कार्यसूची में शामिल हैं। इसके अलावे कई मोहल्लों में नई सड़कों और आरसीसी नालों के निर्माण की योजना भी तैयार है।

मैट्रिक परीक्षा, दूसरी पाली में हुआ इंग्लिश का एग्जाम, पटना में सेंटर से बाहर निकले छात्रों में झगड़ा-मारपीट

पटना। बिहार बोर्ड मैट्रिक परीक्षा में आज दोनों पालियों में इंग्लिश का पेपर हुआ। दोपहर 2 बजे से प्रदेश के 1699 सेंटर्स पर दूसरी पाली की परीक्षा शुरू हुई, जो शाम 5:15 बजे तक चली। वहीं, दूसरी पाली में पटना के मिलर हाई स्कूल में परीक्षा देने के बाद मैट्रिक के छात्र बाहर निकले। वो आपस में ही झगड़ा और मारपीट करने लगे। कुछ देर बाद वहां से निकल गए। इससे पहले आज सुबह पहली पाली की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक हुई। प्रशासन ने सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से कम से कम एक घंटा पहले केंद्र पर पहुंचने का निर्देश दिया है। इस साल 15 लाख से ज्यादा बच्चे बोर्ड 10वीं के एग्जाम दे रहे हैं। अबतक 5 पेपर्स हो चुके हैं। 25 फरवरी को परीक्षा खत्म होगी। बोर्ड की ओर से शांतिपूर्ण परीक्षा कराने को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा में करीब 15.12 लाख परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। इनमें छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक है। पहली पाली में लगभग 7.58 लाख और दूसरी पाली में करीब 7.54 लाख परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। परीक्षा के दौरान कदाचार पर सख्ती बरती जा रही है। अब तक चार दिनों में कुल 22 परीक्षार्थियों को निष्कासित किया जा चुका है। पहले दिन 5, दूसरे दिन 6, तीसरे दिन 5 और चौथे दिन 6, पांचवे दिन 5 परीक्षार्थियों को विभिन्न जिलों से निष्कासित किया गया।

बिहटा में ट्रैक्टर ड्राइवर ने पुलिस-परिजनों को कुचलने की कोशिश, हादसे की जांच के दौरान किया हमला

पटना। पटना के बिहटा में रविवार देर रात नशे में धुत ट्रैक्टर चालक ने ट्रैफिक पुलिस टीम और मृतक के परिजनों को कुचलने का प्रयास किया। घटना बिहटा थाना क्षेत्र के आनंदपुर गांव के पास की है। इस दौरान एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान मनेर थाना क्षेत्र के माधोपुर निवासी राजकुमार राय के रूप में हुई है। वहीं गिरफ्तार चालक आनंदपुर गांव निवासी बैधनाथ राय का पुत्र रामायण कुमार बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी को पीछा कर दबोच लिया और ट्रैक्टर भी जब्त कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले आनंदपुर गांव के पास सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई थी। उसी मामले के सत्यापन के लिए ट्रैफिक पुलिस टीम मृतकों के परिजनों के साथ घटनास्थल पर जांच कर रही थी। इसी दौरान बिहटा से मनेर की ओर जा रहा ट्रैक्टर अचानक मौके पर पहुंचा। आरोप है कि चालक नशे में था और उसने वहां मौजूद पुलिसकर्मियों, मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों को रौंदने का प्रयास किया। लोग किसी तरह सड़क किनारे कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहे, लेकिन राजकुमार राय ट्रैक्टर की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को तुरंत बिहटा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद कुछ देर के लिए इलाके में अफरातफरी की स्थिति बन गई थी। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। बिहटा थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि शराब के नशे में धुत चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। ट्रैक्टर को भी जब्त किया गया है। घायल और पुलिस की ओर से दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पटना में रिसेप्शन पार्टी में दो भाइयों को गोलियों से भूना

पटना में 10 बदमाशों ने घेरकर की 24 राउंड फायरिंग, 40 साल पुराना विवाद

एजेंसी, पटना

पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर में रविवार रात जमीन विवाद में दो सगे भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। करीब एक दर्जन हथियारबंद बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, एक शादी के रिसेप्शन पार्टी में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इसी दौरान अचानक फायरिंग शुरू हो गई, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। दोनों भाइयों को सिर, सीने और शरीर के ऊपरी हिस्से में 5-6 गोलियां मारी गईं। गोली लगने से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान मनीष कुमार और उसके छोटे भाई मंजीत के रूप में हुई है। दोनों गोपालपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर के निवासी थे। घटना के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

पार्टी में विवाद बढ़ने पर की फायरिंग: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रात करीब 9 बजे दोनों भाई गांव के ही दौलत राय के बेटे विक्की की रिसेप्शन पार्टी में शामिल होने गए थे। खेत में पंडाल लगाकर भोज का आयोजन किया गया

था, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। भोज के दौरान अचानक 10-12 हमलावरों आ धमके और उन्हें घेर लिया। इसके बाद किसी बात को लेकर विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने हथियार निकालकर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। घटना के दौरान 24 राउंड से अधिक फायरिंग हुई। इससे समारोह स्थल पर भगदड़ मच गई और आरोपी मौके से फरार हो गए। दोनों भाईयों के सिर और सीने में गोली मारी गई। मनीष की मौके पर ही मौत हो गई थी। गंभीर रूप से घायल मंजीत को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी भी मौत हो गई। परिवार के अनुसार, मनीष और मंजीत पर पहले भी हमला हो चुका था। मारपीट और जान से मारने की धमकी दी गई थी। कोर्ट परिसर में भी विवाद हुआ था। परिवार का आरोप है कि लगातार शिकायत के बावजूद सुरक्षा नहीं मिली। पुलिस ने कार्रवाई नहीं की।

40 साल से चल रहा था जमीन का विवाद: यह घटना 6 बीघा जमीन के विवाद से जुड़ी बताई जा रही है। मनीष के पिता राजकिशोर राय उर्फ राजू राय और उनके गोतिया कृष्णा राय के बीच छह बीघा पुश्तैनी जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। मामला करीब 40 साल से कोर्ट में था। पांच माह पहले कोर्ट का फैसला राजकिशोर राय के पक्ष में आया था। ग्रामीणों के अनुसार इसी रंजिश में हत्या की गई। गोली मारने का आरोप कृष्णा राय के बेटों और उनके सहयोगियों पर है। घटना की सूचना मिलते ही गोपालपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है। गोपालपुर थाना प्रभारी अमित कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि, 'पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इलाके में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।'

'राज्यसभा की 4 सीटें एनडीए को मिलेंगी'

एजेंसी, पटना

- पटना में रामदास अठावले बोले-पांचवीं सीट पर स्थिति के अनुसार फैसला
- महाबोधि मंदिर ट्रस्ट को लेकर मांग दोहराई

केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने सोमवार को पटना के विद्यापति भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर के ट्रस्ट में बौद्ध प्रतिनिधियों को शामिल करने की मांग दोहराई। अठावले ने कहा कि, 'हाल ही में वह बोधगया जाकर महाबोधि मंदिर में दर्शन किया। मंदिर का संचालन करने वाले ट्रस्ट में बौद्ध समुदाय के प्रतिनिधि होने चाहिए। दूसरे धर्म के लोगों को ट्रस्ट में शामिल नहीं किया जाना चाहिए।' अठावले ने तर्क दिया कि 'यदि हिंदू मंदिरों के ट्रस्ट का नेतृत्व हिंदू करते हैं तो बौद्ध मंदिरों के ट्रस्ट का नेतृत्व भी बौद्ध समुदाय के हाथ में होना चाहिए।'

बिहार में 5 सीटों पर होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर उन्होंने NDA को कम से कम 4 सीटें मिलने का दावा किया है, जबकि पांचवीं सीट पर स्थिति के अनुसार फैसले की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्यसभा चुनाव विधायकों के वोट से होता है। इसलिए विपक्ष से किसी विशेष बातचीत की जरूरत नहीं है। महाराष्ट्र में 7 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव पर बोलते हुए अठावले ने दावा किया कि महायुति (NDA) को 7 में से 6 सीटें मिलेंगी। अठावले के मुताबिक, 7 में से 4 सीटें भाजपा के खाते में जाएंगी, जबकि एक-एक सीट एकनाथ शिंदे गुट और अजित दादा पवार की एनसीपी को मिल सकती है। उन्होंने भरोसा जताया कि उनका कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है और उन्हें एक बार फिर राज्यसभा भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि 2014 से वह भाजपा के सहयोगी हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह के साथ उनके अच्छे संबंध हैं।

पटना में दफादार-चौकीदार पर लाठीचार्ज, एक का सिर फटा

एजेंसी, पटना

पटना में सोमवार को दफादार और चौकीदारों ने अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। विभिन्न जिलों से सैकड़ों की संख्या में दफादार-चौकीदार गांधी मैदान के पास जेपी गोलंबर पहुंचे। दोपहर बाद प्रदर्शन उग्र हो गया। प्रदर्शनकारियों ने जेपी गोलंबर पर लगाई गई बैरिकेडिंग तोड़कर डाकबंगला चौराहा की ओर बढ़ने लगे। यहां पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का मुक्की हुई। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर सबको खदेड़ दिया। लाठीचार्ज के दौरान अफरा-तफरी मच गई। इससे आरा से आए चौकीदार प्रभु के सिर में चोट लग गई। उनको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि मानदेय बढ़ाने, सेवा शर्तों में सुधार और कई लंबित मांगें हैं, जिसे सरकार नहीं मान रही है। हम अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शनकारी गांधी

मैदान से डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़े तो डाकबंगला चौराहे पर भारी संख्या में पुलिस बल, दंगा नियंत्रण वाहन और अतिरिक्त जवान तैनात किए गए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया और उन्हें आगे बढ़ने से रोका। इस दौरान हल्की धक्का-मुक्की भी हुई। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी नहीं रुके तो पुलिस की ओर से लाठीचार्ज किया गया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि हम लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

आईपीएस सुनील नायक को राहत, कोर्ट ने नहीं दी ट्रांजिट रिमांड, बिना वारंट गिरफ्तार करने पहुंची आंध्र पुलिस

एजेंसी, पटना

IPS एम. सुनील नायक को पटना सिविल कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने आंध्र प्रदेश पुलिस की ट्रांजिट रिमांड को खारिज कर दिया है। आंध्र पुलिस के पास ना गिरफ्तारी का वारंट था, न अपडेट केस डायरी। जिसके चलते कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की और सीधे रिमांड को रिफ्यूज कर दिया। साथ ही साथ जो पुलिस अफसर बिना वर्दी कोर्ट पहुंचे थे, उन्हें कोर्ट ने बैठा लिया गया, इनमें आंध्र पुलिस के तीन कर्मी भी शामिल हैं। ACJM 12 के कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। IG सुनील कुमार नायक पटना सिविल कोर्ट से निकल चुके हैं। गेट के बाहर पुलिसकर्मियों ने उनका स्वागत किया। IPS एम. सुनील नायक बिहार होम होमगार्ड एंड फायर सर्विसेज में IG हैं। IG सुनील कुमार नायक के खिलाफ IPC की धारा 307 (हत्या के प्रयास) के तहत मामला दर्ज है। यह मामला आंध्र प्रदेश के नरसापुरम से पूर्व सांसद के रघुराम कृष्णा राजू से जुड़ा है।

आंध्र प्रदेश पुलिस ने नियम का पालन नहीं किया: SP: सेंट्रल एसपी भानु प्रताप ने बताया, 'आंध्र प्रदेश की पुलिस बिना वारंट गिरफ्तार करने पहुंची थी। इसके बावजूद भी पटना पुलिस ने विनम्रता के साथ सहयोग किया। कोर्ट में जब लाया गया तो कोर्ट ने आंध्र प्रदेश की पुलिस की अर्जी खारिज कर दी। यानी ट्रांजिट रिमांड को रिफ्यूज कर दिया। फिलहाल इसमें क्या हो सकता है, इसके बारे में विचार विमर्श किया जा रहा है।' IPS एम सुनील नायक के अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव ने बताया कि आंध्र प्रदेश की पुलिस ने नियम को ताक पर रखकर कार्रवाई की है। गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस ने दीवार फांदकर घर में घुसी थी। इसके खिलाफ हम लोग कोर्ट जाएंगे। अगले 30 दिन तक आंध्र पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर सकती है, कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है।

पूरा मामला साल 2021 का है, जब सुनील कुमार नायक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर आंध्र प्रदेश में CID में तैनात थे। उस वक्त तेलुगू देशम पार्टी (TDP) के रघुरमा कृष्ण राजू आंध्र प्रदेश के नरसापुरम से सांसद थे। उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी और उनकी पार्टी YSR कांग्रेस पार्टी (YSRCP) के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। इसके बाद पूर्व सांसद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और CID की टीम हैदराबाद पहुंचकर उन्हें उनके आवास से गिरफ्तार कर गुंटूर स्थित CID कार्यालय ले गई। पूर्व सांसद का आरोप है कि हिरासत के दौरान उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई और सरकार के इशारे पर उन्हें जान से मारने की साजिश रची गई। उन्होंने दावा किया कि यह महज कानूनी कार्रवाई नहीं, बल्कि सियासी रंजिश निकालने का तरीका था। के रघुराम कृष्णा राजू वर्तमान में आंध्र प्रदेश विधानसभा में डिप्टी स्पीकर हैं।

- आईजी पर पूर्व सांसद की हत्या के प्रयास का केस

अज्ञात गाड़ी-एंबुलेंस की टक्कर 2 की मौत, तीन की हालत गंभीर

- पटना से पूर्णिया लौटते समय अथमलगोला में हुआ हादसा

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन पर जगन्नाथ पेट्रोल पंप के पास करीब दो बजे एक अज्ञात बड़े वाहन ने एंबुलेंस को टक्कर मार दी। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान पूर्णिया निवासी अंजुम खातून और किशनगंज निवासी एंबुलेंस चालक राजकिशोर सिंह के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है, जबकि एक घायल का इलाज अथमलगोला पीएचसी में चल रहा है।

पटना से पूर्णिया लौट रही थी एंबुलेंस: पुलिस के अनुसार, एंबुलेंस पटना से पूर्णिया जा रही थी। अंजुम खातून पटना में अपने किसी परिजन के पैर का प्लास्टर खुलवाने गई थीं और प्लास्टर कटवाने के बाद पूर्णिया लौट रही थीं। इसी दौरान एक अज्ञात बड़े वाहन ने उसे टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एंबुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हैरानी की बात यह है कि जिस मरीज को एंबुलेंस में ले

जाया जा रहा था, वह सुरक्षित बच गया, जबकि अंजुम खातून और ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई।

घायलों को पटना रेफर किया: हादसे में घायल तीन लोगों में से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है, जबकि एक घायल का इलाज अथमलगोला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस: सूचना मिलते ही अथमलगोला थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और मामले की जांच जारी है।देर रात हुए इस हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

खसरे का प्रकोप, 2 गांव में 32 मरीज मिले, पटना में रोज मिल रहे नए केस

एजेंसी, पटना

बाढ़ अनुमंडल के पछीयारी मलाही और सिकंदरा गांव में खसरे का प्रकोप सामने आया है। दोनों गांवों में अब तक कुल 32 मरीज चिन्हित किए गए हैं। इनमें से पछीयारी मलाही में 19 और सिकंदरा में 13 मरीज मिले। स्वास्थ्य विभाग दो या उससे अधिक मामलों को प्रकोप की श्रेणी में मानता है। शुरुआत में संदिग्ध पांच मरीजों के सैंपल जांच के लिए पटना भेजे गए थे, जिनमें से चार पॉजिटिव पाए गए। इब्राहिमपुर पंचायत के पछीयारी मलाही वार्ड नंबर 9 में 8 और नयाटोला सलेमपुर वार्ड नंबर 12 में 4 मामले पहले भी सामने आए थे। क्षेत्र में अभी प्रतिदिन नए मरीज मिल रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य विभाग सतर्क है।

WHO की टीम 28 दिन तक करेगी कैंप: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की टीम प्रभावित इलाकों में कई दिनों से लगातार कैंप कर रही है। डॉक्टरों की टीम घर-घर जाकर लोगों को टीकाकरण के प्रति जागरूक कर रही है। हर घर

- चार सैंपल पॉजिटिव, टीम 28 दिन करेगी कैंप

में टीकाकरण की स्थिति की जांच कर रही है। WHO की टीम अगले 28 दिनों तक इन क्षेत्रों में कैंप करना जारी रखेगी।

अभी टीकाकरण विफलता नहीं कह सकते- जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी: जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. अवधेश कुमार ने बताया कि, 'खसरे के इस प्रकोप को अभी टीकाकरण की विफलता नहीं कहा जा सकता।' उन्होंने कहा कि 'इस क्षेत्र में अचानक खसरे के फैलने के कारणों पर शोध के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। ग्रामीणों को अपने बच्चों को समय पर खसरे का टीका लगवाने की सलाह दी जा रही है।' बच्चों में टीकाकरण अभियान की कमान राणाबीघा पीएचसी और आंगनवाड़ी की आशा कार्यकर्ताओं के पास होती है। क्षेत्र में खसरे का प्रकोप सरकार के दिसंबर 2026 तक भारत से खसरा मुक्ति अभियान के लिए एक चुनौती है। इस स्थिति में सरकार को एक बार फिर खसरा टीकाकरण अभियान को तेजी से चलाना होगा।

पटना यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया स्थगित

एजेंसी, पटना

- 5 सूत्री मांगों को लेकर कुलपति से मिले, छात्रसंघ चुनाव तक रुकने को कहा गया

पटना यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों ने अपनी मांगें नहीं पूरी होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए आज विश्वासघात दिवस मनाया है। कर्मचारियों को आशा थी कि मांगें पूरी की जाएंगी, लेकिन दो साल पुराना एसीपी-एमएसीपी के मामलों का निपटारा किया गया। वेतन निर्धारण में जितना वेतन मिल रहा था, उससे भी कम कर वेतन निर्धारित किया गया है। मगर मांगों को पूरा करने का आश्वासन देने के बाद भी विश्वविद्यालय प्रशासन मुकर गया है। कुल 5 सूत्री मांगों को लेकर वो लोग आज प्रदर्शन भी करने वाले थे, लेकिन कुलपति से मुलाकात के बाद उन्होंने फिलहाल अपने प्रदर्शन को स्थगित कर दिया है।

योग्य कर्मचारी को पदभार

दिया जाए: कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुबोध कुमार ने कहा कि दिसम्बर 2024 में राज्यपाल के साथ तत्कालीन कुलपति के सामने बात हुई थी। उस समझौता पर आजतक अमल नहीं किया गया। पिछले साल मई में हमलोगों ने प्रदर्शन किया और उस वक्त हमें आश्वासन दिया गया जो आजतक पूरा नहीं हुआ। हमारी मुख्य मांगे पदोन्नती है। वहीं, योग्य कर्मचारी को पदभार दिया जाए। कितने लोग तो पदोन्नती की आशा में रिटायर कर जा रहे हैं। मृत कर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा पर नियुक्ति नहीं मिली है। एक व्यक्ति एक पद के संबंध में शिक्षा विभाग और राजभवन द्वारा निर्गत पत्रों का अनुपालन नहीं हुआ है।

कुलपति ने छात्र संघ चुनाव तक रुकने को कहा: इससे कुल 500 कर्मचारी प्रभावित हैं। 2 साल से कर्माचारियों द्वारा दिया गया प्रतिवेदन अभी देखा तक नहीं गया है। कुलपति ने बातचीत के लिए बुलाया है और हमारी बात हुई है। उन्होंने कहा कि अभी छात्र संघ का चुनाव है, उसमें अभी पूरा प्रशासन काफी व्यस्त है। आए दिन कई घटनाएं भी हो रही हैं। इसलिए कुलपति ने हमसे चुनाव के बाद तक का समय मांगा है। अब हमलोग सभी कर्मचारी बैठक करके ये निर्णय लेंगे कि प्रदर्शन की तिथि कब की निर्धारित की जाए।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

जेसीज चौराहे पर ट्रक ने बुजुर्ग को रौंदा, मौके पर ही मौत

औरैया , एजेंसी। औरैया में शहर के सबसे व्यस्त जेसीज चौराहे पर रविवार रात बेकाबू ट्रक ने सड़क पार कर रहे ब्रह्मनगर निवासी मोहनलाल पुरवार को टक्कर मारने के बाद रौंद दिया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटना के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से भाग गया। हादसे के बाद परिजन में कोहराम गया। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। जैसे ही शिनाख्त ब्रह्मनगर निवासी मोहनलाल पुरवार के रूप में हुई, उनके परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मृतक अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया कि ट्रक तेज गति में था और चौराहे पर मुड़ते समय चालक नियंत्रण खो बैठा। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से ट्रक की पहचान करने में जुटी है।

नमो भारत के सात और कॉरिडोर हैं प्रस्तावित

मेरठ, एजेंसी। दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के 82.15 किमी लंबे कॉरिडोर का उद्घाटन रविवार को हो गया। इसी के साथ दिल्ली से आसपास के क्षेत्रों को जोड़ते हुए सात और कॉरिडोर भी प्रस्तावित हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दस सालों में ये कॉरिडोर जमीन पर उतर सकते हैं। इससे अत्याधुनिक परिवहन की सेवाओं को नया आयाम मिलेगा। आधुनिक और बेहतर परिवहन सेवा के तौर पर आने वाले समय में नमो भारत कॉरिडोर का विस्तार संभव है। इसे दिल्ली से गुरुग्राम होते हुए अलवर तक तथा दिल्ली से पानीपत तक शुरू किया जा सकता है। इसके अलावा दिल्ली-फरीदाबाद-बल्लभगढ़-पलवल कॉरीडोर, गाजियाबाद-खुर्जा, दिल्ली-बहादुरगढ़-रोहतक, गाजियाबाद-हापुड़, दिल्ली-शाहदरा-बड़ौत कॉरीडोर का भी प्रस्ताव बना हुआ है। एनसीआरटीसी के मुताबिक फेस प्रथम में दिल्ली गाजियाबाद मेरठ कॉरिडोर शुरू किया गया है। ये प्रस्ताव अभी किस स्तर पर हैं इसका परीक्षण किया जा रहा है। अन्य कॉरिडोर के लिए भी प्रस्ताव आए हैं। ऐसा होने पर न केवल आवागमन आसान हो जाएगा बल्कि सड़कों पर यातायात का दबाव भी कम होगा।

संपत्ति बंटवारे के लिए छह घंटे तक रखा रहा शव

अलीगढ़ , एजेंसी। थाना क्षेत्र के एक गांव में बीमारी के चलते एक व्यक्ति की मौत हो गई। संपत्ति के बटवारे को लेकर करीब छह घंटे तक शव का अंतिम संस्कार नहीं किया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने रिश्तेदारों को समझा कर शव का अंतिम संस्कार कराया। जानकारी के अनुसार, गांव भाकरी अहिवासी में 48 वर्षीय देवकरन पुत्र पोप सिंह की बीमारी के चलते रविवार को सुबह 10 बजे निधन हो गया। सूचना पर रिश्तेदार मौके पर पहुंच गए। मृतक के ससुराल पक्ष भी पहुंच गया। साले विशाल की जमीन के बंटवारे को लेकर मृतक के भाइयों से कहासुनी हो गई। वह अंतिम संस्कार से पूर्व ही जमीन बहन भागवती देवी के नाम कराने की जिद करने लगा। सूचना पर पीआरबी पुलिस और थानाध्यक्ष धीरज कुमार पहुंच गए। विशाल का कहना था कि उसकी बहन भागवती की शादी 10 वर्ष पूर्व हुई थी, लेकिन उनके कोई संतान नहीं है। वह मानसिक रूप से बीमार है। बहनोई की मृत्यु के बाद उनके हिस्से की जमीन चार भाइयों के नाम चली जाएगी। पुलिस ने विशाल को समझाया और नियमानुसार राजस्व विभाग द्वारा जमीन पत्नी के नाम दर्ज होने के बात कही। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया।

टेंपो में मंगलसूत्र चोरी करते हुए दो महिलाएं पकड़ीं

अलीगढ़ , एजेंसी। टप्पल क्षेत्र में पलवल-टप्पल मार्ग पर टेंपो में सफर कर रही महिला का मंगलसूत्र चोरी करते हुए दो महिलाओं को पकड़ लिया। दोनों को पुलिस के हवाला कर दिया ।गांव जहानगढ़ निवासी मुखल शनिवार की दोपहर पलवल से टेंपो में टप्पल आ रही थीं। रास्ते में दो अन्य महिलाएं भी उसी टेंपो में बैठ गईं। पीड़िता ने बताया है कि रास्ते में हामिदपुर के पास उसके गले से मंगलसूत्र किसी ने खींच लिया। शोर मचाकर उसने टेंपो रुकवा लिया। पीड़िता भाई बंटी ने ऑटो में बैठी दोनों संदिग्ध महिलाओं से पूछताछ की तो हकीकत सामने आ गई। महिला मौसमी के पास से चोरी में इस्तेमाल होने वाला ब्लेड मिला। दूसरी महिला कृष्णा के पास से मंगलसूत्र मिला। पकड़ी गई महिलाएं पलवल और नूह की निवासी हैं। वर्तमान में रामपुर खुर्द, अमरपुर में रह रही थीं। दोनों को टप्पल थाना पुलिस के हवाला कर दिया। थाना पुलिस ने बताया है कि दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करली है।

कंपनियों तक बिचौलिये पहुंचाते थे टेंडर के गोपनीय दस्तावेज

तय होता था कमीशन, बड़ा खुलासा

लखनऊ । सीबीआई ने 10 लाख की रिश्वत लेते वापकोस के प्रोजेक्ट मैनेजर समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। कंपनियों तक बिचौलिये टेंडर के गोपनीय दस्तावेज पहुंचाते थे। इनका कमीशन पहले से तय होता था। टेंडर प्रक्रिया सिर्फ औपचारिकता होती थी।

10 लाख की रिश्वतखोरी के मामले में लखनऊ में सीबीआई की तफ्तीश में बड़ा खुलासा हुआ है। वाटर एंड पावर कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (वापकोस) के आरोपी अफसर टेंडर की गोपनीय जानकारी व दस्तावेज बिचौलिये को देते थे। बिचौलिओं के जरिये डील होने के बाद ये अहम जानकारी ठेका लेने वाली कंपनियों को दी जाती थी। इसके बाद टेंडर प्रक्रिया में सिर्फ औपचारिकता होती थी।

सीबीआई ने शनिवार को वापकोस के प्रोजेक्टर मैनेजर पंकज दुबे, इकाना इंटरप्राइज के प्रोपराइटर बबलू सिंह यादव, बिचौलिये राहुल वर्मा व बबलू के अलावा पंकज के ड्राइवर शुभम पाल को गिरफ्तार किया था।

इस तरह पूरा रैकेट करता था काम

उड़ीसा में इमली प्रसंस्करण इकाई का 11.81 करोड़ रुपये का ठेका देने के एवज में बबलू बिचौलिओं के जरिये रिश्वत की किस्त की ये रकम पंकज को पहुंचा रहा था। एफआईआर में एक और बिचौलिया गोपाल मिश्रा भी नामजद है। जांच में सामने आया कि जो भी टेंडर निकलते थे, उसकी पूरी गोपनीय जानकारी पंकज, गोपाल को देता था।

गोपाल उन कंपनियों से संपर्क करता था, जो टेंडर के लिए इच्छुक होती थीं। जो कंपनी टेंडर की अपेक्षा 6-10 प्रतिशत रिश्वत देने को तैयार होती थी, उनसे वह डील फाइनल करता था। फिर उससे टेंडर संबंधी पूरी जानकारी साझा करता था। कंपनी उसी आधार पर टेंडर प्रक्रिया में शामिल होती थी। इससे उसको टेंडर मिल जाता था। इकाना इंटरप्राइज को मिले टेंडर में भी इसी तरह का खेल हुआ।

गोपाल के पास यूपी और दिल्ली की थी जिम्मेदारी

कई वर्षों से वापकोस के आरोपी अफसर रिश्वतखोरी का खेल करते आ रहे थे। अब तक करोड़ों रुपये की रिश्वत ले चुके हैं। खुद न फंसें इसलिए बिचौलियों के जरिये ही डील होती थी। जांच के मुताबिक गोपाल मिश्रा यूपी और दिल्ली की कंपनियों के ठेकेदारों से संपर्क करता था। इन दोनों प्रदेशों की जिम्मेदारी उसी के पास थी।

रिश्वत के होते थे तीन हिस्से

सीबीआई के केस में वापकोस के पंकज दुबे के अलावा भबद्युत्ती भूटिया व अभिषेक ठाकुर भी आरोपी हैं। रिश्वत की जो रकम मिलती थी, उसके बराबर के तीन हिस्से करते थे। हालांकि जांच में ये भी पता चला है कि कुछ मामलों में पंकज अधिक रकम लेता था। डील भी सबसे अधिक वही करता था, क्योंकि विभाग की अहम जिम्मेदारी उसी के पास थी। मामले में ईडी की भी इंट्री हो सकती है, क्योंकि बड़ी रकम का खेल ये गिरोह कर चुका है।

समीर ने राष्ट्रीय पैरा साइक्लिंग में जीते चार स्वर्ण पदक

कानपुर , एजेंसी। कानपुर। राष्ट्रीय रोड व ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप 19 से 20 फरवरी तक हैदराबाद में हुई। इसमें यूपी की ओर से खेलते हुए मुजफ्फरनगर के मखियाली निवासी पैरा साइक्लिस्ट समीर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। समीर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश की ओर से सर्वाधिक चार स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रदेश के पहले साइक्लिस्ट बन गए हैं। उत्तर प्रदेश साइक्लिंग एसोसिएशन के महासचिव आरके गुप्ता ने बताया कि समीर ने 18 किलोमीटर रोड इंडिविजुअल टाइम ट्रायल में 28 मिनट 37.717 सेकंड का समय लेते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। फिर एक किमी टाइम ट्रायल में उन्होंने एक मिनट 26.384 सेकंड और चार किलोमीटर टाइम ट्रायल में पांच मिनट 55.374 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक की हैट्रिक पूरी की। 200 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा में समीर ने 15.050 सेकेंड का समय लेकर चौथा स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

एक ही छत के नीचे मिला न्याय और योजनाओं की जानकारी

वाराणसी , एजेंसी। सांस्कृतिक संकुल चौकाघाट में रविवार वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर लगा। शिविर में न्यायिक जागरूकता के साथ विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर लाभार्थियों को प्रदान किया गया। शिविर में 36 ट्राईसाइकिल, 27 व्हीलचेयर, तान स्मार्ट केन, 14 कान की मशीन, 43 आईडी किट और 12 ब्रेल किट वितरित की गई।

अध्यक्षता करते हुए जिला जज संजीव शुक्ला ने कहा कि इस प्रकार के वृहद मेगा कैंप दुर्लभ होते हैं। यह शिविर विधिक जागरूकता और शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार का संगम है, जहां जनसामान्य को समेकित जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि गरीब एवं असहाय होना अपराध नहीं है और विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से सभी को न्याय सुलभ कराया जा रहा है। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने कहा कि एक्सेस टू जस्टिस जितनी जनमानस में सुलभ होगी, हमारे लोकतंत्र की जड़ें उतनी ही गहरी होंगी। इस अवसर पर शैलेश कुमार तिवारी (पीठासीन अधिकारी, वाणिज्यिक न्यायालय), चंद्र प्रकाश तिवारी (पीठासीन अधिकारी, मोटर दावा एवं दुर्घटना अधिकरण), देवकांत शुक्ला (अपर जनपद न्यायाधीशङ्कप्रथम), प्रवीण कुमार (सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) मौजूद रहे। संचालन आलोक कुमार, अपर जनपद न्यायाधीश ने किया।

भविष्य उज्जवल बनाने में अग्रणी श्री राम राधे पब्लिक स्कूल में पुरस्कृत हुए प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां आयोजित किए गए एक भव्य समारोह में नौबस्ता स्थित श्री राम राधे पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी एवं अंतर विद्यालय कला प्रतियोगिता 2025-26 के विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका मनोबल बढ़ाया गया। इस प्रतियोगिता में 50 विद्यालयों के लगभग 600 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और नवाचार की भावना को बढ़ावा देना था।

इस भव्य आयोजित किए गए कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे दक्षिण के एडीसीपी योगेश कुमार ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। इस मौके पर विद्यालय के छात्रों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इस आयोजन के दौरान मुख्य अतिथि एडीसीपी योगेश कुमार एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने छात्रों द्वारा बनाए गए मॉडलों की सराहना करते हुए विज्ञान को दैनिक जीवन से जोड़ने पर जोर दिया कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ रचनात्मक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देती हैं।

बच्चों के उज्जवल भविष्य का निर्माण करते हुए देश और समाज के हित में सार्थक शिक्षा प्रदान करने में अग्रणी नौबस्ता स्थित श्री राम राधे पब्लिक स्कूल में आयोजित इस प्रदर्शनी में कक्षा 1 से 9 तक के विद्यार्थियों ने 100 से अधिक मॉडल प्रस्तुत किए। जिसके प्रमुख आकर्षणों में – चंद्रयान-3, ऑर्गेनिक फार्मिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, स्मार्ट सिटी, 3D होलोग्राम आदि पर आधारित प्रोजेक्ट शामिल रहे। इसमें सर्वश्रेष्ठ विज्ञान मॉडल को पुरस्कार दिया गया।

इस अंतर विद्यालय कला प्रतियोगिता में छात्र / छात्राओं ने महाकुंभ का दृश्य, बनारस घाट, 2050 में भारत का दृश्य, दुनिया मेरे सपनों की इत्यादि विषयों पर अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से कैनवास पर उतारा। इस प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि एडीसीपी योगेश कुमार के द्वारा विजयी प्रतिभागियों को मेडल, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

इस मौके पर संबोधित करते हुए संस्था के प्रखर शिक्षाविद प्रधानाचार्य साकेत सिंह ने कहा कि यह आयोजन बच्चों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है, विज्ञान हमें तर्क देता है और कला हमें संवेदनशील बनाती है।

इस कार्यक्रम में विद्यालय के संरक्षक और हर किसी के सुख दुख में सदैव खड़े होने वाले व्यवहार कुशल समाज सेवी श्री राम प्रकाश मिश्रा, श्री ब्रह्म प्रकाश मिश्रा, निदेशक श्री आशीष मिश्रा के साथ ही श्रुति पाण्डेय, शिक्षिक प्रतिनिधि श्रीमती दिव्या त्रिवेदी, श्रीमती अनुराधा शुक्ला सहित समस्त शिक्षक, शिक्षिकायें और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

24 फरवरी से होलाष्टक, न करें कोई भी मांगलिक कार्य

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में होली की रौनक हर तरफ देखने को मिल रही है। लोग खरीदारी करने में जुटे हैं, लेकिन होली से ठीक आठ दिन पहले होलाष्टक लग जाता है। इस दौरान शुभ कार्य और खरीदारी वर्जित रहती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस बार होलाष्टक 24 फरवरी से शुरू हो रहा है, जो तीन मार्च को होलिका दहन तक रहेगा।

आचार्य डॉ. प्रदीप द्विवेदी रमण बताते हैं कि होलाष्टक की अवधि ग्रह-नक्षत्रों की उग्र स्थिति और पौराणिक घटनाओं की वजह से विशेष महत्व रखती है। यह होली से ठीक आठ दिन पहले शुरू होता है। इन दिनों को ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की अशुभ स्थिति वाला समय माना जाता है। चंद्रमा, सूर्य, शनि और राहु जैसे ग्रह उग्र रूप धारण करते हैं, जिससे निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है, इसलिए कोई भी नया या महत्वपूर्ण काम शुरू करने से बचना चाहिए।

ये कार्य करने से बचें

होलाष्टक के दौरान शुभ या मांगलिक कार्य से बचना चाहिए। ऐसा करने से कार्य में असफलता, विवाद या नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। भविष्य में बाधाएं आ सकती हैं, क्योंकि ये दिन परीक्षा और संयम के हैं। विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, नामकरण, मुंडन, नया व्यवसाय, वाहन या कीमती वस्तु खरीदना, ग्रह शांति जैसी पूजा करने से बचें।

इसलिए रुक जाते हैं मांगलिक कार्य

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इन आठ दिनों में ग्रहों का स्वभाव काफी उग्र रहता है। इन आठ दिनों तक असुर राज हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र और परम विष्णु भक्त प्रह्लाद को भीषण यातनाएं दी थीं। भक्ति की परीक्षा और कष्ट के इन दिनों के कारण इसे अशुभ माना जाता है।

नशे में धुत पोते ने संपत्ति के लालच में की थी दादी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर , एजेंसी। हत्या का मामला तब खुला जब दूसरे मकान में रहने वाली छोटी बहू उषा ने शव पर चोट के निशान देखे। उन्होंने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी भाग चुके थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और जांच शुरू की। साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर जयगोविंद को गिरफ्तार कर लिया गया।

थाना क्षेत्र के असवनपार इलाके के पूरे गांव में पूर्व प्रधान की मुटुर यादव की पत्नी सोनमति देवी (80) की हत्या उनके ही पोते ने संपत्ति के लालच में की थी। पुलिस ने मामले में रविवार को मृतका के पोते जय गोविंद को गिरफ्तार कर लिया। जय गोविंद, सोनमति देवी के बड़े बेटे का बेटा है। दोपहर बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पूर्व प्रधान की पत्नी सोनमति देवी अपने बड़े बेटे राममिलन के परिवार के साथ रहती थी। शुक्रवार रात वह छप्पर में चारपाई पर सोई थीं। पास ही उनकी मानसिक रूप से अस्वस्थ बेटी कुसुम भी सो रही थी। शनिवार सुबह सोनमति चारपाई के नीचे गिरी मिली और उनके शरीर पर चोट के निशान थे।

गांव के दूसरे मकान में रह रही छोटी बहू उषा ने पुलिस को हत्या की आशंका जाहिर करते हुए पुलिस को सूचना दे दी थी। देर शाम पुलिस ने छोटी बहू की तहरीर पर राममिलन व उसके परिवार पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरु की थी।

एसपी दक्षिणी दिनेश कुमार पुरी ने बताया कि जयगोविंद के मन में अपनी दादी सोनमति देवी के प्रति लंबे समय से नाराजगी थी। उसका मानना था कि चूंकि उसके पिता का परिवार ही दादी की देखभाल और दवा-इलाज का खर्च उठा रहा है, इसलिए संपत्ति में उसके चाचा का कोई हिस्सा नहीं होना चाहिए।

बाबा की मौत के बाद जमीन के सरकारी दस्तावेजों में दादी का नाम दर्ज था। आरोपी लगातार दबाव बना रहा था कि दादी के नाम दर्ज जमीन उसे वरासत कर दी जाए। इसी बात को लेकर घर में कई बार विवाद भी हुआ था। पूछताछ में जयगोविंद ने बताया कि शुक्रवार रात वह शराब के नशे में घर पहुंचा था।

जमीन के हस्तांतरण के लिए दादी से उसकी कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर नशे में धुत आरोपी ने अपनी बुजुर्ग दादी पर लात-घूंसों से हमला कर दिया। हमले में गंभीर चोट लगने से सोनमति देवी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिवार के कुछ लोगों ने मामले को दबाने की कोशिश की और अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगे थे।

मामला तब खुला जब दूसरे मकान में रहने वाली छोटी बहू उषा ने शव पर चोट के निशान देखे। उन्होंने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी भाग चुके थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और जांच शुरू की।

जयंत को साथ रख किसानों को साधने की रणनीति, मंच से दिखी राजनीतिक केमिस्ट्री

मेरठ, एजेंसी। पश्चिम उत्तर प्रदेश के किसान मतदाताओं को साधने का सियासी संदेश दिखाई दिया। पीएम मोदी ने राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को साथ रखकर किसानों को साधने की कोशिश की। मेरठ की जनसभा ने साफ कर दिया कि पश्चिम उत्तर प्रदेश की राजनीति में किसान व जाट समीकरण अब भी निर्णायक भूमिका में हैं।

मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें भारत रत्न देने का सौभाग्य मिला है। प्रधानमंत्री के बयान और मंचीय संकेत ने पश्चिम उत्तर प्रदेश की सियासत में चर्चा का विषय बन गई।

2027 के विधानसभा चुनाव में रालोद मुखिया जयंत चौधरी का क्या रूख रहेगा, इस पर कुछ कहना जल्दबाजी होगा। लेकिन मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि चौधराहट की तवज्जो बरकरार है और रहेगी। जनसभा में रालोद कार्यकर्ताओं, किसानों और जाट नेताओं में उत्साह भी देखने को मिला। चौधरी चरण सिंह का नाम लेते ही सभा स्थल मोदी के नारों से गूंज उठा।

मंच से दिखी राजनीतिक केमिस्ट्री : रैपिड मेट्रो के शुभारंभ के दौरान प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ जयंत चौधरी को प्रमुखता से अपने पास रखा। जनसभा में भी मोदी-योगी के ठीक बगल वाली कुर्सी जयंत चौधरी को दी गई, जिसे राजनीतिक जानकार विशेष संकेत के रूप में देख रहे हैं।

मंच पर मौजूद सांसद अरुण गोविल, राज्यसभा सदस्य, विधायक और एमएलसी का नाम प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में नहीं लिया। जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी का उल्लेख विशेष रूप से किया।

चौधरी जयंत को नहीं मिला बोलने का मौका : समारोह में चौधरी जयंत सिंह ने पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी के साथ मंच साझा किया। हालांकि उन्हें बोलने का मौका नहीं मिला। इससे रालोद समर्थक मायूस रहे।

किसानों को दिया संदेश : मेरठ-हापुड़ क्षेत्र के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने चौधरी चरण सिंह को किसान हितैषी नेता बताया। उन्होंने कहा कि देश के किसानों के लिए उनके योगदान को सम्मान देते हुए भारत रत्न दिया गया। कहा जा रहा है कि पश्चिम उत्तर प्रदेश में जाट, किसान मतदाताओं को साधने के लिए मोदी का यह रणनीतिक संदेश था।

पश्चिम यूपी की सियासत में हलचल : मेरठ की जनसभा ने साफ कर दिया कि पश्चिम उत्तर प्रदेश की राजनीति में किसान व जाट समीकरण अब भी निर्णायक भूमिका में हैं। प्रधानमंत्री द्वारा जयंत चौधरी को मंच पर तवज्जो और चौधरी चरण सिंह का बार-बार उल्लेख इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान जैसे ही चौधरी चरण सिंह का नाम आया, रालोद कार्यकर्ताओं और जाट नेताओं ने जोरदार नारेबाजी की। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद किसानों ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

रालोद नेताओं ने किया प्रधानमंत्री का स्वागत : बागपत सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, बिजनौर सांसद चंदन चौहान, क्षेत्रीय अध्यक्ष रालोद तरसपाल मलिक, रालोद जिला अध्यक्ष मेरठ एडवोकेट अनिकेत भारद्वाज, वरिष्ठ रालोद नेता सुनील रोहटा, गौरव जिटोली आदि ने हैलीपैड पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। सुनील रोहटा ने कहा कि यह परियोजना न केवल कनेक्टिविटी बढ़ाएगी, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की प्रगति में मील का पत्थर साबित होगी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी यौन अपराधी का विमान जर्जर हालत में, नाबालिग लड़कियों को ले जाता था

नई दिल्ली। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का निजी विमान 'लोलिता एक्सप्रेस' अब दक्षिणी अमेरिका के एक एयरक्राफ्ट यार्ड में जर्जर हालत में खड़ा है। करीब छह दशक पुराना यह बोइंग 727 अब दोबारा कभी उड़ान नहीं भरेगा। करीब 60 साल पुराना और 133 फीट लंबा लोलिता एक्सप्रेस कभी महंगी साज-सज्जा और निजी केबिन के लिए जाना जाता था। अब इसकी बाहरी सतह पर जंग और गंदगी की परत जमी है। इंजन वर्षों पहले हटा दिए गए, जिससे यह स्थायी रूप से जमीन पर खड़ा है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, इस विमान का इस्तेमाल नाबालिग लड़कियों को न्यूयॉर्क और फ्लोरिडा ले जाने में किया गया। पीड़ितों ने बयान दिए कि उड़ानों के दौरान भी शोषण हुआ। एक सर्वाइवर वर्जीनिया जिउफ्रे ने भी दावा किया था कि उनके साथ विमान में यौन उत्पीड़न हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान के भीतर अब भी फ्लाइट मैनुअल, फाइलें, नैपकिन और प्लेसमैट रखे हैं, जिन पर नंबर छपा है। बाथरूम कैबिनेट में टॉयलेट्री आइटम और निजी सामान पड़े हैं। मुख्य सोने वाले हिस्से में अब भी गद्दा मौजूद है, जिसके ऊपर इमरजेंसी ऑक्सीजन मास्क लटके हैं। लाल रंग के अपहोल्स्ट्री वाले सीटिंग लाउंज अब धूल से ढंके हैं। रिकॉर्ड के अनुसार, 2001 में एपस्टीन से जुड़ी एक कंपनी ने यह विमान खरीदा था। 2019 में संघीय सेक्स-ट्रैफिकिंग आरोपों में उसकी गिरफ्तारी से ठीक पहले मालिकाना हक बदला गया। इसके बाद यह कई एविएशन कंपनियों के जरिए ट्रांसफर हुआ। हालांकि पहले इसे स्क्रैप करने की योजना थी, लेकिन अब तक इसे पूरी तरह तोड़ा नहीं गया है। विमान को 'लोलिता एक्सप्रेस' उपनाम इसलिए दिया गया क्योंकि आरोप थे कि इसमें नाबालिग लड़कियों की तस्करी हुई। यह नाम 1955 के अडल्ट नॉवेल 'लोलिता' से लिया गया है, जिसमें एक पुरुष की 12 साल की लड़की के प्रति आसक्ति की कहानी है।

ट्रम्प के रिजॉर्ट में घुस रहे युवक को गोली मारी, मौत, गन और फ्यूल केन लेकर अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मार-ए-लागो रिजॉर्ट में घुसने की कोशिश करने वाले एक युवक को सुरक्षाकर्मियों ने गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। घटना स्थानीय समयानुसार रविवार आधी रात 1:30 बजे हुई। राष्ट्रपति की सुरक्षा करने वाली एजेंसी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि युवक गैरकानूनी तरीके से सुरक्षित इलाके में घुसने की कोशिश कर रहा था। वह अपने साथ शॉटगन और फ्यूल केन लेकर आया था। मारे गए युवक की उम्र 20 साल थी, वह नॉर्थ कैरोलीना का रहने वाला था। फिलहाल उसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। मामले की जांच जारी है। घटना के वक्त राष्ट्रपति ट्रम्प वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस में मौजूद थे।

आमतौर पर वह वीकेंड पर मार-ए-लागो में समय बिताते हैं। सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि रिजॉर्ट के नॉर्थ गेट से एक कार के बाहर निकल रही थी, इसी दौरान युवक ने अंदर घुसने की कोशिश की। उसके पास शॉटगन और फ्यूल केन थी। सीक्रेट सर्विस के दो एजेंट्स ने उसे रोका और उससे हथियार और केन गिराने को कहा गया। युवक ने केन तो रख दिया, लेकिन शॉटगन को गोली चलाने की पोजिशन में उठा लिया। इसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने गोली चलाई और वह मारा गया। जांच में पता चला कि उसके परिवार ने कुछ दिन पहले उसे लापता होने की रिपोर्ट की थी। वह नॉर्थ कैरोलीना से साउथ की ओर आया था और रास्ते में शॉटगन खरीदा। उसकी कार में गन का डिब्बा मिला है। ट्रम्प की सुरक्षा में पहले भी चूक हो चुकी है। 13 जुलाई 2024 में ट्रम्प को एक रैली के दौरान एक हमलावर ने गोली मार दी थी। उस वक्त वे राष्ट्रपति नहीं थे। उन पर यह हमला राष्ट्रपति चुनाव से ठीक 4 महीने पहले हुआ था। 20 साल के हमलावर ने 400 फीट की दूरी से ट्रम्प पर असॉल्ट राइफल से गोली चलाई थी। यह गोली उनके कान को छूते हुए गुजरी थी। इसके बाद ट्रम्प की सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावर को तुरंत ढेर कर दिया था।

दावा- तेजस एयरक्राफ्ट क्रैश नहीं हुआ, मामूली खराबी थी, पहले खबर थी कि फाइटर जेट का ब्रेक फेल हुआ

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने सोमवार को इंडियन एयर फोर्स (IAF) के फाइटर जेट तेजस के क्रैश की खबरों को गलत बताया है। HAL ने कहा है कि ग्राउंड पर एयरक्राफ्ट में मामूली तकनीकी गड़बड़ी हुई थी। हवा में ऐसा कोई हादसा नहीं हुआ है। HAL ने बताया कि वह एयरफोर्स के साथ मिलकर तकनीकी गड़बड़ी की जांच कर रही है और उसे जल्द ठीक करेगी। कंपनी ने यह भी दावा किया कि तेजस का सेफ्टी रिकॉर्ड दुनिया के आधुनिक फाइटर जेट्स में सबसे बेहतर में से एक है। न्यूज एजेंसी PTI ने रविवार देर रात सूत्रों के हवाले से दावा किया था कि 7 फरवरी को लैंडिंग के दौरान तेजस का ब्रेक फेल हो गया था। इसके कारण एयरक्राफ्ट रनवे से आगे निकल गया। हादसे से पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया लेकिन विमान को नुकसान पहुंचा है। PTI के मुताबिक, तेजस ट्रेनिंग उड़ान के बाद एयरबेस पर लौट रहा था। हालांकि, हादसा किस एयरबेस पर हुआ, PTI ने इसकी जानकारी नहीं दी। तेजस को HAL ने डेवलप किया है। यह सिंगल इंजन वाला हल्का लड़ाकू विमान है। सूत्रों ने दावा किया कि घटना के बाद एयरफोर्स नेतेजस जेट के पूरे बेड़े को टेक्निकल जांच के लिए ग्राउंड कर दिया। यानी जांच पूरी होने तक विमान उड़ान नहीं भरेंगे। हादसे पर IAF की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। दावे के मुताबिक, तेजस जेट से जुड़ा यह तीसरा हादसा है। पहला हादसा मार्च 2024 में हुआ था, जब जैसलमेर के पास एक तेजस जेट क्रैश हो गया था। दूसरा हादसा नवंबर 2025 में हुआ था जब दुबई एयरशो में एरियल डिस्प्ले के दौरान एक तेजस जेट क्रैश हो गया था।

एक्टर विजय बोले- सीएम स्टालिन के असली दोस्त रिश्वत-भ्रष्टाचार

वेल्लोर। एक्टिंग से राजनीति में आए विजय ने सोमवार को वेल्लोर में एक पब्लिक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने CM स्टालिन पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके असली दोस्त रिश्वत-भ्रष्टाचार हैं। TVK चीफ ने कहा कि आने वाले इलेक्शन राज्य के लोगों के लिए करप्शन के खिलाफ लड़ाई होंगे। विजय ने CM को चुनौती दी कि अगर उनमें दम है तो वे चुनाव से पहले अपनी संपत्ति का खुलासा करें। यह 50 साल में एक बार होने वाले इलेक्शन जैसा है। इस इलेक्शन में, सभी लोग विजय का विरोध करने के लिए एक साथ आए हैं। अगर आप मेरा अपमान करते हैं, तो यह लोगों का अपमान करने जैसा है। विजय और तमिलनाडु के लोग खून और मांस से जुड़े हुए हैं। लड़ाई TVK और DMK के बीच है। आज, एक नकली मॉडल सरकार है। तमिलनाडु में अभी एक स्टैंड-अप कॉमेडी वाली राज्य सरकार राज कर रही है। तमिलनाडु में अगले 6 महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। मुकाबला DMK के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (SPA) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस के बीच होगा। SPA में कांग्रेस, DMDK जैसी पार्टियां शामिल हैं, और MMK और MDMK के साथ इसकी गठबंधन की बातचीत चल रही है। दूसरी तरफ, AIADMK के अलावा, भारतीय जनता पार्टी (BJP) NDA ब्लॉक में लीडिंग पोजीशन पर है, जिसमें पट्टाली मक्कल काची (PMK) और कई दूसरी पार्टियां अलायंस का हिस्सा हैं। विजय, जिन्होंने चुनाव से पहले अपने एक्टिंग करियर से रिटायरमेंट ले लिया था, अपनी पॉलिटिकल पार्टी TVK के साथ पॉलिटिकल फील्ड में डेब्यू कर रहे हैं।

नेपाल- बस हाईवे से नदी में गिरी, 18 की मौत, 25 घायल

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल के धादिंग जिले में सोमवार देर रात एक बस हाईवे से नदी में गिर गई। नेपाली मीडिया के मुताबिक हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला विदेशी नागरिक शामिल हैं। हालांकि, यह किस देश से थे और इनके नाम अभी सामने नहीं आए हैं। आर्म्ड पुलिस फोर्स (APF) के मुताबिक, अब तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं। बाद में एक अन्य यात्री की मौत की पुष्टि हुई, जिससे मृतकों का आंकड़ा 18 हो गया। हादसे में घायल लोगों को रेस्क्यू कर अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अब तक मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है। बस (Ga 1 Kha 1421) पोखरा से काठमांडू की ओर जा रही थी, तभी किसी कारण ड्राइवर का बस से नियंत्रण खो गया और बस त्रिशूली नदी में जा गिरी। हादसा देर रात करीब रात 1:30 बजे धादिंग जिले के बेनिघाट रोरांग इलाके में हुआ। फिलहाल पुलिस हादसे की अन्य वजहों की भी जांच कर रही है। मरने वालों में 12 पुरुषों और 6 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय बस में कुल 44 यात्री

सवार थे। घायल 26 यात्रियों को बचा लिया गया है। कुछ का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है, जबकि अधिकांश को आगे के इलाज के लिए काठमांडू रैफर कर दिया गया है। यह दुर्घटना आधी रात को होने के कारण बचाव अभियान में परेशानी हुई। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों के कर्मियों ने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर बचाव कार्य किया। इससे पहले नेपाल के बैतड़ी जिले में 5 फरवरी को बारातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर करीब 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी थी। हादसे में 13 बारातियों की मौत हो गई, जबकि 34 लोग घायल हो गए थे। बस गांव से दुल्हन लेकर सुनकुड़ा जा रही थी। बस एक मोड़ पर चढ़ाई के दौरान अनियंत्रित हो गई और गहरी खाई में गिर गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि हादसा ओवरलोडिंग के कारण हुआ था। वहीं, साल 2024 में लैंडस्लाइड की वजह से दो बसें त्रिशूली नदी में बह गईं थीं। दोनों बसों में चालकों समेत 63 लोग सवार थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे में 7 भारतीयों और एक बस चालक की मौत हुई। त्रिशूली नदी नका नाम भगवान शिव के त्रिशूल से आया है। इसके पीछे एक प्रचलित कथा है कि गोसाइकुंडा (एक पवित्र जगह) में शिव जी ने अपना त्रिशूल जमीन में गाड़ा, जिससे तीन झरने निकले और ये नदी बनी। ये तिब्बत (चीन) के ग्यिरोंग काउंटी में शुरू होती है। वहाँ दो नदियाँ - क्यिरोंग त्सांगपो और लेंदे खोला से मिलकर त्रिशूली बनाती हैं। नेपाल में ये रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, चितवन जैसे जिलों से गुजरती है। पृथ्वी हाईवे के साथ-साथ बहती है, जो काठमांडू और पोखरा को जोड़ता है।

♦ मरने वालों में 2 विदेशी नागरिक, कंट्रोल खोने से हादसा

दिल्ली विधानसभा-सचिवालय को बम ब्लास्ट की धमकी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा भवन, दिल्ली सचिवालय और लाल किले को बम ब्लास्ट में उड़ाने की धमकी दी गई है। सोमवार को खालिस्तानी ग्रुप का धमकी वाला ईमेल भेजा गया। जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हुईं, विधानसभा भवन की सर्चिंग की गई। बम स्क्वाड और डॉग स्क्वॉड सर्च में जुटीं लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। वहीं, लाल किला की भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। इससे पहले दिल्ली स्थित धौला कुआं के आर्मी पब्लिक स्कूल और लोधी रोड के एयरफोर्स बाल भारती स्कूल को ईमेल के जरिए धमकी दी गई थी। जानकारी मिलने पर दिल्ली पुलिस, बम स्क्वाड, डॉग स्क्वॉड और दिल्ली फायर सर्विस की टीमें स्कूल पहुंची थी। पूरा कैंपस खाली कराया गया। जांच में कुछ भी नहीं मिला था।

ईमेल में लिखा था- दिल्ली बनेगा खालिस्तान: पुलिस अधिकारी ने बताया कि ईमेल में दिल्ली बनेगा खालिस्तान की धमकी दी गई थी। लिखा था कि अगले 3 दिनों के भीतर आर्मी स्कूल, लाल किला और मेट्रो स्टेशनों पर विस्फोट हो सकते हैं। ईमेल में विधानसभा, आर्मी स्कूल और लाल किले के लिए अलग-अलग समय भी लिखा था। धमकी के बाद दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (DMRC) के सभी स्टेशनों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। मेट्रो स्टेशनों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर एंटी-सैबोटाज जांच, रैंडम चेकिंग और यात्रियों की तलाशी की जा रही है। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की टीमों को लाल किला, दिल्ली सचिवालय और विधानसभा परिसर सहित कई संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया है। इसके अलावा, सीसीटीवी निगरानी बढ़ा दी गई है और सुरक्षा एजेंसियों के बीच बैठकें भी की गई हैं।

❐ खालिस्तानी ग्रुप ने ईमेल में लिखा- दिल्ली बनेगा खालिस्तान आर्मी-एयरफोर्स स्कूल को थ्रेट मिली

एआई समिट हंगामा, 5वां आरोपी एमपी से गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन मामले में दिल्ली पुलिस ने 5वीं गिरफ्तारी की है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से यूथ कांग्रेस नेता जीतेंद्र यादव को गिरफ्तार किया। इसके अलावा 2 और सदस्यों को हिरासत में लिया है। सोमवार को पुलिस ने इंडियन यूथ कांग्रेस के दिल्ली अध्यक्ष उदय भानु चिब से भी पूछताछ की है। ग्वालियर से हिरासत में लिए गए दो लोगों ने राजा गुर्जर और अजय कुमार के नाम शामिल हैं। आरोप है कि ये सभी शर्टलैस प्रदर्शन में शामिल थे। वीडियो के जरिए इनकी पहचान की गई है।

दिल्ली की तिलक नगर थाना ने यह एक्शन लिया है। सभी को दिल्ली लाया गया है। इस मामले में पुलिस गैर जमानती धाराओं में FIR दर्ज की

है। 21 फरवरी को पटियाला कोर्ट ने पहले से गिरफ्तार 4 आरोपियों को 5 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा था। दरअसल, 20 फरवरी को इंडियन यूथ कांग्रेस के 11 सदस्यों ने भारत मंडपम में घुसकर AI समिट के दौरान शर्टलैस होकर PM मोदी की फोटो वाली टी-शर्ट लहराई थी। इस दौरान पीएम मोदी कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए थे।

दिल्ली पुलिस ने आरोपी और यूथ कांग्रेस के नेता कृष्ण हरि की गाड़ी बरामद की। कार से पीएम मोदी चेहरा छपी टी-शर्ट और पोस्टर भी मिले हैं। कांग्रेस के AI समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा ने पूरे देश में विरोध किया था।

तारिक रहमान के पीएम बनते ही सेना में फेरबदल

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश का प्रधानमंत्री बनने के कुछ दिन बाद ही तारिक रहमान ने सेना में बड़े पैमाने पर फेरबदल किया गया है। रविवार को जारी आदेशों में ऑपरेशनल और इंटेलिजेंस पदों पर नई नियुक्तियां की गईं। भारत में तैनात रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल एमडी हाफिजुर रहमान को मेजर जनरल पद पर प्रमोट किया गया है। उन्हें वापस बुलाकर 55वीं इन्फैंट्री डिविजन का जनरल ऑफिसर कमांडिंग (GOC) नियुक्त किया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद मैनूर रहमान को सेना का चीफ ऑफ जनरल स्टाफ (CGS) बनाया गया है। वे इससे पहले आर्मी ट्रेनिंग एंड डॉक्ट्रिन कमांड के प्रमुख थे। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल मिजानुर रहमान शमीम की जगह ली है, जिन्हें रिटायरमेंट लीव पर भेज दिया गया था।

आर्म्ड फोर्सेस डिवीजन और फील्ड कमांड में बदलाव: मेजर जनरल कैसर राशिद चौधरी को डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फोर्सेस इंटेलिजेंस (DGFI) का डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। वे आर्मी मुख्यालय में ब्रिगेडियर जनरल के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने मेजर जनरल मोहम्मद जहांगीर आलम की जगह ली है, जिन्हें फिलहाल विदेश मंत्रालय में राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल मीर मुशफिकुर रहमान को सशस्त्र बल डिविजन का प्रिंसिपल स्टाफ

ऑफिसर (PSO) बनाया गया है। वे इससे पहले चटगांव स्थित 24वीं इन्फैंट्री डिविजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (GOC) थे। मौजूदा PSO लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कामरुल हसन को विदेश मंत्रालय में राजदूत के पद पर ट्रांसफर कर दिया गया है। मेजर जनरल जेएम एमदादुल इस्लाम को ईस्ट बंगाल रेजिमेंटल सेंटर का कमांडेंट नियुक्त किया गया है। वहीं मेजर जनरल फिरदोस हसन सलीम को 24वीं इन्फैंट्री डिविजन का GOC बनाया गया है। ये बड़ा फेरबदल तारिक रहमान की नई BNP सरकार के लिए सेना पर अपनी मजबूत पकड़ बनाने का पहला बड़ा कदम माना जा रहा है। फरवरी 2024 में छात्र आंदोलन से शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार बनी थी, जिसने सेना के कई शीर्ष पदों पर अपने करीबी या पुरानी व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों को तैनात किया था। अब 12 फरवरी 2026 के चुनाव में BNP की भारी जीत के बाद तारिक रहमान 17 फरवरी को प्रधानमंत्री बने, तो

❐ भारत से रक्षा सलाहकार को वापस बुलाकर प्रमोशन दिया, चीफ ऑफ जनरल स्टाफ भी बदला

नई सरकार ने जल्दी से इन पदों पर बदलाव किए। इसके पीछे मुख्य वजह यह माना जा रहा है कि पुराने अधिकारियों (जो यूनुस सरकार या हसीना काल से जुड़े थे) को हटाकर BNP के करीबी या नई सरकार के प्रति वफादार अधिकारियों को महत्वपूर्ण कमांड और खुफिया पद दे रही है, ताकि सेना नई सरकार के खिलाफ कोई असंतुलन पैदा न करे और सेना मजबूत हो सके।

इस फेरबदल से क्या फायदा: सरकार मजबूत होगी- सेना के बड़े पदों पर नए अधिकारियों की नियुक्ति से नई सरकार को सेना का साफ समर्थन मिलेगा। इससे सरकार के खिलाफ बगावत या अस्थिरता की संभावना कम हो सकती है, खासकर जब हाल में देश में राजनीतिक तनाव रहा है। पुरानी व्यवस्था के प्रभाव कम होंगे- जो अधिकारी पिछली सरकारों जैसे मोहम्मद यूनुस या शेख हसीना के करीब माने जाते थे, उन्हें हटाया या दूसरे पदों पर भेजा जा रहा है। इससे नई सरकार के विरोधी माने जाने वाले लोगों का प्रभाव कम होगा। भारत से संबंधों पर असर- भारत में तैनात रक्षा सलाहकार को वापस बुलाकर नई जिम्मेदारी दी गई है।

मेक्सिको में सेना ने सबसे बड़े ड्रग माफिया को मारा, ट्रम्प के दबाव के बाद एक्शन, देशभर में हिंसा शुरू

एजेंसी, मेक्सिको सिटी

मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। इसके बाद देशभर में आगजनी और हिंसा शुरू हो गई है। मेंचो के समर्थकों ने बदला लेने के लिए हाईवे को जाम कर दिया है और गाड़ियों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। तलपला शहर में सेना के ऑपरेशन के दौरान वह घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा कम से कम और 9 अपराधी भी मारे गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (CJNG) का लीडर था। जलिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने

समर्थकों ने एयरपोर्ट-मॉल में आग लगाई

और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है। इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प काफी समय से मेक्सिको पर एल मेंचो पर एक्शन लेने का दबाव बना रहे थे।

पहले भी ऐसी हिंसक घटनाएं हुईं: मेक्सिको में पहले भी जब किसी बड़े कार्टेल नेता को पकड़ा गया या मारा गया है, तब सरकार और कार्टेल के बीच हिंसक टकराव हुआ है। कई बार गिरोह के अंदर ही सत्ता की लड़ाई छिड़ जाती है, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि एल मेंचो की मौत से पहले 2016 में सिनाओला कार्टेल के सरगना एल चापो की गिरफ्तारी और 2024 में अल मायो की गिरफ्तारी के वक्त भी देश में ऐसा ही हुआ था। 2019 में जब अल चापो के बेटे ओविदियो गुजमान को पकड़ा गया था, तब उसके गुर्गों ने कुलियाकान शहर को घंटों तक बंधक बना लिया था और सरकार को उसे छोड़ना पड़ा था। इसलिए अब भी डर है कि हालात और बिगड़ सकते हैं। अब यह इस बात पर निर्भर करेगा कि जालिस्को कार्टेल के पास नया नेता साफ तौर पर तय है या नहीं। अगर अंदरूनी लड़ाई शुरू हुई तो खून-खराबा और बढ़ सकता है।

एमपी समेत 10 राज्यों में बारिश का अलर्ट

राजस्थान-झारखंड के 3 जिलों में पारा 34° पार

एजेंसी, नई दिल्ली/देहरादून/भोपाल/जयपुर/लखनऊ

देश में फरवरी के आखिरी हफ्ते में 3 तरह का मौसम चल रहा है। उत्तर भारत में बर्फबारी और कोहरे का असर है। मैदानी राज्यों में दिन का टेम्परेचर 34°C से ज्यादा पहुंच चुका है।

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने लो प्रेशर एरिया के कारण आज मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत पूर्व-पश्चिम भारत के 10 राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट है। मध्य प्रदेश में फरवरी में चौथी बार बारिश की संभावना है। आज भी 8 जिलों में बारिश की अलर्ट है। फरवरी के शुरुआत में ही प्रदेश में दो बार ओले, बारिश और आंधी का

दौर रह चुका है।

इधर, राजस्थान के बाड़मेर, झारखंड के सरायकेला-चाईबासा में फरवरी में ही पारा 34°C से ज्यादा रहा। नॉर्थ ईस्ट में सिक्किम में रविवार को बर्फबारी हुई। राज्य के शेरेथांग इलाके में जवाहरलाल नेहरू रोड पर सिप्सू और 16th माइल के बीच त्सांगू के पास करीब 350 टूरिस्ट गाड़ियां फंस गईं। इनमें 46 टूरिस्ट बच्चे भी शामिल हैं। सभी को कुछ समय के लिए 17th माइल पर आर्मी ट्रांजिट कैंप भेजा गया।

किश्तवाड़ में टेरर नेटवर्क का खात्मा, सेना बोली- 326 दिन तक ऑपरेशन चलाया

7 आतंकी मारे, इनमें जैश कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल

एजेंसी, श्रीनगर

भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने X पर 7 आतंकियों की फोटो पोस्ट की और लिखा है कि 326 दिन के बाद किश्तवाड़ से आतंक के नेटवर्क का खात्मा कर दिया गया है। पोस्ट में कहा गया है कि इन आतंकियों में जैश का कमांडर सैफुल्लाह भी मारा गया है। सैफुल्लाह किश्तवाड़ में आतंक का सरगना था। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि किश्तवाड़ में उनके अलावा जम्मू कश्मीर पुलिस और CRPF समेत सेना की इंटेलीजेंस एजेंसी भी शामिल रहीं। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें 3 आतंकी मारे गए थे। इससे पहले 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था।

उधमपुर में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया था।

सिक्योरिटी एजेंसियों के शुरुआती अंदाजों से पता चलता है कि रविवार को मारे गए तीन आतंकवादियों में से एक सैफुल्लाह था, जो खुद को जैश ए मोहम्मद का कमांडर बताता था। कहा जाता है कि सैफुल्लाह ने लगभग पांच साल पहले जम्मू और कश्मीर में घुसपैठ की थी। वह सिक्योरिटी फोर्सेस पर कई जानलेवा हमलों का मास्टरमाइंड था, जिसमें जुलाई 2024 का हमला भी शामिल है, जिसमें चार सैनिक मारे गए थे।

दिल्ली हाईकोर्ट बोला- बेरोजगार पत्नी आलसी नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने पति-पत्नी के बीच गुजारा भत्ता से जुड़े एक मामले पर कहा कि बेरोजगार पत्नी आलसी नहीं होती। घर संभालना, बच्चों की देखभाल और परिवार की मदद करना भी काम है, भले ही वह बैंक खाते में नजर न आए। ऐसे में गुजारा भत्ता तय करते समय पत्नी के योगदान को नजरअंदाज करना गलत है। जस्टिस स्वर्णा कांत शर्मा ने 16 फरवरी को दिए इस फैसले में कहा कि घरेलू काम का भी आर्थिक महत्व होता है और इसे नजरअंदाज करना नाइंसाफी है। हाईकोर्ट ने कहा कि एक गृहिणी खाली नहीं बैठती, वह ऐसा काम करती है जिससे कमाने वाला पति सही तरीके से काम कर पाता है। कोर्ट ने कहा कि भारतीय समाज में अक्सर शादी के बाद महिला से नौकरी छोड़ने की उम्मीद की जाती है, लेकिन बाद में उसी बात को लेकर पति भत्ता देने से बचते हैं। ऐसी दलील को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता।

क्या है मामला: मामला 2012 में हुई शादी से जुड़ा है। पत्नी का आरोप है कि 2020 में पति ने उसे और नाबालिग बेटे को छोड़ दिया। पत्नी ने घरेलू हिंसा कानून के तहत अंतरिम मेंटेनेंस की

मांग की। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने यह कहते हुए राहत देने से इनकार कर दिया था कि पत्नी शिक्षित और सक्षम है, लेकिन उसने नौकरी नहीं की। अपीलीय अदालत ने भी कोई राहत नहीं दी। हाईकोर्ट में पति ने दलील दी कि वह बेटे की पढ़ाई का खर्च उठा रहा है और पत्नी खाली बैठकर मेंटेनेंस नहीं मांग सकती। इसपर हाईकोर्ट ने कहा कि कमाने की क्षमता और वास्तविक कमाई दो अलग बातें हैं। केवल इस आधार पर पत्नी को मेंटेनेंस से वंचित नहीं किया जा सकता कि वह कमाने में सक्षम है।

पत्नी को 50 हजार मेंटेनेंस का आदेश: हाईकोर्ट ने कहा कि जो महिलाएं काम करना चाहती हैं, उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए, लेकिन सिर्फ इस

❐ उसके काम को नजरअंदाज करना नाइंसाफी, गृहिणी का योगदान पति को ठीक से काम करने लायक बनाता है

आधार पर भत्ता रोकना कि वह कमाने लायक है, गलत सोच है। कानून को यह देखना होगा कि जिसने सालों परिवार के लिए मेहनत की, वह आर्थिक रूप से असहाय न रह जाए। कोर्ट ने माना कि शादी या परिवार के कारण करियर छोड़ने वाली महिला बाद में उसी स्तर और सैलरी पर नौकरी शुरू नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड में महिला की कोई कमाई साबित नहीं हुई, इसलिए उसे घरेलू हिंसा कानून के तहत 50,000 रुपये देने का आदेश दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि गुजारा भत्ता के मामले अक्सर बहुत ज्यादा विवादित और टकराव वाले बन जाते हैं। कोर्ट ने सुझाव दिया कि ऐसे मामलों में लंबी लड़ाई की बजाय आपसी बातचीत और सुलह का रास्ता बेहतर होता है। कोर्ट ने कहा कि मुकदमेबाजी में अक्सर पत्नी खर्च बढ़ाकर बताती है और पति अपनी कमाई कम बताता है, जिससे सुलह मुश्किल हो जाती है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार पर निराश जताई, बोले अगले मैचों से वापसी करेंगे

एजेंसी, अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में मिली हार पर निशाना जताते हुए कहा कि उनकी टीम अगले मैच के साथ ही अच्छी वापसी करेगी। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसके आगे के सफर पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब भारतीय टीम को अपने बचे हुए दोनो ही सुपर-8 बैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। हार के बाद सूर्यकुमार ने प्रशंसकों को टूर्नामेंट में वापसी का भरोसा दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'जब हमने मैच शुरू किया तब से ही हमे उसमें बने हुए थे। हमने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की पर बीच के ओवरों में विरोधी टीम ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी स्थित सुधार ली। उसके बाद भी हमारे गेंदबाजों ने विरोधी टीम को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। उसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए हम अच्छी शुरुआत नहीं कर पाये। साथ ही कहा कि आप पावरप्ले में गेम नहीं जीत सकते पर अपनी गलतियों से हार सकते हैं और यही इस मैच में हुआ। हमने पावरप्ले में कई विकेट खोए और उसके बाद हम छोटी-छोटी साझेदारी भी नहीं बना पाए हालांकि ये सब सब कुछ खेल का हिस्सा होता है। हम इससे सबक लेते हुए अगले मैच में गलतियों से बचेंगे। हमारा लक्ष्य बचे हुए दोनो ही मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा।' इस मैच मे दक्षिण अफ्रीका से मिले 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन ही बना पायी। भारत की ओर से शीर्ष क्रम असफल् रहा केवल शिवम दुबे ही 42 रन बना पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज 20 रनों से अधिक नहीं बना पाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की तरफ से डेविड मिलर और डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाये। इन दोनो के बीच 97 रनों की साझेदारी से दक्षिण् अफ्रीका एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। ने 20 रन पर तीन विकेट सूर्यकुमार ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की अच्छी गेंदबाजी की सराहतना की। उन्होंने कहा,हर कोई जानता है कि इन दोनो की गेंदबाजी कितनी घातक रही है। दोनों ने आठ ओवर गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए और केवल 45 से 50 रन दिए। बुमराह ने 15 रन पर देकर तीन विकेट जबकि अर्शदीप सिंह ने 28 रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन पहले ही ओवर में शून्य पर आउट हो गए। दूसरे ओवर में तिलक वर्मा भी पेवेलियन लौट गये। अभिषेक शर्मा इस मैच में खाता तो खोल पाए पर अधिक नहीं टिक पाये। इसके बाद बाकि बल्लेबाज भी एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। इस मैच में जीत से दक्षिण अफ्रीका को 2 अंक मिले हैं जबकि भारतीय टीम को एक भी अंक नहीं मिला।

टी20 विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने बुमराह, अश्विन का रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने सुपर-8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। बुमराह ने इस मैच से पहले पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के 32 विकेट के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए तीन विकेट की जरूरत थी। उन्होंने चार ओवर में मात्र 15 रन देकर तीन महत्वपूर्ण विकेट झटके और अश्विन को पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक, रयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश को पवेलियन भेजकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। इस प्रदर्शन के साथ बुमराह के टी20 वर्ल्ड कप में कुल 33 विकेट हो गए हैं। हालांकि मैच में भारत को 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा, जिससे उनके इस प्रदर्शन की चमक थोड़ी धीमी पड़ गई।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सर्वाधिक विकेटः

1. जसप्रीत बुमराह – 33 विकेट (22 पारियां)
2. अर्शदीप सिंह – 32 विकेट (18 पारियां)
3. रविचंद्रन अश्विन – 32 विकेट (24 पारियां)
4. हार्दिक पांड्या – 29 विकेट (26 पारियां)
5. रवींद्र जडेजा – 22 विकेट (29 पारियां)

चयन और बल्लेबाजी क्रम की गलतियों से मिली टीम इंडिया को हार : रविचंद्रन अश्विन

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 के सुपर आठ चरण में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली 76 रन की करारी हार के पीछे चयन और बल्लेबाजी क्रम से जुड़े फैसलों को अहम कारण बताया है। यह मुकाबला रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। 188 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 111 रन पर सिमट गई। यह टी-20 विश्व कप में भारत की सबसे बड़ी हार रही और टूर्नामेंट में लगातार 13 मैचों से चला आ रहा अपराजित क्रम भी टूट गया। अश्विन ने अक्षर पटेल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को खिलाने और रिंकू सिंह को आठवें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजने के फैसले पर सवाल उठाए। अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर अश्विन ने कहा, "मैं मानता हूं कि इंडियन प्रीमियर लीग में मुकाबलों के अनुसार संयोजन बनाना ठीक है, क्योंकि वहां 14 मैच खेलने होते हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के टूर्नामेंट में टीम को जितना स्थिर रख सकें, उतना बेहतर होता है। बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ वॉशिंगटन सुंदर का उपयोग करना सही है, इसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं। लेकिन अक्षर पटेल टी-20 क्रिकेट में आपके सबसे उपयोगी खिलाड़ी रहे हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अक्षर ने क्या किया है।" अश्विन ने वर्ष 2024 के टी-20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की पारी को याद किया। उन्होंने कहा, "पिछले विश्व कप में भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इसी तरह की परिस्थिति में अक्षर पटेल ने विराट कोहली के साथ साझेदारी की थी और भारत का स्कोर 170 के पार पहुंचाया था। निश्चित रूप से कोहली का अनुभव था, लेकिन अक्षर किसी से कम नहीं हैं। अगर भारत के पास मध्य ओवरों में कुछ विकेट शेष रहते और स्थिरता बनी रहती, तो लक्ष्य हासिल किया जा सकता था।" अश्विन ने बल्लेबाजी क्रम पर भी असहमति जताई। उन्होंने कहा, "रिंकू सिंह का आठवें क्रम पर बल्लेबाजी करना समझ से परे है। आपके पास आठ बल्लेबाज हैं और रिंकू आठवें नंबर पर आ रहे हैं। उन्हें ऐसी स्थिति में नहीं भेजा जा सकता। वॉशिंगटन सुंदर के प्रति कोई अनादर नहीं है। वह शानदार बल्लेबाज हैं और उनकी क्षमता हम जानते हैं, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने भारत को यह सबक दिया है कि बिना पूरी तैयारी के बड़े मुकाबलों में नहीं उतरना चाहिए।"

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में प्रतिदिन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का संकल्पः साक्षी राणा

एजेंसी, बेंगलुरु

भारतीय महिला हॉकी टीम का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर इस समय कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में जारी है। यहां खिलाड़ियों का ध्यान कौशल विकास और सामरिक अनुशासन को सुदृढ़ करने पर केंद्रित है। मुख्य प्रशिक्षक सजोर्ड मारिजने तथा खेल वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड के मार्गदर्शन में 18 वर्षीय मध्य पंक्ति की खिलाड़ी साक्षी राणा अपने खेल को निखारने में जुटी हैं। पिछले वर्ष वरिष्ठ भारतीय टीम में पदार्पण करते हुए स्पेन के विरुद्ध गोल करने वाली साक्षी के लिए यह प्रशिक्षण शिविर निरंतर सीखने और शारीरिक सुदृढ़ता बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। साक्षी ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, "हमारी जो भी कमियां हैं, उन पर प्रतिदिन कार्य कराया जा रहा है। शारीरिक शक्ति, सहनशक्ति और पुनर्बहाली पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशिक्षक प्रत्येक बात को सरल और स्पष्ट ढंग से समझाते हैं। वरिष्ठ खिलाड़ी भी हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती रहती हैं।" साक्षी की तेज और आक्रामक खेल शैली का विकास हरियाणा के सोनीपत स्थित प्रीतम सिवाच खेल अकादमी में कोच कुलदीप के मार्गदर्शन में हुआ। अब वरिष्ठ स्तर पर उन्हें अपनी गति के साथ सामरिक समझ, पूर्व अवलोकन और मैदान पर संवाद को बेहतर बनाने पर विशेष अभ्यास कराया जा रहा है। साक्षी ने बताया, "व्यक्तिगत चर्चा में प्रशिक्षक ने कहा कि मैं अपना स्वाभाविक खेल जारी रखूं, लेकिन मध्य क्षेत्र में खेलने के कारण पहले से मैदान का निरीक्षण करना और साथियों से स्पष्ट संवाद बनाए रखना आवश्यक है। सामूहिक बैठकों में हमें यह समझाया जा रहा है कि गेंद को कब अपने पास रखना है और कब साथी खिलाड़ी को पास देना है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बहुत तेजी से बनता है।" हाल ही में राष्ट्रीय हॉकी लीग में खेलने से उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है। वहां शीर्ष विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेलने का अनुभव उन्हें उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा को समझने में सहायक रहा। साक्षी ने कहा, "इस प्रतियोगिता में खेलने के बाद संवाद और आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि हुई है। विदेशी खिलाड़ी यिब्बी जानसेन को मध्य क्षेत्र में खेलते देख मुझे काफी सीखने को मिला।" भारतीय टीम अब 8 से 14 मार्च तक तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ महिला विश्व कप 2026 चयन प्रतियोगिता की तैयारियों में व्यस्त है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 8 मार्च को उरुग्वे के विरुद्ध करेगा। इसके बाद 9 मार्च को स्कॉटलैंड तथा 11 मार्च को वेल्स से मुकाबला होगा। साक्षी ने अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा, "मैं प्रतिदिन यही सोचकर मैदान पर उतरती हूं कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। यदि चयन प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिला तो लक्ष्य केवल विजय प्राप्त करना होगा। अभी हमारा ध्यान प्रतिदिन कठोर अभ्यास करना और प्रशिक्षक की रणनीति को पूरी निष्ठा से लागू करना है।"

संक्षिप्त

जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे श्रीकांत और तन्वी

नई दिल्ली। जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन प्रतियोगिता की शुरुआत मंगलवार से होने जा रही है, जिसमें भारत की ओर से अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत और विश्व जूनियर चैंपियनशिप रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे। पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत, जिन्होंने वर्ष 2021 की विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था, ने पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया। वह मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 और सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 प्रतियोगिताओं में उपविजेता रहे, हालांकि खिताब जीतने में सफल नहीं हो सके। 31 वर्षीय श्रीकांत की विश्व रैंकिंग एक समय 82 तक खिसक गई थी, लेकिन अब वह दोबारा 32वें स्थान पर पहुंच चुके हैं। वह उच्च स्तरीय सुपर 750 और सुपर 1000 प्रतियोगिताओं में सीधा प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए अपनी रैंकिंग और बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं। अपने अभियान की शुरुआत वह एक क्वालीफायर खिलाड़ी के विरुद्ध करेंगे। महिला एकल वर्ग में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा, जो वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 40वें स्थान पर हैं, पहले दौर में मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से भिड़ेंगी। तन्वी ने इस सत्र की शुरुआत में इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स प्रतियोगिताओं में विश्व नंबर दो वांग झी यी और विश्व नंबर 12 टोमोका मियाजाकी को कड़े मुकाबले में तीन गेम तक खींचा था। इसके अलावा उन्होंने एशिया बैडमिंटन टीम चैंपियनशिप में विश्व नंबर 17 बुसानन ओंगबामरुंगफान को हराकर सबको चौंका दिया था। तन्वी ने पिछले वर्ष के अंत से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वह गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 और वर्ष 2025 के संयुक्त राज्य ओपन सुपर 300 में उपविजेता रहीं, जबकि सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 में सेमीफाइनल तक पहुंचीं।

जिंदल पोलो एस्टेट कप 24 फरवरी से, नोएडा करेगा मेजबानी

एजेंसी, नई दिल्ली

जिंदल पोलो एस्टेट कप (चार गोल) प्रतियोगिता का आयोजन 24 फरवरी से 01 मार्च तक नोएडा स्थित जिंदल पोलो एस्टेट मैदान में किया जाएगा। यह प्रतियोगिता देश के उभरते और अनुभवी पोलो खिलाड़ियों को एक मंच पर लाएगी, जहां पूरे सप्ताह तेज़ रफ्तार और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। इस प्रतियोगिता में सात टीमें डायनामोज, यंगस्टर्स, मेफेयर पोलो, ट्रोजन्स, जिंदल पैंथर, टीम एक्स और मैलेट मास्टर्स भाग लेंगी, जो समूह चरण और नॉकआउट चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगी। सभी टीमें चार गोल हैंडीकैप प्रारूप में अपने-अपने खिलाड़ी उतारेंगी। यह आयोजन देश में पोलो खेल की बढ़ती गहराई और प्रतिभा को प्रदर्शित करेगा। विशेष आकर्षण के रूप में नवीन जिंदल स्वयं जिंदल पैंथर टीम की ओर से मैदान में उतरेंगे, जो खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। प्रतियोगिता में कई प्रमुख खिलाड़ी भी भाग लेंगे, जिनमें सिमरन शेरगिल (चार गोल) और शमशीर अली (चार गोल) सर्वोच्च रैंक वाले खिलाड़ी हैं। इनके अलावा सिद्धांत शर्मा (तीन गोल), हुर्र अली (तीन गोल) और नवीन सिंह (तीन गोल) जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के लिए रणनीतिक कौशल और मैच जिताने की क्षमता लेकर मैदान में उतरेंगे।

प्रतियोगिता प्रारूप- टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। समूह 'क' में डायनामोज, यंगस्टर्स, मेफेयर पोलो और ट्रोजन्स शामिल हैं, जबकि समूह 'ख' में जिंदल पैंथर, टीम एक्स और मैलेट मास्टर्स को रखा गया है। प्रत्येक जीत पर दो अंक दिए जाएंगे। यदि अंक समान होते हैं तो "आपस में किसने किसे हराया" के आधार पर निर्णय होगा। आवश्यकता पड़ने पर दंड प्रहार निर्णायक की भूमिका निभाएंगे, जिससे प्रत्येक चक्कर का महत्व बढ़ जाएगा। प्रतियोगिता की शुरुआत 24 फरवरी को लीग मुकाबलों से होगी। 25 और 26 फरवरी को लगातार मैच खेले जाएंगे। 27 फरवरी को विश्राम दिवस रहेगा। इसके बाद 28 फरवरी को अंतर-समूह अर्ध-फाइनल मुकाबले होंगे और 1 मार्च को सहायक फाइनल तथा भव्य फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

स्प्रिंग पोलो का रोमांचक आयोजन- जिंदल पोलो स्प्रिंगसत्र का यह प्रमुख आयोजन विभिन्न हैंडीकैप स्तर के खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक मंच प्रदान करता है और उत्तर भारत में पोलो संस्कृति को बढ़ावा देता है। सुव्यवस्थित प्रारूप और उच्च स्तर के निर्णायकों की देखरेख में आयोजित यह प्रतियोगिता दर्शकों को रोमांचक और रणनीतिक मुकाबलों का आनंद देगी। नोएडा स्थित जिंदल पोलो एस्टेट की मनोहारी पृष्ठभूमि में आयोजित यह प्रतियोगिता खेल कौशल, अश्वकला और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का उत्सव साबित होगी तथा भारत के बसंतकालीन पोलो कैलेंडर में एक और सशक्त अध्याय जोड़ेगी।

प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश के आरोप से लियोनेल मेसी को मिली क्लीन चिट

एजेंसी, नई दिल्ली

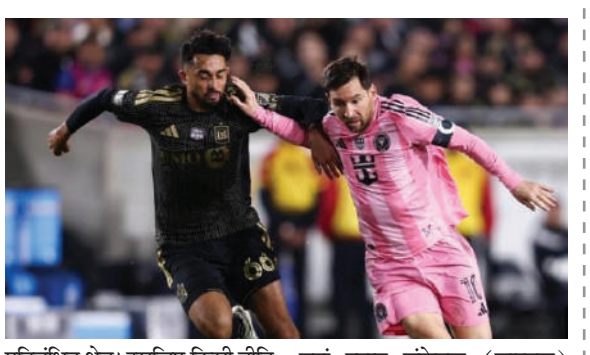

मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने समीक्षा के बाद स्पष्ट किया है कि स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया। इंटर मियामी की सत्र की शुरुआत में मिली 0-3 की हार के बाद मैच अधिकारियों के पीछे एक दरवाजे से अंदर जाने को लेकर उन पर प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने का आरोप लगा था। यह घटना शनिवार को एमएलएस के मुकाबले के दौरान हुई, जब इंटर मियामी सीएफ को लॉस एंजेल्स एफसी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। लीग प्रवक्ता ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि वीडियो फुटेज की समीक्षा के बाद यह पाया गया कि मेसी जिस स्थान पर गए थे, वह न तो रेफरी का ड्रेसिंग रूम था और न ही कोई प्रतिबंधित क्षेत्र। इसलिए किसी नीति का उल्लंघन नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में इंटर मियामी के खिलाड़ी लुइस सुआरेज़ मेसी को हाथ पकड़कर रोकने की कोशिश करते दिखे, लेकिन अर्जेंटीना के कप्तान उस दरवाजे से अंदर चले गए। कुछ क्षण बाद वे वापस बाहर भी आ गए। लीग प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई क्षेत्र प्रतिबंधित होता, तो वहां स्पष्ट संकेतक (साइनज) लगे होते। इस पूरे घटनाक्रम पर इंटर मियामी की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई। गौरतलब है कि गत चैंपियन इंटर मियामी ने सत्र की शुरुआत हार के साथ की। यह मुकाबला 75,673 दर्शकों की मौजूदगी में खेला गया, जो एमएलएस ओपनिंग वीकेंड के इतिहास में सबसे अधिक उपस्थिति वाला मैच रहा।

आसनसोल में लियोनेल मेसी की प्रतिमा का अनावरण

एजेंसी, आसनसोल

राज्य के श्रम विधि व न्याय मंत्री मलय घटक ने रविवार की संध्या आसनसोल में भी अर्जेंटीना के विख्यात फुटबॉलर लियोनेल मेसी की प्रतिमा का अनावरण किया। आसनसोल के मोहिशीला इलाके के निवासी और मूर्तिकार सुशांत राय ने मेसी की जीवंत मोम की प्रतिमा तैयार कर शहरवासियों को एक अनोखा तोहफा दिया है। गौरतलब है कि 13 दिसंबर 2025 को कोलकाता के लेक टाउन स्थित श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब द्वारा निर्मित 70 फुट ऊंची लोहे की प्रतिमा का अनावरण किया गया था। यह प्रतिमा मेसी को कतर 2022 विश्व कप जीत का जश्न मनाते हुए दर्शाती है। मेसी ने अपने गोएट इंडिया टूर 2025 के दौरान वर्चुअल माध्यम से इस प्रतिमा का उद्घाटन किया था। इस भव्य प्रतिमा को भारत में फुटबॉल के प्रति जुनून और मेसी के प्रति प्रशंसकों के प्यार का प्रतीक माना गया। इसी कड़ी में आसनसोल के मूर्तिकार सुशांत राय ने महज दो महीने की मेहनत से मेसी की मोम की प्रतिमा तैयार कर सबको चौंका दिया। यह प्रतिमा आकार में भले ही कोलकाता की 70 फुट ऊंची प्रतिमा से अलग हो, लेकिन बारीक कारीगरी और चेहरे के हाव-भाव की सजीवता इसे बेहद खास बनाती है। प्रतिमा को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। फुटबॉल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है और लोग मेसी के साथ सेल्फी लेने के लिए उत्सुक नजर आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की पहल से आसनसोल की पहचान सांस्कृतिक और खेल प्रेमी शहर के रूप में और मजबूत होगी। वहीं आयोजकों का दावा है कि इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल है और बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं। कुल मिलाकर, कोलकाता के बाद आसनसोल में मेसी की प्रतिमा का अनावरण फुटबॉल प्रेमियों के लिए गर्व और उत्साह का विषय बना हुआ है, और शहर में खेल के प्रति जुनून को नई ऊंचाई दे रहा है।

इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग को मिला 100 मिलियन डॉलर का निवेश, 10 शहरों में फ्रेंचाइजी घोषित

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) ने भारतीय गोल्फ इतिहास के सबसे बड़े निजी निवेश की घोषणा करते हुए 10 फ्रेंचाइजी साझेदारों से 100 मिलियन डॉलर की पूंजी प्रतिबद्धता हासिल की है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी ने अगले 10 वर्षों में लगभग 10 मिलियन डॉलर निवेश करने का संकल्प लिया है।

10 शहरों में अधिकार, देशव्यापी प्रतिनिधित्व- आईजीपीएल ने हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई, विशाखापत्तनम, गोवा, बेंगलुरु, पंजाब और गुरुग्राम को अधिकार प्रदान किए हैं। यह प्रारूप देश के प्रमुख महानगरों और उभरते क्षेत्रों तक पेशेवर गोल्फ को पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

250 मिलियन डॉलर का आधारभूत संरचना निवेश- लीग संचालन के अलावा साझेदारों ने दूसरे और तीसरे श्रेणी के शहरों तथा गांवों में 8–10 एकड़ के छोटे गोल्फ मैदान विकसित करने के लिए सामूहिक रूप से 250 मिलियन डॉलर निवेश का लक्ष्य रखा है। इसका उद्देश्य गोल्फ को पारंपरिक अभिजात्य दायरे से बाहर निकालकर आम लोगों तक पहुंचाना है।

तीन महाद्वीपों में विस्तार की योजना- आईजीपीएल अपने पहले ही वर्ष में भारत, अफ्रीका और मध्य-पूर्व सहित तीन महाद्वीपों में विस्तार की रणनीति के साथ शुरुआत करेगा। अगले तीन से चार वर्षों में पांच देशों में संचालन का लक्ष्य रखा गया है। आईजीपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तम सिंह मुंडी ने कहा कि यह पारंपरिक खेल निवेश नहीं, बल्कि खेल के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का मंच है। उन्होंने कहा कि लीग केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक संपूर्ण गोल्फ तंत्र तैयार कर रही है।

जमीनी स्तर पर गोल्फ को बढ़ावा- आईजीपीएल ने भारतीय गोल्फ संघ, महिला गोल्फ संघ भारत, पेशेवर गोल्फर संघ भारत और गोल्फ फाउंडेशन के साथ मिलकर 'गोल्फ विकास पहल' शुरू की है। इसके तहत विद्यालयों और खेल मैदानों में गोल्फ को पहुंचाया जाएगा। लीग प्रारूप, प्रतियोगिता कार्यक्रम और खिलाड़ियों की नीलामी से जुड़ी जानकारी जल्द घोषित की जाएगी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

जब हो ट्विन प्रेग्नेंसी

गर्भाशय का आकार सामान्य से बड़ा हो और एक से अधिक गर्भ की हार्टबीट्स सुनाई दे रही हों तो डॉक्टर अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह देते हैं। इसी से पता लगता है कि यह ट्विन प्रेग्नेंसी है या नहीं। जैसे ही ट्विन प्रेग्नेंसी का पता चले, अपने और होने वाले बच्चे की बेहतरी के लिए कुछ जरूरी कदम उठाएं। ट्विन प्रेग्नेंसी की जटिलताएं सिंगल प्रेग्नेंसी से अलग होती है। इस दौरान कुछ खास परेशानियां हो सकती हैं-
ट्विन प्रेग्नेंसी में गैस्टेशनल डायबिटीज होने का खतरा बढ़ जाता है। इस दौरान कमजोरी अधिक हो सकती है। प्रसव के बाद ब्लीडिंग का खतरा भी ज्यादा रहता है। ट्विन प्रेग्नेंसी के अधिकतर मामलों में डिलिवरी के लिए सी-सेक्शन की जरूरत पड़ती है। प्रीमैच्योर बर्थ की आशंका अधिक होती है। इसके अलावा गर्भ पर अधिक भार के कारण शरीर में दर्द हो सकता है।

ताकि प्रेग्नेंसी रहे सुखद

ट्विन प्रेग्नेंसी में एक से अधिक बार चेकअप की जरूरत होती है ताकि मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा सके। इसमें सबसे बड़ी समस्या यह आती है कि कई बार एक बच्चा कमजोर होता है और दूसरा स्वस्थ। ट्विन प्रेग्नेंसी में हर चौथे सप्ताह में चेकअप अवश्य कराएं। जैसे-जैसे प्रसव का समय नजदीक आता है डॉक्टर कुछ टेस्ट्स और अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कह सकते हैं। ट्विन प्रेग्नेंसी में वजन अधिक बढ़ जाता है और यह बच्चे के विकास के लिए जरूरी भी होता है।

इस दौरान रखें स्वास्थ्य का खयाल

- यदि किसी का वजन औसत है तो गर्भावस्था के दौरान प्रतिदिन सामान्य से लगभग 600 अतिरिक्त कैलरीज की जरूरत पड़ती है। कितनी कैलरी लेना होगी यह वजन, जरूरत और दिनचर्या पर निर्भर करता है।
- पोषक तत्वों का सेवन करें। फॉलिक एसिड, कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और दूसरे आवश्यक पोषक पदार्थों का सेवन अवश्य किया जाना चाहिए।
- गर्भावस्था में पर्याप्त पानी पीना जरूरी है ताकि शरीर में जल का सही स्तर बना रहे।
- उपवास या व्रत से बचें और भूखे पेट न रहें। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के अलावा बीच-बीच में हेल्दी स्नैक्स लें।
- बेड रेस्ट की सलाह खास जटिलताएं होने पर ही दी जाती हैं। आमतौर पर डॉक्टर सामान्य कार्य करने की सलाह देते हैं इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के बेडरेस्ट न करें। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि बेड रेस्ट से प्रीमैच्योर डिलिवरी का खतरा बढ़ता है।
- अगर वजन तेजी से बढ़ रहा हो या तेज सिरदर्द हो तो डॉक्टर को दिखाएं।
- वजन ज्यादा होने से पैरों में सूजन आती है, इसलिए पैर लटकाकर देर तक न बैठें।
- नमक का सेवन कम करें ताकि ब्लडप्रेशर अधिक न बढ़े।

छुट्टियों की फुर्सत यानी कुछ और...

कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब चार दीवारों के दायरे से थोड़ा आगे बढ़कर बाहर निकलकर कुछ करना होता है। यह किसी बाजार या मॉल में जाकर शॉपिंग करना हो सकता है, किसी अजीज दोस्त या रिश्तेदार से मिलना हो सकता है, कोई हॉबी क्लास ज्वॉइन करना हो सकता है या फिर कुछ और.। कुछ लोग योग या ध्यान के शिविर में चले जाते हैं, यानी फुर्सत पाते ही हर कोई अपनी पसंद का काम ढूंढ निकालता है।

लेकिन कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब यह सब भी नहीं होता। उनके लिए फुर्सत का मतलब सिर्फ छुट्टियां होता है। छुट्टियां अगर थोड़ी लंबी हों यानी हफ्ते-दो हफ्ते का समय मिल जाए तो बहुत अच्छा, वरना एक-दो दिन की त्योहारी छुट्टी ही मिले तो भी चलेगा। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ। हफ्ते-दो हफ्ते की छुट्टियां तो ऐसे लोगों के लिए बड़ी नेमत होती हैं। और हां, छुट्टियां वाकई नेमत होती हैं। ये आपको सिर्फ मानसिक सुकून ही नहीं देती, आपकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाती हैं और अर्थव्यवस्था के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। छुट्टियों को हमारे यहां अधिकतर सैर-सपाटे से जोड़कर देखा जाता है। इससे मनोदशा में बदलाव तो होता ही है, देश-विदेश की सभ्यता और संस्कृति की जानकारी भी मिलती है।

लौटकर लोग खुद को ज्यादा ऊर्जावान महसूस करते हैं और नए उत्साह के साथ अपने रूटीन काम में जुट जाते हैं। जरूरी किस्म की छोटी या व्यावसायिक यात्राओं की बात अलग है, लेकिन आमतौर पर यह देखा जाता है कि लोग लंबी यात्राओं पर पूरे परिवार के साथ ही जाना चाहते हैं। इसकी कई वजहें हैं। माना जाता है कि इससे सफर का मजा बढ़ जाता है। पूरे परिवार के एक साथ कहीं पर्यटन पर जाने से समग्रता में बजट भी संतुलित रहता है।

रिश्तों में जान

हम भारतीयों के लिए छुट्टियां केवल सेहत बनाने, कुछ सीखने, ज्ञान बढ़ाने और मौज-मस्ती करने ही नहीं, अपने मूल और रिश्तों को सहेजने का भी एक साधन है। मनोवैज्ञानिक विचित्रा दर्गन आनंद कहती हैं- 'अब लोगों को इस बात का एहसास होने लगा है कि फैमिली हॉलिडे अपने रिश्तों को रिवाइव करने का अच्छा माध्यम हैं।' इसलिए साल में कम से कम एक बार लोगों को परिवार छुट्टियां बिताने का समय जरूर निकालना चाहिए। यह जरूरी नहीं है कि इसके लिए आपकी छुट्टियां बहुत लंबी हों या हर बार ढेर सारे पैसे खर्च करके आप विदेश यात्रा पर ही जाएं क्योंकि ऐसी छुट्टियों में डेस्टिनेशन के बजाय परिवार के साथ बिताए जाने वाले खुशनुमा पलों की ज्यादा अहमियत होती है। सबके साथ घूमने का मजा ही कुछ और आज की जीवनशैली इतनी व्यस्त है कि एक ही छत के नीचे रहने के बावजूद लोगों को अपने परिवार के साथ फुर्सत के दो-चार पल बिताने का भी मौका नहीं मिलता। ऐसे में फैमिली हॉलिडे के बहाने उन्हें अपने परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम बिताने का मौका मिलता है। वैसे भी छुट्टियों में पूरे परिवार के साथ घूमने-फिरने का अपना अलग ही मजा है, पर ऐसी यात्रा की तैयारी करते समय सबकी रुचियों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है।

चाहते क्या हैं

छुट्टियों पर जाने से पहले यह तय करें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। यह फैसला किसी अन्य के दबाव या प्रभाव में नहीं होना चाहिए। अपनी पसंदीदा गतिविधि के अनुसार सही जगह का चुनाव करें। इसके लिए पहले से कार्यक्रम तय करें और बजट बनाएं। आप अपने रिलेक्सेशन के लिए जो कुछ भी करना चाहते हों, उसके लिए एक-एक दिन की पूरी योजना सुनिश्चित कर लें। योजना तय करते समय ध्यान भी रखें कि जरूरत के मुताबिक थोड़ी ढील की गुंजाइश भी हो। बहुत टाइट शेड्यूल भी तनाव का कारण बन जाता है और छुट्टियों का मजा किरकिरा कर देता है।

जरूरी है जानकारी

कहते हैं आप जो कुछ भी करें उसकी पूरी जानकारी आपको होना चाहिए। इसी कड़ी में सबसे महत्वपूर्ण है सैर-सपाटा। आप जहां जाएं उस स्थान के बारे में इंटरनेट या पत्रिकाओं की मदद लेते हुए कई जरूरी जानकारियां एकत्रित कर लें ताकि आपको कोई दिक्कत न हो।

छोटे बजट में

अगर आप फुर्सत के पलों का लुत्फ घुमक्कड़ी में तलाशते हैं और बजट आपको दूर देश जाने की इजाजत नहीं देता तो जरूरी नहीं कि आप जबरिया बजट खींचतान कर परेशानी मोल लें। आपके देश में भी देखने-जानने के लिए बहुत कुछ है। इन जगहों पर पर्यटन आप पूरे परिवार के साथ छोटे बजट में कर सकते हैं।

तैयारी पहले से

लास्ट मिनट पैकिंग छुट्टियों के आनंद में सबसे बड़ी बाधा होती है। क्या ले जाना है और क्या नहीं, इसकी लिस्ट पहले ही बना लें। यह सही है कि बहुत बोझ दिक्कत का सबब होता है, लेकिन जरूरी चीजों का छूट जाना भी मुश्किल पैदा कर सकता है।

तनाव को अलविदा

ऐसा कुछ भी जो आपके लिए तनाव का कारण हो और आपको रोजमर्रा रूटीन में बंधे रहने का एहसास दिलाए, उसे किनारे करें। यह मोबाइल या इंटरनेट भी हो सकता है और कुछ दोस्त, परिचित या रिश्तेदार भी। दैनिक जीवन के तनाव साथ लेकर न चलें।

सहज रहें

छुट्टियों का असली लुत्फ रिलेक्स होने में है और रिलेक्सेशन मिलता है सहजता से। ऐसा कुछ भी जो सहज होने में बाधक बने, उससे दूर ही रहें तो ही ले सकेंगे पूरा मजा। अगर कोई चीज या किसी की गतिविधि आपको पसंद न आए तो उससे दूर हट जाएं।

प्रेम के साथ खूबियां मिलेंगी तो मजबूत बनेगा रिश्ता

किसी भी रिश्ते को बनाने से ज़्यादा मुश्किल होता है संभालना और निभाना। इसके लिए प्रेम तो चाहिए, साथ ही भावनात्मक परिपक्वता भी चाहिए। इस परिपक्वता के साथ वो खूबियां आती हैं जो हर रिश्ते में होनी ही चाहिए। माना जाता है कि सफल और मज़बूत रिश्ते के लिए दो लोगों की पसंद-नापसंद और व्यवहार मिलना ज़रूरी है। इसके बलबूते पर रिश्ता निभाने में आसानी होती है और आपसी प्रेम बना रहता है। रिश्तों के निबाह में इनकी मौजूदगी ज़रूरी है, लेकिन इनसे कहीं ज़्यादा ज़रूरी है इमोशनल मैच्योरिटी यानी कि भावनात्मक परिपक्वता। इसका मतलब है भावनाओं और व्यवहार को समझना, संतुलित रखना और सही तरीक़े से प्रतिक्रिया देना। यह वो खूबियां सिखाता है जो किसी भी रिश्ते को मज़बूत बनाने के लिए ज़रूरी हैं।

सुरक्षा- ये वो अहसास है जो रिश्ते में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अगर आपने कोई ज़िम्मेदारी साथी के हाथ सौंपी है और आप जानते हैं कि वो उसे किसी भी सूरत में पूरा करेंगे, तो यह सुरक्षा का एहसास है। साथी की मौजूदगी सुरक्षा महसूस कराती है।

विश्वास और समर्पण - विश्वास हर रिश्ते की नींव है। अगर आप मुश्किल में हैं तो उससे बाहर निकालने के लिए आपका साथी साथ होगा, यह विश्वास है। और यह दोतरफ़ा होना चाहिए। वहीं अपनी इच्छा या पसंद का समर्पण कर साथी की ज़रूरत या पसंद को महत्व देना भी रिश्ते में ज़रूरी है। ये दोनों गुण रिश्ते की ज़रूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने में मदद करते हैं।

सम्मान - रिश्ते में प्यार जितना ही ज़रूरी है सम्मान। आप अपने साथी से कैसे बात करते हैं, उसकी ज़रूरतों को ध्यान में रखते हैं और उन्हें सुनते हैं, ये सब व्यवहार में नज़र आता है। आपके किसी शब्द या बात से साथी की भावनाओं को ठेस न पहुंचे, इसका ध्यान रखना भी सम्मान है। भावनात्मक परिपक्वता का यह गुण एक-दूसरे की राय व दृष्टिकोण समझने में सक्षम बनाता है, जिससे दूसरा व्यक्ति सम्मानित और मूल्यवान महसूस करता है।

साझेदारी - जब एक टीम साथ मिलकर काम करती है, तो हर सदस्य में एक दूसरे से अलग गुण होते हैं। इसी तरह रिश्तों में भी टीमवर्क ज़रूरी है। अगर एक साथी किसी परिस्थिति में कमज़ोर पड़ता है तो उसे संभालने के लिए दूसरा साथी मौजूद होता है। एक-दूसरे को सहारा देने के साथ कठिन रास्तों को पार करने, मुश्किलों से लड़ने के लिए और एक-दूसरे को संभालने के लिए साझेदारी ज़रूरी है।

भावनात्मक समर्थन - जब आप किसी मुश्किल में हों या कोई चिंता परेशान कर रही हो तो ऐसे मौक़े पर भावनात्मक सहारे की ज़रूरत होती है जो आपको अपने साथी से मिलना चाहिए। यह गुण रिश्ते में महसूस होने वाले अकेलेपन को दूर करता है।

इन्हें रिश्तों में ऐसे विकसित करें...

भावनाओं का सम्मान करें
साथी को अपनी बात रखने की आज़ादी दी है तो उन्हें सही या ग़लत आंकने के बजाय केवल सुनें। उन्हें भावनात्मक रूप से सहारा दें और हल निकालने की कोशिश करें।
स्वीकारें कि भावनाएं महत्वपूर्ण हैं हमें यह समझने की ज़रूरत है कि हमारी भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और व्यक्त करना महत्वपूर्ण है। हमारी भावनात्मक स्थिति हमारी निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है जो अंततः हमारे भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
समानुभूति का अभ्यास करें
दूसरों यानी साथी या क़रीबी की भावनाओं को समझने और उनका सम्मान करने का प्रयास करें। अभ्यास से उनकी भावनाओं और संवेदनाओं के बारे में अपनी समझ बढ़ाएं, मज़बूत संबंधों और सार्थक रिश्तों को बढ़ावा दें। संबंधों में सक्रिय भागीदारी करें। सक्रियता रिश्तों को आवश्यक पोषण देने का काम करती है।
संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करें
साथी को अपने दिल की बात कहने की आज़ादी दें और सशक्त बनाएं। उन्हें अपनी भावनाओं को प्रभावी ढंग से साझा करने का माहौल दें। उनकी ग़लतियों और असफलताओं को सुधार के अवसर के रूप में स्वीकार करें।
बराबरी का दर्जा दें
दोनों की काबिलियत एक-दूसरे से अलग हो सकती है। इस आधार पर एक-दूसरे को छोटा महसूस कराने या कमियां गिनाने से बचें। अगर व्यक्तिगत फ़ैसले लेने हैं तब भी उनसे पूछें कि उनकी इस मामले में क्या राय है। इससे उनको सम्मान और अहमियत महसूस होगी।

तय किए लक्ष्यों में पिछड़ते बच्चे

पहले संयुक्त परिवारों में जहां बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए स्वस्थ माहौल व भावनात्मक सहारा मिलता था। वहीं आज उनकी दुनिया सिमटकर टीवी, गैजेट्स व कोचिंग संस्थानों तक हो गई है। एक ओर अकेलापन, अतिव्यस्तता, संवादहीनता, रिश्तों से दूरी, गलाकाट प्रतियोगिताएं, रैंक की चिंता, अच्छा कॉलेज न मिल पाने का भय, जो कि माता-पिता व संस्थानों द्वारा इस कदर दिखाया जाता है कि बच्चा स्वयं को अंक प्राप्त करने वाली मशीन समझने लगता है।

रैंकिंग की अंधी रेस में हारने वाला बच्चा या तो अपनों द्वारा बेदर्दी से दुत्कार दिया जाता है या वह स्वयं को असफल मान लेता है। ऐसे में बच्चों के संघर्ष करने की ललक कम होती जाती है और उन्हें अवास्तविक सपनों का आसमान भयावह लगने लगता है। बेहतर 'प्रोडक्ट' बनाने की दौड़ में इन बच्चों पर परीक्षाओं का बोझ इस कदर लादा जाता है कि हर वर्ष की परीक्षाएं इन्हें जिंदगी की आखिरी परीक्षा लगती है और अस्थाई सफलता के लिए ये बच्चे झंझावतों से बचने का स्थाई रास्ता खुदकुशी के रूप में अपनाना ज्यादा सरल समझते हैं।

अभिभावक क्या करें

सपने देखने की आजादी

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों को हासिल करने की दौड़ में बच्चे अक्सर पिछड़ जाते हैं और इस तनाव से बच्चे टूट जाते हैं। इसलिए बच्चों के लक्ष्य तय करने के बजाए उन्हें अपने सपने खुद देखने दें, अपने लिए लक्ष्य उन्हें स्वयं तय करने की आजादी दें। आप उन्हें पूरा करने के लिए भरपूर सहयोग करें तथा उन्हें अपनी दुनिया जीने की आजादी दें।

संवाद, विश्वास व धैर्य रखें

आप अपने व्यवहार में इतनी कठोरता न लाएं कि बच्चा आपसे अपनी समस्याएं, भावनाएं साझा करने में भी झिझकें। सदैव उन्हें सुनाने की बजाए उनकी बातों को धैर्यपूर्वक सुनें, फिर हौसला दें व सही रास्ते पर आगे बढ़ने के विकल्प सुझाए न कि अपना फैसला उन पर थोपें।

छोटी-छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाएं

अभिभावक, बच्चों का बेहतरीन करियर बनाने की चाह में उन्हें किसी 'बड़ी' सफलता हासिल करने की ओर धकेल देते हैं। इस अंधेरी डगर पर वे उनकी हर छोटी-छोटी खुशी को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि आपको चाहिए कि बच्चों के साथ हर छोटी-छोटी खुशी का जश्न मनाएं, प्रसन्नता जाहिर करें, उनके साथ खुशियां बांटें। असफल होने पर जादू की झप्पी दें। यही छोटी-छोटी बातें उनमें जीवन के प्रति विश्वास जगाकर आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए समर्थ व सजग व्यक्तित्व बनाती हैं।

योग्यता के अनुरूप अपेक्षाएं

आप बच्चे से उसकी काबिलियत के अनुरूप अपेक्षाएं रखें। करियर के ढेरों विकल्प हैं जिनसे बच्चों को अवगत करवाएं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि उसने कितना स्कोर किया है। और न ही ये चंद कागज के टुकड़े किसी की सफलता के मापदंड हैं। हमारे सामने ढेरों मिसालें हैं जिनकी औपचारिक डिग्रियां अधूरी रहने के बावजूद उन्होंने सफलता के झंडे गाड़े हैं। आप उन्हें करियर के तमाम विकल्पों से अवगत करावाएं। सिर्फ प्राप्त अंकों के आधार पर विषय का चयन करने की बजाए बच्चे की रुचि, योग्यता, क्षमता आदि के आधार पर विषय चयन करने में मदद करें। करियर काउंसलिंग करवाएं। गलत विषय का चयन भी बच्चों को आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर कर देता है।

सफलता का पैमाना अंक नहीं

कागजों में दर्ज कुछ परीक्षा के अंक सफलता का पैमाना नहीं है और न ही इससे करियर के अवसर कम होते हैं। जहां चाह होगी वहीं कोई न कोई राह निकल ही आएगी। बस इस बात को दिमाग में रखना जरूरी है कि कोई भी परीक्षा बच्चों की जिंदगी से बड़ी नहीं है।

डॉक्टर डायरी

इस तरह के मामलों में स्थिति के बारे में कयास लगाने से बेहतर है हर चीज को गंभीरता से लिया जाए। एक डॉक्टर या काउंसलर के रूप में अभिभावक व बच्चे से हर विषय पर गहनता से चर्चा करना ही इस समस्या का सबसे सर्वोत्तम उपाय है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
Rashtria Mukhyadhara
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/

अब 'प्रोड्यूसर' बन लोगों का दिल जीतेंगी नित्या मेनन

अपने अभिनय से लोगों के दिलों में राज करने वाली साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री नित्या मेनन अब नई शुरुआत करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे अब बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने नए प्रोडक्शन हाउस का ऐलान किया। अभिनेत्री नित्या मेनन ने लिखा, 'मेरे लिए फिल्में बनाना सिर्फ कहानियां सुनाना नहीं है, बल्कि दिल से दिल जुड़ने का तरीका है। जब मैं कुछ बनाती हूं तो यह न सिर्फ दर्शकों को बदलता है, बल्कि मुझे भी बदल देता है।' अभिनेत्री ने बताया कि रचनात्मक प्रक्रिया में डूबकर मैं खुद में बदलाव महसूस करती हूं और जो इसे देखते हैं, उनके अंदर भी एक हल्का-सा परिवर्तन आता है। अभिनेत्री ने लिखा, 'यह बदलाव शुरू में शायद नजर न आए, लेकिन यह हमेशा के लिए असर छोड़ जाता है। फिल्म बनाना मेरे लिए व्यक्तित्व के उस सच्चे और संवेदनशील हिस्से को छूने जैसा है, जो सबसे असली होता है, जब मैं अभिनय करती थी। उसी समय मैंने सोच लिया था कि मैं प्रोड्यूसर बनूंगी और अब प्रोड्यूस करने पर भी यही सोच बनी रहेगी। आपके सामने पेश है- कीयूरी प्रोडक्शंस।' वीडियो में बताया गया है कि केयुरी धरती की गुफाओं से निकली है, चट्टान से बनी है, रोशनी से प्यार करती है, और किसी खास रूप में नहीं बंधी है। यह नाम और उसका मतलब नित्या की रचनात्मक सोच को दर्शाता है, जहां वे ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं जो गहरी भावनाओं को छूएं और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं।

नित्या मेनन साउथ इंडियन सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं। वे अभिनेत्री होने के साथ-साथ पार्श्व गायिका भी हैं, जो मुख्य रूप से मलयालम, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्हें 'थिरुचित्राम्बलम' (2022) के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और चार फिल्मफेयर अवार्ड साउथ मिल चुके हैं। साल 1998 में एक बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली नित्या मेनन बॉलीवुड की फिल्म 'मिशन मंगल' में नजर आई थीं।

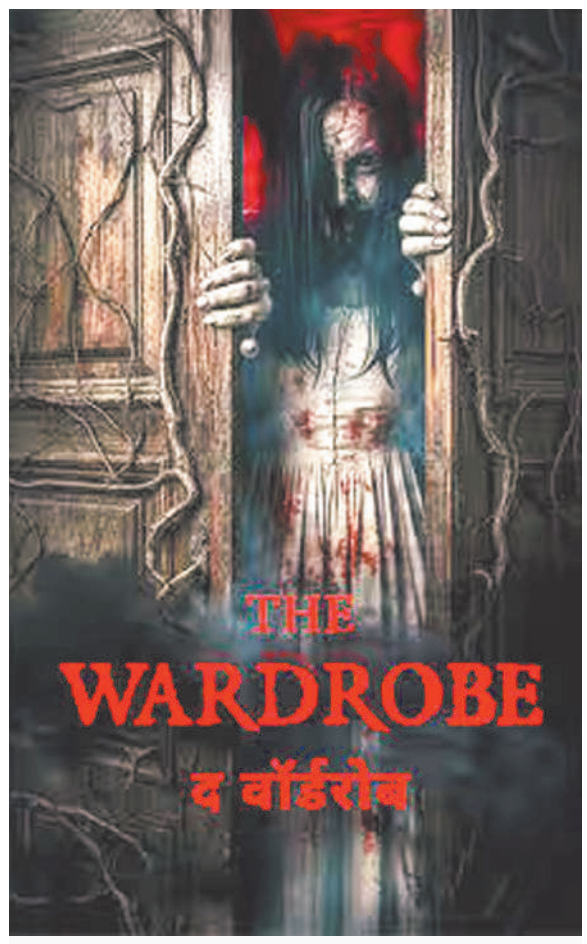

'द वॉर्डरोब' से होगा दिव्या अग्रवाल का बॉलीवुड डेब्यू

अपकमिंग बॉलीवुड हॉरर फिल्म 'द वॉर्डरोब' का फर्स्ट-लुक पोस्टर आ गया है। टीवी रियलिटी शोज की विजेता रह चुकीं दिव्या अग्रवाल इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं।

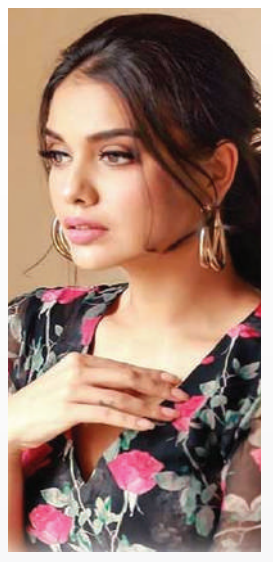

पोस्टर में एक पुरानी, आधी खुली लकड़ी की अलमारी से एक रहस्यमयी महिला बाहर आती दिखाई दे रही है। अलमारी के अंदर से निकलती लाल रोशनी उसके खून से सने सफेद गाउन को और डरावना बना रही है। चारों ओर धुआं, गहरे साए और खौफ का माहौल, पूरा सीन किसी डरावने सपने जैसा लगता है। लाल रंग में लिखा फिल्म का टाइटल 'द वॉर्डरोब' अंधेरे बैकग्राउंड पर और भी डरावना एहसास दे रहा है। दिव्या ने कहा, 'इस फिल्म ने मुझे एक कलाकार के तौर पर चैलेंज किया। कहानी बहुत ग्रिपिंग और एटमॉस्फेरिक है। मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे जल्द से जल्द देखें।' वहीं रजनीश दुग्गल ने भी फिल्म की स्क्रिप्ट की तारीफ करते हुए कहा कि इसमें सस्पेंस और साइकोलॉजिकल एलिमेंट्स का शानदार बेलेंस है।

फिल्म की कहानी एक साधारण-सी दिखने वाली अलमारी से शुरू होती है, जो धीरे-धीरे डरावनी घटनाओं की एक लंबी कड़ी को जन्म देती है। ट्विस्ट, शॉक और रहस्य से भरी यह कहानी दर्शकों को सीट से बांधे रखने पर मजबूर कर सकती है। फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनी प्रियामणि

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से निकलकर हॉलीवुड में एक अलग मुकाम बनाया है। साथ ही बाकी भारतीय कलाकारों के लिए भी राह खोली है। प्रियंका की राह पर चलते हुए साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि भी अब एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रही हैं। इसमें उनके साथ टीवी पर 'महादेव' का किरदार निभाने वाला एक चर्चित एक्टर नजर आएगा।

मोहित रैना होंगे प्रियामणि के अपोजिट

इस फिल्म में प्रियामण के अपोजिट टीवी के चर्चित एक्टर मोहित रैना नजर आएंगे। वह बॉलीवुड फिल्मों और सीरीज में भी दमदार किरदार निभा चुके हैं। लेकिन टीवी सीरियल 'देवों के देव महादेव' में उन्होंने भगवान शिव की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म का हिस्सा बनने पर मोहित रैना कहते हैं, 'यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह पहचान और अपनेपन को बहुत ईमानदारी से दिखाता है।' वहीं प्रियामणि ने कहा, 'जिस चीज ने मुझे तुरंत इस फिल्म की तरफ खींचा, वह थी कहानी का इमोशन और सच्चाई।' यूएस बेस्ड रेड बाइसन प्रोडक्शंस ने इस क्रॉस बॉर्डर फीचर फिल्म के लिए मुंबई के एज्योर एंटरटेनमेंट के साथ पार्टनरशिप की है। यह फिल्म हर्ष महादेश्वर द्वारा लिखी गई। वही इसका डायरेक्ट करेंगे। अभी तक फिल्म का टाइटल नहीं रखा गया है। यह एक फीचर फिल्म होगी, जिसकी कहानी सच्ची कहानी पर आधारित है। इसमें एक अप्रवासी परिवार की भावुक कहानी दिखाई जाएगी। यह प्रोजेक्ट अप्रैल 2026 में शुरू होगा।

युवराज सिंह की बायोपिक करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

अपनी आगामी फिल्म ' दो दीवाने सहर में' को लेकर चर्चा में बने अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर अपने उस ड्रीम रोल के बारे में खुलकर बात की है, जो सालों से उनके दिल के बेहद करीब है। जी हाँ, अपने करियर की शुरुआत क्रिकेट पर आधारित वेब सीरीज़ 'इनसाइड एज' से करनेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर क्रिकेट की तरफ लौटते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने की इच्छा जताई है। गौरतलब है कि अमेज़ॉन प्राइम विडिओ के वेब सीरीज़ 'इनसाइड एज' में क्रिकेट की चमक-दमक के पीछे की अंधेरी दुनिया को सिद्धांत ने बखूबी उकेरा था। फिलहाल बायोपिक के संदर्भ में सिद्धांत कहते हैं, 'मैं वर्ष 2019 से कहता आ रहा हूं और आज भी कहूंगा और कहूंगा, बल्कि इसे मैनिफेस्टभी करता हूँ एक दिन मुझे मशहूर क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने का मौक़ा मिले। उनकी जर्नी एक रोलरकोस्टर की तरह वाकई अविश्वसनीय रही है। मुझे वे न सिर्फ क्रिकेटर के तौर पर पसंद हैं, बल्कि व्यक्तित्व भी उनका शानदार है। मैं उनके क्रिकेट के साथ उनकी लाइफस्टाइल, और समस्याओं के प्रति उनके जज्बे को सलाम करता हूँ, जिस तरह उन्होंने परेशानियों को मात दी। वाकई वे एक आइकन हैं, और दुनिया को उनकी कहानी ज़रूर जाननी चाहिए।' वैसे बायोपिक की बात करें तो सिद्धांत जल्द ही दिग्गज फिल्ममेकर 'वी. शांताराम' का चुनौतीपूर्ण बायोपिक में नजर आनेवाले हैं और इसके फर्स्ट लुक के साथ ही वे अपने दर्शकों की सराहना भी पा चुके हैं।

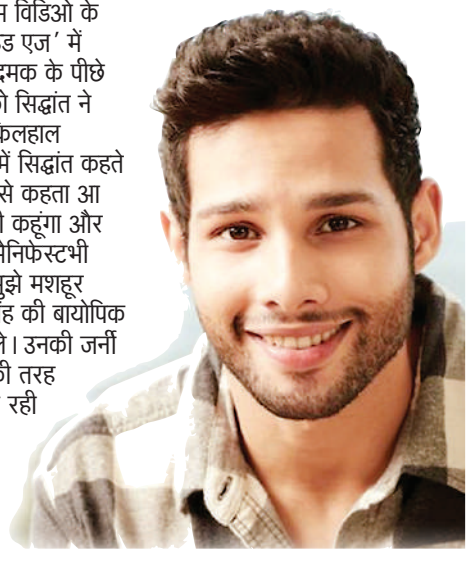

'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' की टक्कर से बचकर निकले सनी देओल; आगे खिसकी 'गबरू' की रिलीज डेट

सनी देओल अभिनीत फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त तरीके से सफल हुई है। इस बीच वे अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं, जिनमें फिल्म 'गबरू' का भी नाम है। पहले यह फिल्म मार्च में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब दर्शकों को इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। रिलीज डेट में बदलाव किया गया है।

'गबरू' कब होगी रिलीज?

'बॉर्डर 2' के बाद सनी देओल के फैंस की नजर उनकी आगामी फिल्मों पर टिकी है। शशांक उदयपुरकर निर्देशित यह फिल्म पहले 13 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब इसमें बदलाव कर दिया गया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, यह फिल्म 08 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हाल ही में हड्ड के साथ बातचीत में सनी देओल ने 'गबरू' को अपने दिल के सबसे करीब फिल्मों में से एक बताया।

फिल्म 'चांद मेरा दिल' से होगा टकराव

फिल्म 'गबरू' को विशाल राणा और ओम छंगानी के प्रोड्यूस किया है। फिल्म में सनी देओल के साथ सिमरन और प्रीत कमानी अहम रोल में हैं। सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज डेट में बदलाव के बाद अब इसका मुकाबला लक्ष्य ललवानी और अनन्या पांडे की फिल्म 'चांद मेरा दिल' से होगा। यह फिल्म भी 08 मई को रिलीज होने वाली है। अनन्या और लक्ष्य की फिल्म को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया है।

'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' से बच निकले सनी देओल

बता दें कि मार्च में दो बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक दे रही हैं। रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' और यश की 'टॉक्सिक'। दोनों ही फिल्में 19 मार्च 2026 को रिलीज हो रही हैं। 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त तरीके से सफल रही। इसके दूसरे पार्ट का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दूसरी तरफ, 'टॉक्सिक' का भी क्रेज है। संभवतः इन दोनों फिल्मों से भिड़ंत से बचने के लिए मेकर्स ने सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज में बदलाव किया है।

फिल्म बनाने के लिए प्रियंका ने किया प्रेरित

मीरा चोपड़ा साउथ और बॉलीवुड फिल्मों के अलावा प्रियंका चोपड़ा की कजिन बहन के तौर पर पहचानी जाती हैं। शादी के बाद वह फिल्मों से दूर थीं लेकिन अब बतौर फिल्ममेकर उन्होंने साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स' के साथ वापसी की। हमसे खास बातचीत में उन्होंने अपने करियर, प्रियंका चोपड़ा की सलाह सहित कई विषयों पर बात की।

बतौर फिल्ममेकर डेब्यू करने के बाद क्या वह आगे अपनी फिल्म में बहन प्रियंका चोपड़ा को कास्ट करने के बारे में सोचती हैं। इस सवाल के जवाब में उन्होंने हंसते हुए कहा, 'नहीं...नहीं। अभी तो मैं वो नहीं कर सकती। मैं अभी उनको एफोर्ड ही नहीं कर सकती हूं। मैं कभी सपने में भी ऐसा नहीं सोचती हूं। हां जब बड़ी फिल्ममेकर बन जाऊंगी तो एक दिन अपनी फिल्म में प्रियंका को कास्ट करना चाहूंगी।'

बिजनेस में हाथ आजमाने के मीरा के फैसले पर बहन प्रियंका चोपड़ा का क्या रिएक्शन था? इस बारे में वह बताती हैं, 'मैंने सीधे उन्हें अपनी फिल्म (गांधी टॉक्स) का टीजर भेजा। मैंने उनको बताया कि ये फिल्म मैंने प्रोड्यूस की है। उनको इस पर बहुत गर्व महसूस हुआ। प्रियंका का व्यवहार कुछ ऐसा है कि हम में से कोई जब कुछ अच्छा करता है, तो वह बहुत गौरवान्वित महसूस करती हैं। प्रियंका ने मुझे कहा था कि फिल्म बनाना बिल्कुल भी आसान काम नहीं है, आपने टीजर बना दिया है तो प्लीज अब फिल्म बनाओ। दरअसल, उन्होंने इस इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि इस वर्ल्ड में जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वो ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। जब आपके परिवार में ऐसा कोई होता है तो आप उससे प्रेरित होते हैं। आप पहले उसको देखते हैं। हमेशा एक चाह थी कि मैं कुछ ऐसा करूं कि प्रियंका कहे कि मुझे तुम पर गर्व है और उन्होंने ऐसा कहा, ये मेरे लिए ये बड़ी है।

एक्टिंग में लगातार काम नहीं मिलता

एक इंटरव्यू में मीरा ने कहा था कि वह स्क्रीन पर वापसी के लिए लोगों के संपर्क में हैं। लेकिन अब वह बतौर फिल्ममेकर वापसी कर रही हैं। क्या शादी के बाद एक्टिंग में लौटना उनके लिए चुनौती भरा फैसला है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे सामने ऐसी कोई चुनौती नहीं आई। लेकिन एक्टिंग में क्या है कि आपको दो साल काम नहीं मिला तो आप काम नहीं करोगे, फिर एकदम से एक ही साल में दो प्रोजेक्ट आ जाएं तो आप काम करोगे। दरअसल, एक्टिंग ऐसा पेशा नहीं है कि लगातार आपको काम दे ही देगा। मैं ऐसा प्रोफेशन चाहती थी कि आपका लगातार काम चलता रहे, इसलिए मैंने प्रोडक्शन का काम शुरू किया। वो मेरे कंट्रोल में है कि मुझे कब क्या बनाना है, क्या करना है।

एक्टिंग में तो जब प्रोजेक्ट मिलेगा, जब आपको कुछ अच्छा लगेगा तब आप कर पाओगे। मैंने तीन साल काम करने के बाद फिर सोचा कि अब एक्टिंग में वापसी करूंगी और बहुत जल्द मैं आपको स्क्रीन पर दिखूंगी। एक्टिंग मेरा प्यार है, मैं जिंदगी में चाहे कुछ भी करूं, एक्टिंग नहीं छोड़ूंगी।'

फिल्म के गाने बनाने में समय लग गया

साइलेंट फिल्म के साथ बतौर प्रोड्यूसर वापसी करना और फिल्म की स्क्रीनिंग के लंबे समय बाद रिलीज करना कितनी बड़ी चुनौती थी? इस बारे में वह कहती हैं, 'जब हमने स्क्रीनिंग की थी तो हमारा मकसद था कि इतना बड़ा स्टेप उठाने पर लोगों का रिएक्शन कैसा रहेगा, जो कि काफी अच्छा था। फिर हमने एक बड़ा बदलाव किया कि फिल्म का संगीत पांच भाषाओं में बनाएंगे, क्योंकि फिल्म में डायलॉग नहीं थे तो फिल्म को एक भाषा में रिलीज करना हमें सही नहीं लगा। इसलिए ए.आर रहमान सर ने शुरू से फिल्म का संगीत बनाना शुरू किया। हिंदी के गाने पहले से ही तैयार थे, तमिल, मलयालम, तेलुगु, मराठी के गाने बनाने शुरू किए। उसमें एक साल और लग गया। लेकिन हमारी मंशा थी कि चाहे एक-दो साल लग जाएं लेकिन जब फिल्म दर्शकों के सामने आए तो लोगों की वाहवाही मिले।